हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार, 27 अप्रैल 2025

पहलगाम हमले के बाद दुनिया भर में अकेला पड़ा पाक, भारत के साथ 'सारी दुनिया'

भारत ने कड़े तेवर दिखाए तो पाकिस्तान की हैकड़ी निकली

पाक पीएम बोले- हम 'हर जांच' को तैयार, और आतंकी संगठन टीआरएफ ने कहा- हमारा हमले में कोई हाथ नहीं

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बड़ा बयान देते हुए कह दिया है कि वे पहलगाम हमले के बाद हर जांच के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक तो पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। इस हमले में पाक का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने सेना को लेकर भी कहा है कि पाकिस्तान के फौजी अपने देश को बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि हम शांति चाहते हैं। भारत ने पानी रोकने का काम किया है, इसका जवाब जरूर दिया जाएगा।

सिंधु हमारी लाइफलाइन है, यहां कोई समझौता बर्दाश्त नहीं है। अब पाकिस्तान को सामने से आकर इतना सब-कुछ इसलिए बोलना पड़ रहा है कि सारे सबूत उसके खिलाफ जा रहे हैं। ऐसी खबर है कि भारतीय इंटेलिजेंस को पाकिस्तान के खिलाफ कई सबूत मिले हैं, पहलगाम हमले में उनकी भूमिका को लेकर जानकारी मिली है। उधर, पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने के बाद अब द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की ओर से बड़ा बयान सामने आया है। टीआरएफ के प्रवक्ता ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में हमारी संलिप्तता नहीं है। टीआरएफ ने इसे झूठा, जल्दबाजी और सुनियोजित प्रयास बताया है।

भारत का रुख साफ- पहलगाम हमले का माकूल जवाब दिया जाएगा, पीएम पहले ही दे चुके हैं साफ संकेत

हमले के फोटो

हमले की जिम्मेदारी साइबर हमले से दी गई, हमारा कोई ताल्लुक नहीं

टीआरएफ प्रवक्ता अहमद खालिद ने एक आधिकारिक बयान जारी कर लिखा कि हमले के तुरंत बाद संगठन के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक छोटा सा संदेश पोस्ट किया गया। जांच से पता चला कि यह एक साइबर हमले से हुआ था। द रेजिस्टेंस फ्रंट ने कहा कि हम इस सच्चाई को साझा करेंगे ताकि दुनिया के सामने सच्चाई सामने आ सके। सच्चाई छिपी नहीं है।

अनंतनाग में 175 संदिग्ध गिरफ्तार

पहलगाम हमले के बाद हंदवाड़ा पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत से जुड़े मामलों में छापेमारी करते हुए जांच तेज कर दी है। जबकि, वहीं अनंतनाग में 175 संदिग्ध गिरफ्तार किए गए। केंद्र सरकार ने 2023 में तहरीक-ए-हुर्रियत को प्रतिबंधित किया था।

पीपीपी के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने कहा- सिंधु हमारी, हमारे पानी में आपका खून बहेगा

मंत्री हरदीप पुरी ने कहा-एक बूंद भी पानी नहीं मिलेगा, अपना खून बहाकर लगाओ छलांग

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पहलगाम में जो हुआ है वो कोई दुर्घटना नहीं बल्कि पाकिस्तान न सिर्फ एक दुष्ट देश है, बल्कि अब पतनशील अवस्था में पहुंच चुका है। सिंधु जल संधि के निलंबन पर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी के कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हरदीप पुरी ने तंज कसा कि मैंने उनका बयान सुना उनसे कहो कि कहीं पानी में कूद जाएं। जब पानी ही नहीं मिलेगा तो कहां छलांग मारेगा। ऐसे गैर-जिम्मेदार बयानों को कोई महत्व नहीं दिया जाना चाहिए, उन्हें समय आने पर समझ में आ जाएगा। पुरी ने कहा सिंधु जल संधि 1960 की है जब हमारे रिश्ते पाकिस्तान से कुछ अलग तरह के थे। वहीं पुरी ने लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में पाकिस्तानी सेना और वायुसेना के सलाहकार कर्नल तैमूर राहत की कथित गला काटने की हरकत पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को सीधा राज्य प्रायोजित आतंकवाद करार दिया।

कर्नल तैमूर राहत ने गला काटने की दी धमकी

लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जब भारतीय समुदाय के लोग पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान, पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी कर्नल तैमूर राहत ने शर्मनाक हरकत करते हुए प्रदर्शनकारियों की ओर देखकर इशारों में गला काटने की धमकी दी। कर्नल राहत के हाथ में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान का एक पोस्टर भी था। इसके साथ ही एक बैनर पर लिखा गया था, पाकिस्तान विथ खालिस्तान, जो खुलेआम पाकिस्तान की भारत-विरोधी मंशा को दर्शा रहा था।

सरकार ने जारी की एडवाइजरी...

रक्षा अभियानों के लाइव कवरेज पर रोक

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सावधानी बरतने और मौजूदा कानूनों तथा नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है। एडवाइजरी में साफ कहा गया है कि रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार की रियल टाइम कवरेज, दृश्य प्रसारण या स्रोत आधारित जानकारी का प्रसारण नहीं किया जाना चाहिए। समय से पहले संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को लाभ मिल सकता है और हमारे सुरक्षा बलों की कार्यकुशलता तथा उनकी सुरक्षा खतरेपड़ सकती है।

गुंडों को सबक सिखाना भी हमारा धर्म: भागवत

पहलगाम हमले के बाद संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि अहिंसा हमारा धर्म है और गुंडों को सबक सिखाना भी हमारा धर्म है। हम अपने पड़ोसियों का कभी अपमान या नुकसान नहीं करते लेकिन फिर भी अगर कोई बुराई पर उतर आए तो दूसरा विकल्प क्या है? राजा का कर्तव्य प्रजा की रक्षा करना है, राजा को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहिंसा हमारा स्वभाव है, हमारा मूल्य है, लेकिन कुछ लोग नहीं बदलेंगे, चाहे कुछ भी करो।

25 वें जन्मदिन के पहले इन्फ्लुएंसर मीशा नहीं रही

नई दिल्ली। मशहूर कॉन्टेंट क्रिएटर और इन्फ्लुएंसर मीशा अग्रवाल का निधन हो गया है। इससे फैंस और फॉलोअर्स को हैरान कर दिया है। मीशा 2 दिनों में परिवार के साथ अपना 25वां जन्मदिन मनाने वाली थीं, लेकिन वे अपना 25वां बर्थडे सेलिब्रेट करतीं उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। परिवार ने पुष्टि की है।

इंदौर में बाल विवाह पर सख्त एक्शन

सामूहिक विवाह समारोह में 36 नाबालिग जोड़ों की रुकवाई शादी

बाकी 13 जोड़ों के विवाह की दी गई स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏩ इंदौर

देपालपुर तहसील के बछोदा गांव में आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने छापा मारा। स्क्वॉड के प्रभारी महेंद्र पाठक ने बताया कि जांच में पाया गया कि 36 जोड़े नाबालिग थे। लड़कियों की उम्र 16 से 17 साल के बीच थी, जबकि लड़के करीब 20 साल के थे। हमने आयोजकों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देकर इन शादियों को रुकवा दिया। बाकी 13 जोड़े, जो कानूनी उम्र सीमा पूरी करते थे, उनके विवाह समारोह को आगे बढ़ने दिया गया। भारत में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत पुरुषों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य उम्र 21 साल और महिलाओं के लिए 18 साल निर्धारित है। इस कानून का उल्लंघन करने वालों को दो साल तक की सजा या 1 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब मध्य प्रदेश में बाल विवाह को रोकने के लिए प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है। हाल ही में इंदौर जिला प्रशासन ने अक्षय तृतीया जैसे धार्मिक अवसरों पर होने वाले सामूहिक विवाहों पर नजर रखने के लिए सख्त निर्देश जारी किए थे।

- 2 साल की सजा या 1 लाख का जुर्माना हो सकता है

कलकत्ता हाईकोर्ट का ये फैसला देखें

नाबालिग के ब्रेस्ट को छूना रेप की कोई 'कोशिश' नहीं

गंभीर यौन उत्पीड़न बताते हुए आरोपी को दी जमानत, सुप्रीम कोर्ट ने दी थी हिदायत

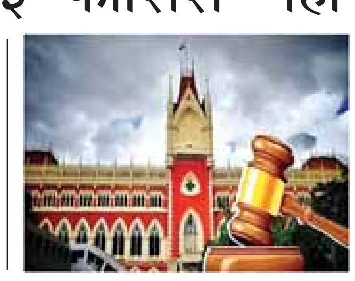

एजेंसी ⏩ कोलकाता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि नशे में नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट छूने की कोशिश करना, प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस (पोक्सो) एक्ट के तहत रेप की कोशिश नहीं है। इसे गंभीर यौन उत्पीड़न की कोशिश माना जा सकता है। हम आरोपी को जमानत दे रहे हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट का यह फैसला तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के ऐसे ही कमेंट को असंवेदनशील बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। 19 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने कहा था- नाबालिग के ब्रेस्ट पकड़ना, पायजामे का नाड़ा तोड़ना या घसीटकर पुलिया के नीचे ले जाने की कोशिश रेप नहीं है। 26 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह बहुत गंभीर मामला है।

ट्रायल कोर्ट ने 12 साल जेल की सजा सुनाई थी

ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 और आईपीसी की धारा 448/376(2)(सी)/511 के तहत दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उसे 12 साल जेल और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोपी ने कहा कि वह दो साल से ज्यादा समय से जेल में बंद है। अदालत से इस मामले में जल्द फैसला आने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में उसे जमानत दी जाए।

विदेश मंत्रालय ने दिया बड़ा अपडेट

30 जून से अगस्त तक चलेगी कैलाश मानसरोवर की यात्रा

इस साल पांच बैच जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे, उत्तराखंड से लिपुलेख दर्रे को पार करते हुए यात्रा करेंगे

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

पांच साल के अंतराल के बाद भारत ने शनिवार को जून से कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने की घोषणा की।

यात्रा को फिर से शुरू करने को भारत और चीन द्वारा संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के एक हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों ने पिछले साल अक्तूबर में समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के दो तनाव वाले बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी कर ली थी। कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त 2025 तक चलेगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस साल पांच बैच।

ऐसे ही 10 बैच, जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे, सिक्किम से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए यात्रा करेंगे

केएमवीएन को 35,000 की जगह 56 हजार रु. चुकाने पड़ेंगे

इस बार श्रद्धालुओं को कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) को 35,000 की जगह 56 हजार रुपए चुकाने पड़ेंगे। केएमवीएन इस धनराशि से यात्रियों के आने-जाने, ठहरने और भोजन आदि का प्रबंध करेगा। इसके अलावा, मेडिकल जांच, चीन का वीजा, कुली, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चीन सीमा में अलग से खर्च करना पड़ेगा।

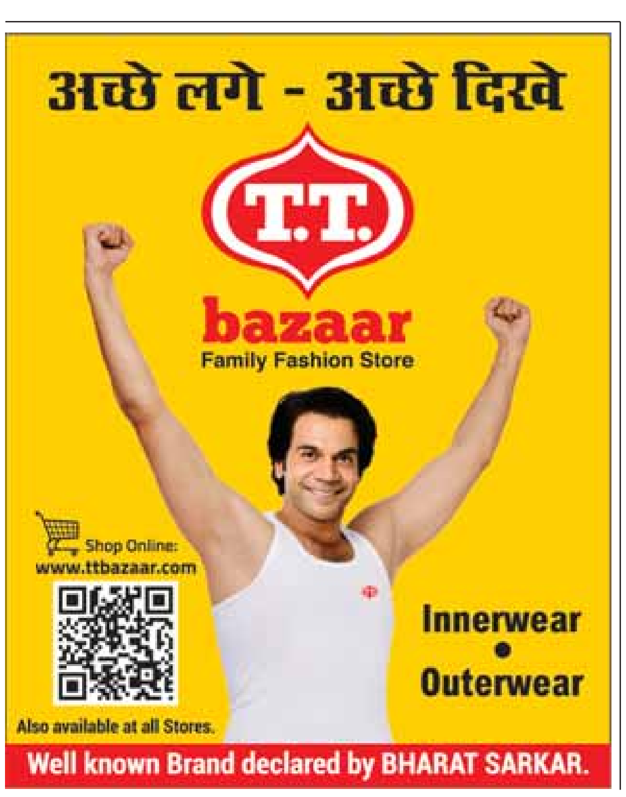

हाईकोर्ट का फैसला: 50 हजार से अधिक नर्सिंग छात्रों को राहत

28-29 अप्रैल से हर हाल में हो परीक्षाएं...कमेटी की भंग

अब 2022-23 सत्र की परीक्षा 2025 में कराई जा रही

हरिभूमि न्यूज ⏩ जबलपुर

मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों में हुए बड़े फर्जीवाड़े और परीक्षाओं में बार-बार हो रही देरी पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि 2022-23 सत्र की लंबित परीक्षा अब हर हाल में 28 और 29 अप्रैल को आयोजित की जाए।

यह परीक्षा पहले चार बार टाली जा चुकी है- दो बार मेडिकल यूनिवर्सिटी और दो बार एमपी नर्सिंग काउंसिल की ओर से। कोर्ट के इस निर्देश से 200 डिग्री और 400 से अधिक डिप्लोमा कॉलेजों के 50 हजार से अधिक छात्रों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से जुड़े मामलों में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की भूमिका अब समाप्त हो चुकी है और अब किसी भी कॉलेज का मामला कमेटी को नहीं सौंपा जाएगा।

परीक्षा की तारीख में नहीं होगा कोई बदलाव

नर्सिंग कॉलेजों में फर्जी मान्यता और छात्रों की लंबित परीक्षाओं को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की स्पेशल बेंच-जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने एमपी नर्सिंग काउंसिल और मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को निर्देशित किया कि तय परीक्षा तिथियों में अब बदलाव नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि 2020-21 और 2021-22 सत्र की परीक्षा भी तय समय पर नहीं हो पाई थी और 2024 में आयोजित की गई थी। अब 2022-23 सत्र की परीक्षा 2025 में कराई जा रही है।

UDYOG EVAM ROJGAR VARSH 2025
INVEST MADHYA PRADESH
MPS@DC
INFOTECH ENGINE OF M.P.
देश का टेक्नोलॉजी हब
बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश
टेक ग्रोथ
कॉन्क्लेव 2025
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के संकल्पों को
साकार करता मध्यप्रदेश
शुभारंभ
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा
27 अप्रैल 2025 । सायं 5:00 बजे
ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर
अवसरों का प्रदेश
मध्यप्रदेश...
इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियां
• ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025
• ड्रोन प्रमोशन एवं यूसेज पॉलिसी 2025
• आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023
• एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025
• सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025
टेक ईकोसिस्टम
15+ आईटी पार्क
5 आईटी सेज़
2000+ आईटी, आईटीईएस यूनिट
50+ बड़ी आईटी कंपनियां
1200+ टेक स्टार्ट-अप्स
200K+ रोज़गार के अवसर
2 टेक यूनिकॉर्न
D-11017/25
फोकस क्षेत्र
आईटी-आईटीईएस
एवीजीसी-एक्सआर
ड्रोन प्रौद्योगिकी
ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर
डाटा सेंटर
ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स
ipcell-mp@mpsedc.com । Website : mpsedc.mp.gov.in । #MPTechGrowthConclave2025 । #TechDestinationMP
सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @JansamparkMP
JansamparkMP

जबलपुर

रविवार, 27 अप्रैल 2025

- वैशाख मास कृष्ण पक्ष-अमावस्या
- वर्ष : 19, अंक : 350
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 37
न्यून. 27

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

14 ➔ आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को उनकी वरीयता पर पदस्थापना पाने का पूरा अधिकार : हाईकोर्ट

आजकल
4 पीओके पर कब्जे से टूटेगी...

आधे दिन के बंद से राजधानी में हुआ करीब 200 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित

आंतकी हमले के विरोध में सभी बाजार रहे बंद भोपाल की 1 लाख से अधिक दुकानें रहीं बंद

न्यू मार्केट

अत्यावश्यक सेवाएं बंद से बाहर

बंद के दौरान आवश्यक सेवाओं को इससे बाहर रखा गया है। राज्यभर में करीब 3,000 मेडिकल स्टोर्स और थोक दवा दुकानें सामान्य रूप से खुली हैं। दूध की सप्लाई और चाय-नाश्ते की दुकानें भी चालू रहीं, जिससे आमजन को असुविधा न हो।

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में राजधानी भोपाल की करीब 1 लाख दुकानें आधे दिन के लिए बंद रहीं। भोपाल बंद की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि शहर के छोटे-बड़े सभी धर्म-संप्रदाय के व्यापारियों ने अपनी स्वेच्छा से दुकानें रखी। इस बंद के लिए कोई भी राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की टोली दुकानें बंद कराने नहीं निकली। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आह्वान पर शहर से सभी ट्रेडों के व्यापारियों द्वारा प्रतिष्ठानों को बंद रखकर इस बात को उजागर किया कि पाकिस्तान द्वारा कराए गए आतंकी हमले के विरोध में समूचा व्यापारी समुदाय एक है। भोपाल बंद के चलते पुराने शहर सभी बाजार बंद रहे।

जुमेराती

लखेरापुरा

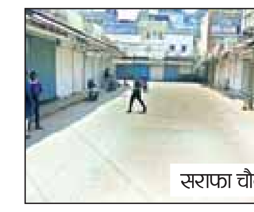

सराफा चौक

रायसेन में भी दिखा विरोध

रायसेन व्यापार महासंघ के अध्यक्ष संतोष साहू ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला धर्म के नाम पर किया गया है, जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित किया जाए।

इंदौर में कांग्रेस के बंद को समर्थन नहीं

इ-दौर में बंद का आंशिक असर देखा गया। तिलक नगर और एमआईजी क्षेत्रों में अधिकांश दुकानें खुली रहीं। हालांकि कुछ अन्य क्षेत्रों में व्यापारी संगठनों के आह्वान पर दुकानों को बंद रखा गया। कांग्रेस के बंद के समर्थन का यहां कोई विशेष प्रभाव नहीं दिखा, और सामान्य दिनचर्या जारी रही। छतरपुर में व्यापारी संगठनों ने सर्वसम्मति से शनिवार को बाजार पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया। रतलाम जिले के सैलाना में सर्व हिंदू समाज के आव्हान पर नगर बंद रहा। व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

लग्नोत्सव में हर्ष फायरिंग सरपंच के बेटे की मौत

भिंड। भारौली थाना अंतर्गत बर कापुरा में देर रात शादी समारोह के कार्यक्रम में हुई हर्ष फायरिंग में गोली लगने से वधु पक्ष के एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर है। मृतक अड़ोखर सरपंच का बेटा है। पुलिस के अनुसार बरकापुरा में राजेन्द्र सिंह राजपूत के बेटे की अड़ोखर से लगुन आई थी। लगनोत्सव के दौरान अचानक हर्ष फायरिंग शुरू हो गई।

नीट पेपर लीक में मुखिया ईओयू की रिमांड पर

पटना। नीट समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक कराने के आरोपित संजीव मुखिया से आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने पूछताछ शुरू कर दी है। ईओयू को शनिवार को मुखिया की 36 घंटों की रिमांड मिली है। इस पूछताछ में नीट के साथ बिहार लोक सेवा आयोग, शिक्षक भर्ती परीक्षा और सिपाही भर्ती परीक्षा धांधली की जानकारी मिलेगी।

मार्च में 1.45 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की

नई दिल्ली। देश में घरेलू एयरलाइन कंपनियों से मार्च में 1.45 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 8.79 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। भारतीय एयरलाइन कंपनियों के जरिये पिछले साल मार्च में कुल 1.33 करोड़ लोगों ने यात्रा की थी।

टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार में मप्र 'नई उड़ान' भरने जा रहा

'एमपी टेक ग्रोथ' कॉन्क्लेव-2025' आज इंदौर में, जुटेंगे देश-दुनिया के 'टेक-दिग्गज'

मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में जारी करेंगे 4 नई टेक-पॉलिसीज के लिए गाइडलाइन्स, शुभारंभ भी करेंगे

- मप्र डिजिटल नवाचार की दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य के 2 शहरों को एआई सिटी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल) पर विकसित करने जा रहा है। इस पायलट प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार में मप्र नई उड़ान भरने जा रहा है। इसका आगाज इंदौर में होने जा रही एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव- 2025 से होगी। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मप्र डिजिटल नवाचार की दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य के 2 शहरों को एआई सिटी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल) पर विकसित करने जा रहा है। इस पायलट प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। राज्य में अभी एग्रीटेक, स्कूल एजुकेशन, वन, बिजली और पुलिस महकमें में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का ये कॉन्क्लेव आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव प्रदेश का पहला पूर्णतः सेक्टर आधारित टेक-कॉन्क्लेव होगा, जो हाल ही में आयोजित जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर साकार करने का मंच बनेगा।

राज्य में अभी एग्रीटेक, स्कूल एजुकेशन, वन, बिजली और पुलिस महकमें में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा

- मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा
- इस कार्यक्रम में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीआईडीआईए जैसी बिग-टेक कंपनियों सहित 300 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, नीति निर्माता और निवेशक शामिल होंगे

ग्वालियर में देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन

ग्वालियर में देश का पहला टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) 12 हजार करोड़ के निवेश और 5 हजार नौकरियों के साथ जल्द आकार लेगा। यह टीएमजेड देश में अपनी तरह का पहला जोन होगा। इसमें सिम, चिप, एंटीना और अन्य उपकरण निर्मित होंगे। यहां सभी एसेसरीज सिस्टम्स, कम्पोनेंटस, वाइ-फाई, ऑप्टिकल्स, मोबाइल डिवाइसेज, सिमकार्ड, एंटीना, टेलीकॉम चिप्स सहित टेलीकॉम सेक्टर में नई 6 जी टेक्नॉलाजी के लिए अनुसंधान एवं विकास के कार्य भी किए जाएंगे। टेलीकॉम सेक्टर की डिक्सॉन, वॉयकॉन, आईबीएम, निक्सन एवं एरिक्सन जैसी सभी बड़ी कम्पनियां यहां निवेश करने के लिए आएंगी।

टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी

कॉन्क्लेव में सेक्टर-स्पेसिफिक राउंड टेबल मीटिंग्स, सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार बोर्ड से वीसी संवाद और मुख्यमंत्री की टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी कॉन्क्लेव का हिस्सा होंगी। टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव मप्र को भविष्य के डिजिटल भारत में अग्रणी बनाने और जीआईएस-भोपाल की निवेश प्रतिबद्धताओं को साकार करने की दिशा में एक निर्णायक पहल सिद्ध होगी।

ईएमसी 2.0 योजना में भोपाल के बैरसिया रोड पर बनेगा क्लस्टर

इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) 2.0 देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक अग्रणी पहल है। यह योजना एक गेम चेंजर है और निश्चित रूप से इस क्षेत्र को अगले स्तर पर ले जाएगी। ईएमसी 2.0 योजना में भोपाल के बैरसिया रोड पर बांदीखेड़ी में और जबलपुर में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर डेवलप होगा। मुख्यमंत्री ने जीआईएस भोपाल में प्रदेश में बेहतर निवेश के लिए निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं। विभागीय सक्रियता ने राज्य को आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्रों में एक संभावित निवेश स्थल से वास्तविक और समृद्ध निवेश-स्थल में परिवर्तित कर दिया है।

5 नेताओं को पार्टी मुख्यालय बुलाया

छवि खराब करने वाले नेताओं से नाराजगी, भोपाल तलब

- सतना के पूर्व जिलाध्यक्ष को पार्टी से निकाला, सागर महापौर को नोटिस
- विधायक प्रदीप पटेल को मिली समझाइस, बाद में पहुंचेंगे प्रीतम लोधी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भाजपा अपनी पार्टी के उन विधायकों, महापौरों और नेताओं से नाराज है जिनके बयानों के कारण संगठन और सरकार की छवि खराब हो रही है। ऐसा करने वाले पार्टी के दो विधायकों प्रदीप पटेल, प्रीतम लोधी, दो महापौर देवास की गीता अग्रवाल, सागर की संगीता सुशील तिवारी और बीना नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार 26 अप्रैल को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में तलब किया गया। पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में सतना के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। बुलाने के बावजूद न आने पर सागर की महापौर संगीता सुशील तिवारी को नोटिस थमाया गया है। सतीश के खिलाफ एक महिला ने छेड़छाड़ करने की शिकायत की है।

न आने पर संगीता को नोटिस

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि बुलाने पर भी न आने को लेकर सागर महापौर संगीता सुशील तिवारी को नोटिस दिया जा रहा है। जबकि महिला से छेड़छाड़, अश्लील चैट वायरल करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सतना के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। शर्मा ने बताया कि देवास की महापौर से बात हुई है। बीना नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार, मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल पार्टी दफ्तर पहुंचे थे। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी को भी बुलाया था, लेकिन वे राजस्थान में हैं। वे बाद में आएंगे। वीडी ने कहा कि कभी कोई कार्यकर्ता चाहे वह जनप्रतिनिधि हो या पदाधिकारी हो, अगर कुछ गलत बात करते हैं तो उन्हें बातचीत करने के लिए बुलाया जाता है। भाजपा में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी। कभी-कभी आवेश में बातें हो जाती हैं जिसे ठीक किया जाता है।

एक बच्चा अपने मामा के घर आया था

सतना में बड़ा हादसा, अमुआ बांध में डूबने से 3 बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

मध्य प्रदेश के सतना से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर जिले के धारकुड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित अमुआ बांध में तीन आदिवासी बच्चे डूब गए। तीनों बच्चों की मौत हो गई है। घटना की जानकारी होते ही धारकुंडी थाना पुलिस व मझगवां तहसीलदार सुमेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे। तीनों बच्चों के शव को ग्रामीणों की मदद से

- बांध के पास कैसे पहुंचे तीनों बच्चे?

बाहर निकाला गया। पुलिस ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि तीनों बच्चों में एक बच्चा अपने मामा के यहां आया हुआ था। जबकि दो अन्य वहीं के निवासी थे। घटना के बाद धारकुंडी थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि तीनों बच्चे खेलते-कूदते हुए बांध के पास तक पहुंचे और किन्हीं कारणों से पानी में चले गए।

अंतिम उत्तराधिकार योजना की तैयारी

अनंत अंबानी रिलायंस के कार्यकारी निदेशक नियुक्त

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने कहा है कि भारत की सबसे मूल्यवान और लाभदायक कंपनी रिलायंस में उनके बच्चों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अंबानी के सबसे बड़े बेटे आकाश 2014 में इकाई में शामिल होने के बाद जून 2022 से कंपनी की दूरसंचार शाखा, जियो इन्फोकॉम

- ईशा और आकाश को इस मामले में छोड़ा पीछे

के अध्यक्ष हैं। अब अनंत अंबानी को रिलायंस में कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी मिली है। अनंत का कार्यकाल पांच साल का होगा और उनकी नियुक्ति एक मई से प्रभावी होगी। ब्राउन यूनिवर्सिटी से स्नातक अनंत अंबानी अपने भाई-बहनों में रिलायंस के कार्यकारी निदेशक नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने भोपाल में आयोजित मेले में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए

यह केवल शासकीय नौकरी नहीं, स्वरोजगार से भी 'रोजगार' के अवसर हो रहे हैं निर्मित

रोजगार के नए अवसरों का सृजन हो सके इसके लिए कृषि में भी किए जा रहे हैं वैल्यू एडिशन के प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि युवाओं को शिक्षा और योग्यता प्राप्त करने के बाद रोजगार मिले, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 लाख शासकीय पदों पर नए अवसर सृजित किए हैं। इसमें से 51,000 मित्रों, जिनमें 200 से अधिक भोपाल उपस्थित हैं।

हर गांव को गरीबी से मुक्त बनाने का संकल्प

चौहान ने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने हर गांव को गरीबी से मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। धीरे-धीरे देश का हर परिवार रोजगार से जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से कृषि में भी वैल्यू एडिशन के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि रोजगार के नए अवसरों का सृजन हो सके।

घुमा-फिराकर जवाब दे रहा आतंकी

पुलिस बोली- पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा मास्टर माइंड राणा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई पुलिस के मुताबिक 2008 मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है।

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 23 अप्रैल को दिल्ली में एनआईए दफ्तर में आरोपी राणा से करीब 8 घंटे पूछताछ की जिसमें उसने घुमा-फिराकर जवाब दिए थे। दिल्ली में एनआईए भी राणा से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश

जारी है कि लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 26/11 हमले के लिए 3 साल से ज्यादा समय तक क्या तैयारी की और क्या योजना बनाई थी। राणा से उन लोगों के बारे में भी सवाल पूछे जा रहे हैं, जिनके नाम हमले के दौरान आतंकियों और उनके हैंडलर्स के बीच इंटरसेप्ट की गई बातचीत में सामने आए थे।

इनमें अब्दुर रहमान हाशिम सईद, साजिद मजीद, इलियास कश्मीरी और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे बड़े आतंकी शामिल हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राणा को 28 अप्रैल तक 18 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा है।

शनिवार सुबह से देर रात के बीच कई जिलों में बारिश- आंधी

भोपाल संभाग में भी बदला मौसम, शहर का पारा गिरा

मई की शुरूआत लू से, आज आधे प्रदेश में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शनिवार सुबह से देर रात के बीच कई स्थानों पर गरज-चमक और आंधी का दौर चला। अगले चार दिन मौसम कुछ ऐसा ही रहेगा, जिससे अप्रैल का महीना अब सामान्य गर्मी के साथ बीतेगा।

मई की शुरूआत तेज गर्मी से होगी, जिससे कई जिलों में लू का असर बढ़ेगा। भोपाल शहर के आसपास और संभाग से कुछ हिस्सों में अलसुबह हल्की बौछारें पड़ने से शनिवार को भोपाल का पारा आधा डिग्री गिरकर 40.7 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से आधा डिग्री कम है, हालांकि, बादलों के असर से रात का पारा 2.2 डिग्री बढ़कर 27.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से करीब 3 डिग्री ज्यादा रहा है।

आज दो दर्जन से अधिक जिलों में आंधी के साथ कहीं पड़ेंगी बौछारें

चार दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

टीटी नगर का दृश्य

दोपहर से शाम तक यहां बारिश-आंधी

शनिवार को दोपहर से देर शाम के बीच पांढुर्णा, सिवनी, दक्षिण पूर्व बैतूल में बिजली के साथ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। साथ ही उत्तरी बैतूल, बुरहानपुर, श्योपुर कलां, कटनी, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, छिंदवाड़ा, दक्षिण बालाघाट, दक्षिण नरसिंहपुर और अनुपपुर में बिजली के साथ हल्की आंधी चली।

आज यहां आंधी बारिश का अलर्ट

रविवार तक राजधानी में बादलों का आना जाना रहेगा। रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और पांढुर्णा आदि जिलों में 40 से 50 किमी तक की रफ्तार से आंधी के साथ कहीं-कहीं बौछारें भी पड़ेंगी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में काफी आक्रोश है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि आतंकी हमले को अंजाम देने वाले व उसे प्रायोजित करने वाले को कड़ा सबक सिखाया जाय। सरकार ने इस दिशा में एक्शन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में जहां आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, वहीं सरकार पाकिस्तान के खिलाफ भी प्रतीकात्मक व क्रियात्मक एक्शन ले रही है। सिंधु जल संधि के निलंबन से लेकर पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं, उच्चायोग में कर्मियों की कटौती की गई है, अटारी व वाघा सीमा से ट्रेड बंद किए गए हैं, हालांकि ये पहले से ही बंद जैसे हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने हमलावर आतंकियों व इसके साजिशकर्ताओं को कल्पना से अधिक कड़ी सजा देने की बात कही है। आज इसकी जरूरत भी है। द रेजिसटेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम में आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है, टीआरएफ पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट लश्करे तैयबा की ही शाखा है, ऐसे में इस आतंकी हमले में भी पाकिस्तान के तार जुड़ रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर में पाक फौज व आईएसआई के कई आतंकी प्रशिक्षण ठिकाने हैं। पीछे सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक भी इसी क्षेत्र के आतंकी ठिकानों पर हुए थे। आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए भारत का पीओके पर कब्जा जरूरी है। टेरर के खिलाफ एक्शन पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

पीओके पर कब्जे से टूटेगी आतंक की कमर

कूटनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और परिपोषित जिहादी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में अंजाम दिया गया नृशंस हत्याकांड कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का ज्वलंत प्रश्न वस्तुतः एक बार फिर से राष्ट्रीय पटल पर आ गया है। इस नृशंस हत्याकांड के पश्चात भारत सरकार द्वारा जो तत्कालिक निर्णय लिए गए हैं, उनके संदर्भ में यक्ष प्रश्न है कि क्या वर्ष 1960 में पाकिस्तान के साथ अंजाम दी गई, सिंधु जल संधि को स्थगित कर देने से पाकिस्तान द्वारा परवरिश किए गए जिहादी आतंकवाद पर लगाम लगाई जा सकती है? क्या बाघा बॉर्डर और अटारी बॉर्डर को सील कर देने से भारत और पाकिस्तान के मध्य विद्यमान 3323 किलोमीटर लंबी सरहद पार करके लगातार दाखिल हो रहे जिहादी आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में दाखिल होने से रोका जा सकता है? आखिरकार कश्मीर की सरजमीं पर विगत 37 वर्षों से निरंतर जारी जिहादी आतंकवाद का निराकरण करने का क्या निर्णायक उपाय है?

कश्मीर के ज्वलंत प्रश्न पर भारत और पाक के मध्य चार भीषण युद्ध लड़े गए, जिनमें पाक फौज पराजित हुईं, किंतु कश्मीर विवाद यथास्थान खड़ा है। आक्रामक युद्धों में शिकस्त खाने के पश्चात पाक हुक्मरानों ने कश्मीर पर आधिपत्य स्थापित करने की खातिर जिहादी दहशतगर्दों के द्वारा प्राक्सी वार संचालित करने की रणनीति अख्तियार की। विगत 36 वर्षों से निरंतर जारी प्राक्सी वार द्वारा प्रदत्त जख्मों को भारत निरंतर झेलकर अपने तकरीबन 45 हजार सैनिकों और अफसरों का बलिदान दे चुका है। यूं तो कश्मीर की सरजमीं पर तकरीबन एक लाख से अधिक इंसान अपनी जान गवां चुके हैं। आखिरकार क्या निदान है कश्मीर विवाद का और पाकिस्तान द्वारा प्रेषित परिपोषित जिहादी आतंकवाद का?

प्रॉक्सी वार कर रहा पाकिस्तान

भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के तत्पश्चात ही पाक हुकूमत द्वारा कश्मीर को सैन्य शक्ति द्वारा हथियाने की बाकायदा संगीन कोशिश अंजाम दी गई। जबकि पश्तुन कबाईली हमले का नकाब धारण करके मेजर जनरल अकबर अली खान के नेतृत्व में पाक फौज द्वारा ऑपरेशन गुलमर्ग के तहत रियासत कश्मीर पर 22 अक्टूबर 1947 को सैन्य धावा बोला गया। जम्मू कश्मीर रियासत के महाराजा हरि सिंह की छोटी सी सेना ताकतवर पाक फौज के आक्रमण का मुकाबला करने में नाकाम सिद्ध हुई। अंततः महाराजा हरि सिंह ने तत्काल प्रभाव से 26 अक्टूबर 1947 को संपूर्ण जम्मू कश्मीर रियासत का भारत के साथ संविलयन करने के लिए बाकायदा विलयपत्र पर दस्तखत कर दिए। भारतीय फौज आक्रमणकारी पाकिस्तानी फौज़ को जबरदस्त शिकस्त देते हुए निरंतर गति से आगे बढ़ रही थी और अपनी विजय पताका फहराती हुई

उरी इलाके तक पहुंच गई थी, जहां से पाक अधिकृत कश्मीर का मुजफ्फराबाद इलाका कुछ ही घंटे की दूरी पर स्थित था। विजय पताका लहराती हुई भारतीय सेना को यकायक युद्ध विराम करने का आदेश भारत की केंद्रीय हुकूमत द्वारा दिया गया। भारत की तत्कालीन अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कश्मीर विवाद को संयुक्त राष्ट्र में ले गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जम्मू कश्मीर में जनमत संग्रह आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया। पाकिस्तान की हठधर्मिता के कारण जम्मू-कश्मीर में कभी संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में जनमत संग्रह नहीं आयोजित किया जा सका। 1988 से पाक हुकूमत ने कश्मीर पर बलपूर्वक आधिपत्य स्थापित करने के लिए प्रॉक्सी वार का संचालन प्रारंभ किया।

आर्टिकल 370 को निरस्त किया

वर्ष 2019 में भारत सरकार में जम्मू कश्मीर प्रांत के लिए भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त आर्टिकल 370 को निरस्त किया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा यह दावा पेश किया गया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने से कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का स्वतः सफाया हो जाएगा। मोदी सरकार द्वारा नोटबंदी अंजाम दी गई और दावा किया गया कि भारत में सक्रिय आतंकवादी गिरोहों की कमर टूट जाएगी। नोटबंदी से आतंकवादियों की कमर तो कदाचित नहीं टूट सकी, छोटे व्यापारियों की कमर जरूर टूट गई। कश्मीर में आतंकवाद निरंतर सक्रिय बना रहा, किंतु उसकी घातक क्षमता में किंचित मात्र कमी जरूर आई।

मंगलवार 22 अप्रैल को पहलगाम में जो अत्यंत बर्बर और नृशंस वारदात अंजाम दी गई, इसे विगत 10 वर्षों में सबसे विकट और घातक आतंकवादी हमला करार दिया जा रहा है। इस वारदात के बाद भारत सरकार की कश्मीर नीति पर अनेक तल्ख़ प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। वर्ष 2014 में सत्तासीन होते ही नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में जिहादी आतंकवाद का सफाया करने का जबरदस्त वादा पेश किया गया था। भारत की केंद्रीय हुकूमत ने ऐलान किया था कि आर्टिकल 370 के समापन के बाद भारत के सभी प्रांतों के लोग जम्मू-कश्मीर में अब जमीन खरीद सकते हैं, अपने उद्योग धंधे स्थापित कर सकते हैं, अपने घरों का निर्माण कर सकते हैं।

नागरिकों को कड़ी सुरक्षा का दावा

भारत सरकार की कश्मीर नीति का सबसे आवश्यक ऐलान रहा है कि कश्मीर घाटी में पर्यटन को बढ़ावा प्रदान करना है और साथ ही भारतीय नागरिकों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करनी है। यकीनन कश्मीर घाटी में पर्यटकों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि होने का दीदार हुआ। विगत वर्ष 2024 में तकरीबन 35 लाख पर्यटक कश्मीर घाटी में पधारे। कश्मीर की सरजमीं पर बॉर्डर टूरिज्म का भी आगाज़ किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से कश्मीर में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर की जबरदस्त तामीरें अंजाम दी गई। अनेक शानदार बड़े टनल निर्मित किए गए। जम्मू कश्मीर के अत्यंत दुर्गम इलाकों को आपस में संबद्ध करने का अत्यंत दुरूह काम अंजाम दिया गया। इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनमर्ग टनल का उद्घाटन किया जोकि सोनमर्ग को गगनगिरी से संबद्ध करता है। जम्मू-कश्मीर में ऊंची तालीम प्रदान करने के लिए अनेक संस्थानों का निर्माण किया गया। भारतीय हुकूमत की तरफ से यह पैगाम दिया गया कि कश्मीर में अब खौफ ओ दहशत का दौर खत्म हो गया है। भारतीय हुकूमत निरंतर दावा पेश करती रही कि कश्मीर में हालात सामान्य हो गए हैं और जिहादी दहशतगर्दी पर कठोर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया है। भारत को एकजुट रखने के लिए केंद्रीय हुकूमत में शासन करने वाली पार्टी को अपनी ध्रुवीकरण और विभाजनकारी नीतियों का पूर्णतया परित्याग भी करना होगा। जिहादी आतंकवादी तो मजहब को आधार बनाकर मारने से पहले नाम पूछेंगे ही, क्योंकि पाकिस्तान का निर्माण ही मजहब के आधार पर हुआ है। यक्ष प्रश्न यह है कि हम भारतीय क्या कर रहे हैं ? पहलगाम क्षेत्र से जहां पर यह दुर्भाग्यपूर्ण आतंकवादी घटना अंजाम दी गई, भारतीय सेना की सुरक्षा हटा ली गई थी और तकरीबन डेढ़ वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर पुलिस को इस क्षेत्र की समस्त सुरक्षा सौंप दी गई थी। एक ज्वलंत तथ्य पोनी घोड़ा चलाने वाला एक शख्स जो कि मजहब से मुसलमान था, उसने एक आतंकवादी से राइफल छीन लेने के प्रयास में अपनी जान दे दी। पहलगाम में तकरीबन दो हजार पर्यटकों की भीड़ को सुरक्षा देने वाला एक भी पुलिसकर्मी विद्यमान नहीं था। पाकिस्तान के दहशतगर्द जिहादी शर्मनाक और नृशंस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद मौका ए वारदात से बिना किसी मुकाबले के फरार हो गए।

आतंकवादी हमले का मिला था इनपुट

इंटेलिजेंस के रॉबिनहुड कहे जाने वाले नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजित डोभाल कितने नाकाम सिद्ध हुए। पुलवामा की तरह पहलगाम में इंटेलिजेंस का इनपुट था कि आतंकवादी हमला अंजाम दिया जा सकता है, किंतु केंद्रीय हुकूमत ने इस पर कोई तवज्जो प्रदान नहीं की। आखिरकार वही हुआ जो कि नहीं होना था। वर्ष 2019 में आर्टिकल 370 को निरस्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में पहली दफा कश्मीर घाटी का दौरा किया। नरेंद्र मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा लोकसभा चुनाव से कुछ वक्त पहले संपन्न हुआ था। श्रीनगर की एक बड़ी आम सभा में जोरदार तकरीर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरमाया था कि कश्मीरी आजादी की सांस ले रहे हैं उन्होंने आगे फरमाया कि आर्टिकल 370 के निरस्त हो जाने के बाद कश्मीर की प्रगति और समृद्धि नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी तकरीर में आगे कहा कि वर्षों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आर्टिकल 370 के विषय में जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र के लोगों को भरमाया और बरगलाया। भारतीय हुकूमत के प्रधानमंत्री के तमाम दावों के बावजूद कश्मीर की वस्तु स्थिति के वास्तविक जानकार निरंतर कहते रहे हैं कि कश्मीर में जिहादी आतंकवाद पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका और यहां-वहां जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर आतंकवादी हिंसा निरंतर जारी रही है। भारतीय सैनिक और कश्मीरी नागरिक आतंकवादियों द्वारा निरंतर हलाक़ किए जाते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म किए जाने के बाद सुरक्षा प्रबंधन की संपूर्ण शक्तियां केंद्रीय हुकूमत के हाथों में निहित रही हैं। कश्मीर में आतंकवाद की कमर तोड़ देने का केंद्रीय गृहमंत्री का दावा एकदम खोखला सिद्ध हुआ। कश्मीर घाटी की कठोर सच्चाई है कि आर्टिकल 370 को निरस्त किए जाने के बाद कश्मीर घाटी के आवाम पहले की ही तरह आतंकवाद की दहशत से पूर्णतया मुक्त नहीं हुए हैं। वर्ष 2019 में ही पुलवामा में आतंकवादी आक्रमण में सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए। केंद्रीय हुकूमत ने कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करने के लिए ऐसा कुछ भी नहीं किया, जोकि पहले से नहीं किया जा रहा था।

संसद के प्रस्ताव को जामा पहनाना होगा

भारत को आतंकवाद के प्रतिरोध को अंजाम देने में तभी कामयाबी मिलेगी,जब भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा कथित एलओसी अर्थात लाइन ऑफ़ कंट्रोल को रौंद कर पाक अधिकृत कश्मीर में पाक आईएसआई द्वारा स्थापित किए गए आतंकवादी सैन्य शिविरों पर निरंतर आक्रमण अंजाम दिए जाएं। वर्ष 1993 में भारतीय संसद एक मत से यह प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। वक्त आ गया है कि संसद के प्रस्ताव को भारतीय हुकूमत द्वारा अमली जामा पहनाया जाए और अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल करने के लिए एक बड़ी सैनिक कार्यवाही अंजाम दी जाए। अन्यथा कश्मीर में आतंकवाद का सफाया नामुमकिन रहेगा। कश्मीर पर संपूर्ण आधिपत्य स्थापित करने के लिए भारत को कूटनीति के साथ सैन्यनीति से एक निर्णायक जंग पाकिस्तान से लड़नी ही होगी।

भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई ही शेष

पहलगाम
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम हमले के बाद संपूर्ण देश का सामूहिक मानस वैसी कार्रवाई, प्रतिरोध और प्रतिशोध का इच्छुक है जिससे भारत को दोबारा ऐसी भयानक घटना का सामना न करना पड़े। यह स्वाभाविक है। एक समय जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम थी और तब भी लोगों के अंदर क्रोध पैदा होता था लेकिन आम मानस यह था कि इसे रोकना अभी संभव नहीं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के बाद माहौल बदला, आतंकवादी घटनाओं में व्यापक कमी आई है। जम्मू के साथ-साथ कश्मीर घाटी भी धीरे-धीरे आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,शैक्षणिक गतिविधियों में देश के सामान्य राज्य की तरह काफी हद तक पटरी पर लौट गई है। ऐसे माहौल में एक साथ 26 हिंदुओं तथा एक गैर मुस्लिम की हत्या के बाद उबाल स्वाभाविक है।

आतंकवाद के नाश का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भी आंतरिक और सीमा पार आतंकवाद के समूल नाश का सक्रिय संकल्प दिखाया है। मोदी सरकार ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक तथा 2018 में पुलवामा हमले के बाद हवाई बमबारी जैसी भारत की दृष्टि से अकल्पनीय मानी जाने वाली कार्रवाई करके देश का विश्वास प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी की आमसभा में केवल आतंकवादी नहीं उनको प्रायोजित करने वाली शक्तियों के विरुद्ध भी ऐसी कार्रवाई की घोषणा की जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। उनका विश्व के लिए संदेश था कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत कमर कस चुका है और कार्रवाई करेगा। कोई देश सार्वजनिक संकल्प दिखाते हुए समानांतर कदम उठाता है और उसकी पृष्ठभूमि आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की हो चुकी है तो विश्व समुदाय को भी सोच और व्यवहार को उसके अनुरूप बदलना पड़ता है। हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान के साथ एक देश नहीं खड़ा है। वे मुस्लिम देश, जो सामान्यतः जम्मू कश्मीर पर इस्लामिक सम्मेलन संगठन या ओआईसी में उसका साथ देते थे, हिम्मत नहीं दिखा रहे। अमेरिकी विदेश विभाग की ब्रीफिंग में एक पाकिस्तानी पत्रकार के प्रश्न की विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने हिकारत के भाव से उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पर भारत के साथ हैं। सच है कि काश पटेल के नेतृत्व में अमेरिका की एफबीआई तथा तुलसी गवार्ड के निर्देशन में नेशनल इंटेलिजेंस आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में भारत के साथ खड़ा है। यूरोपीय देशों ने स्पष्ट रूप से भारत का समर्थन किया है। पाकिस्तान ने यद्यपि इस्लामाबाद में 26 देशों के राजनयिकों को बुलाकर अपनी दृष्टि से ब्रीफिंग की किंतु कोई उससे प्रभावित है, ऐसा लगता नहीं।

सिंधु जल संधि स्थगित

प्रश्न है कि भारत क्या कर सकता है, क्या करेगा और कैसी संभावनाएं हैं? घटना के दूसरे दिन गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर से लौटने के बाद मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानियों को दिये हर तरह का वीजा रद करने, उन्हें देश छोड़ने, पाकिस्तानी

उच्चायोग से रक्षा और सैनिक विभाग के अपने समकक्षों को इस्लामाबाद से बुलाने तथा संख्या कम करने का अदम उठाया। इसके साथ सिंधु जल संधि स्थगित करने का अभूतपूर्व कदम उठाया। पाकिस्तान ने इसकी प्रतिक्रिया में सीनेट में प्रस्ताव पारित किया तथा आतंकवादी घटना से स्वयं को अलग करते हुए भारत पर ही बदनाम करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान का सबसे बड़ा वक्तव्य है कि सिंधु जल समझौते को रद करना युद्ध जैसा कदम है। उसने 1972 के शिमला समझौते को समाप्त करने की धमकी दी। पाकिस्तान की दुर्दशा देखिए कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक साक्षात्कार में आतंकी संगठनों के वित्त पोषण, प्रशिक्षण और समर्थन के इतिहास संबंधी प्रश्न पर स्वीकार किया कि हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए ऐसा करते रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम अगर सोवियत संघ के खिलाफ अफगानिस्तान युद्ध या 9/11 में साथ नहीं होते तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड साफ रहता। तो इतना उन्होंने स्वीकार किया। यह भी वास्तविक सच को इस मायने में झुठलाना है क्योंकि स्थिति का लाभ उठाते हुए जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पाकिस्तान ने अपनी ओर से प्रायोजित किया और उसका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जो एक हद तक अभी भी कायम है। विश्व के प्रमुख देशों की सूचना में ये सारी बातें हैं। इसलिए भारत ने जब 2018 में हवाई बमबारी की तो एक भी देश ने उसका विरोध नहीं किया। उस समय भी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के और व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति थे। निःसंदेह, संपूर्ण देश में पाकिस्तान के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई या युद्ध का माहौल बना हुआ है। इस दृष्टि से देखें तो सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी की जा चुकी तथा इसके प्रभाव भी पड़े। स्वाभाविक ही इससे बड़ी कार्रवाई की स्थिति सामने है। तो आगे क्या? जम्मू-कश्मीर के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तरों पर कार्रवाई की आवश्यकता थी, जो हो रही है। पहलगाम के बाद उसको पूर्णता तक ले जाना अपरिहार्य हो गया है। भारत ने आंतरिक रूप से पहलगाम हमले के एक आतंकवादी अनंतनाग के बरा स्थित आदिल ठोकर उर्फ आदिल कुड़ी के घर को ध्वस्त किया तथा दूसरे आतंकवादी जैश ए मोहम्मद के आसिफ शेख का मकान तलाशी के दौरान स्वयं ध्वस्त हो गया।

भारत अब बदल चुका

यह आतंकवादियों को सीधा संदेश है कि भारत बदल चुका है। सच यही है कि जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में न केवल भारत बदला है बल्कि जम्मू कश्मीर तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी बदला हुआ है। यह पहली बार है जब आतंकवादी घटना के विरुद्ध कम या ज्यादा संख्या में संपूर्ण जम्मू कश्मीर से लोग सड़कों पर आए हैं, कैंडल मार्च और धरना प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि यह सब गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर दौरे के बाद ही आरंभ हुआ। अमित शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री के रूप में उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे और वहां कुछ बातें हुई होंगी। उसके बाद नेशनल कांफ्रेंस ने पहली बार विरोध प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती जैसी पाकिस्तान के प्रति नरम नीति अपनाने वाली नेत्री को भी सड़क पर उतरना पड़ा। कश्मीर में जहां आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कार्रवाई के विरुद्ध नारे लगाते थे, पत्थरबाजी होती थी और किसी तरह आतंकवादियों के निकल भागने का रास्ता तैयार किया जाता था, उसके विपरीत यह दृश्य निश्चित रूप से महत्वपूर्ण बदलाव का संदेश है। थोड़ी गहराई और व्यापकता से विचार करें तो निष्कर्ष आएगा कि सीमा पर सैन्य कार्रवाई को छोड़कर किसी देश के विरुद्ध जितने कदम उठाए जा सकते थे, लगभग भारत ने एक बारगी उठा लिया है। इसका अर्थ है कि भारत समग्रता में दीर्घकालिक समाधान की दृष्टि से बहुपक्षीय कार्रवाई की ओर अग्रसर है।

सबक सिखाना और सीखना दोनों जरूरी

आतंकवाद
राजकुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

बड़े लोगों के परिजन अकसर विदेश में ही रहते हैं, पर कहा जा रहा है कि सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर समेत पाकिस्तान के बड़े सैन्य अधिकारियों ने परिवारों को यूरोप भेज दिया है। यह पहलगाम पर आतंकी हमले के बाद भारत-पाक में बढ़ते तनाव का असर है। उन्हें डर है कि प्रतिक्रियास्वरूप भारत बड़ी कार्रवाई कर सकता है। अभी तक सरकार ने सिंधु जल संधि स्थगित करने, पाक उच्चायोग स्टाफ घटाने, सार्क समेत 14 श्रेणियों में पाक नागरिकों को जारी वीजा तुरंत रद करने और अटारी बॉर्डर बंद करने जैसे कुछ सख्त फैसले लिये हैं। पाकिस्तान ने भी भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करते हुए जवाबी कदम उठाये हैं। यह तनाव और बढ़ सकता है। इसी साल विधानसभा चुनाव वाले बिहार में जनसभा के बजाय दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकियों को 'मिट्टी में मिला देने' की चेतावनी देते तो शायद और बेहतर संदेश जाता। बिहार को कुछ सौगातें देने के मौके पर जनसभा में मोदी ने कहा कि 'उन्हें उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा' मिलेगी। धार्मिक पहचान पूछ कर 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले मानवता के दुश्मनों को कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए, पर उनको नापाक मंसूबों में सफल हो जाने देने के लिए जिम्मेदार हमारे तंत्र पर भी तो गाज गिरनी चाहिए। पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

सुरक्षा में चूक का सवाल

हाल के वर्षों में वहां पर्यटकों की बढ़ती संख्या भी सुखद है। फिर स्विटजरलैंड से तुलना वाली पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हजारों पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कोई मौजूद क्यों नहीं था? आखिर देश भर से ये पर्यटक 'स्थिति सामान्य' होने के सरकारी दावों पर भरोसा करते हुए ही वहां गये थे। आपसी रिश्ते रसातल में पहुंच जाने के बावजूद इस संकटकाल में विपक्ष ने हर कदम के लिए सरकार को समर्थन देकर समझदारी का परिचय दिया है, लेकिन सुरक्षा में चूक की बात घुमा-फिरा कर स्वीकार करने वाली व्यवस्था खुद पर उठते सवालों का जवाब कब देगी? केंद्र सरकार के ये स्पष्टीकरण कि टूर ऑपरेटर्स ने बिना बताये टूर शुरू कर दिये तथा जहां हमला हुआ, वह जगह मेन रोड से बहुत दूर है, गैर-जिम्मेदारी की पराकाष्ठा हैं। जो सरकारी तंत्र हजारों पर्यटकों के पहलगाम पहुंचने की जानकारी के लिए टूर ऑपरेटर्स की सूचना पर निर्भर हो तथा घटनास्थल मेन रोड से बहुत दूर होने के कारण वहां पर सुरक्षाकर्मी न होने का कुतर्क दे सकता हो, उसकी क्षमता और दक्षता पर ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं रह जाती। सामान्य समझ भी बताती है कि ऐसे हमले को बिना सुनियोजित साजिश और लंबी तैयारी के अंजाम नहीं दिया जा सकता।

हमारे सत्ता तंत्र की जवाबदेही

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान द्वारा पुनः कश्मीर राग आलापे जाने तथा पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर द्वारा अचानक हिंदू-मुसलमान के बीच स्पष्ट भेद बताते हुए

द्विराष्ट्र थ्योरी पर कुतर्कों के साथ लंबे प्रवचन से भी हमारी व्यवस्था के कान खड़े नहीं हुए। वैसे जो तंत्र हमले की आशंका की खुफिया सूचना के बावजूद पर्यटक स्थलों पर भी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया, उससे दुनिया के घटनाक्रम से सजग होने की उम्मीद नहीं जा सकती। पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था नदारद होने से सेना की घटती संख्या तथा अग्निवीर जैसी विवादास्पद योजना पर भी नये सिरे से सवाल उठने लगे हैं। तर्क दिया जा सकता है कि सुरक्षा में चूक के बाद सवाल उठना स्वाभाविक है, लेकिन इनके जवाब दूरगामी प्रभाव और परिणाम तय करेंगे।

पाकिस्तान तो अस्तित्व में आने के बाद से ही भारत में अलगाववाद और आतंकवाद फैलाने की साजिशें रचता रहा है, पर उन्हें नाकाम करते हुए देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी और जवाबदेही हमारे सत्ता तंत्र की है। इसलिए नापाक पाक पर निशाना साधते हुए भी अपनी नाकामी की जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। संविधान संशोधनों के बाद जम्मू-कश्मीर की वास्तविक कमान केंद्र सरकार और उसके प्रतिनिधि उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के ही हाथ है। पिछले साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव हो जाने के बावजूद सुरक्षा संबंधी अहम बैठकों में निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बुलाया तक नहीं जाता। बेहद संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में निर्वाचित सरकार को नजरअंदाज कर सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई में सफलता की सोच में ही विफलता निहित है। दूसरा बड़ा मुद्दा धार्मिक पहचान पूछ कर मारे जाने को बनाया जा रहा है। बेशक यह मानवता के विरुद्ध है, पर मानवता के विरुद्ध तो आतंकवाद ही है। पंजाब में आतंकवाद के दौर में भी धार्मिक पहचान के आधार पर बसों से उतार कर हत्या की जाती थी। पहलगाम में तो हिंदू पर्यटकों की जान बचाते हुए एक मुस्लिम ने अपनी जान तक गंवा दी। फिर भी देश के कई हिस्सों में कश्मीरी छात्रों को निशाना बना कर सांप्रदायिक विभाजन के पाकिस्तानी मंसूबे पूरे करने में कुछ लोग मददगार बनने को उतावले नजर आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ही नहीं, दुनिया को भी लग रहा है कि कुछ बड़ा होगा, पर कोई नहीं जानता कि वास्तव में क्या होगा और उससे आतंकवाद का समूल नाश हो पायेगा या नहीं। मोदी के ऐसे सख्त बोल पिछली बार 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा हमले पर सुनायी पड़े थे और 26 फरवरी को तड़के भारतीय लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया। उरी हमले के जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक के बाद यह दूसरी बार था, जब भारत ने सीमा पार कर आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखाया। उसी के बाद सरकार और भाजपा ने नारा बुलंद किया कि यह नया भारत है, जो दुश्मन को घर में घुस कर मारता है। नारा जनता के सिर चढ़ कर बोला और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें 282 से बढ़ कर 303 हो गयीं। उत्साहित मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले, संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करते हुए उसे विभाजित भी कर दिया।

प्रायोजित आतंकी हमले जारी

दावा किया गया कि अनुच्छेद 370 अलगाववाद और आतंकवाद का औजार बन गया था। बाद के सालों में जम्मू-कश्मीर में बेहतर हालात का दावा भी किया जाता रहा, लेकिन पहलगाम हमला बताता है कि सुरक्षा के मोर्चे पर कुछ खास नहीं बदला है। अब भी पाक प्रायोजित आतंकी हमारे देश में घुस कर हत्याएं करने में सफल हो जाते हैं। हमेशा की तरह पाकिस्तान न भी माने, पर दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ है कि यह सीमा पार प्रायोजित आतंकी हमला ही था, लेकिन अप्रत्याशित हरगिज नहीं था।

नुनसर पुलिस चौकी में दर्ज कराई गई एफआईआर

अवैध परिवहन करते पकड़ी गई डीएपी, जांच में निकली नकली

हरिभूमि जबलपुर।

जिले की पाटन तहसील में नुनसर के समीप बुलेरो पिकअप से अवैध परिवहन करते पकड़ी गई डीएपी उर्वरक को परीक्षण में अमानक पाये जाने पर कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशानुसार किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आज शनिवार को नुनसर चौकी में चार व्यक्तियों एवं सागर की फर्म रितु ग्राम बायोफर्टिलाइजर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

ज्ञात हो कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस द्वारा गुरुवार को नुनसर में रिंग रोड के निर्माणाधीन पुल के समीप बुलेरो पिकअप वाहन एम पी 38 जेड डी 8508 को डीएपी उर्वरक का अवैध परिवहन करते पकड़ा गया था। इस पिकअप वाहन में डीएपी की 70 बोरिया रखी पाई गई थीं। इनमें आईपीएल कम्पनी की डीएपी की 39 बोरियां तथा इफ्को कम्पनी की डीएपी की 31 बोरियां शामिल थीं । डीएपी को सागर से नुनसर के समीप कंतोरा ले लाया जा रहा था। इसे मकरोनिया सागर के आलोक जैन द्वारा कंतोरा पाटन के राजकुमार साहू के यहाँ भेजा जा रहा था। नुनसर में रिंगरोड पर निर्माणाधीन पुल के समीप पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़े जाने पर वाहन चालक मुकेश सेन और उसके साथी सौरभ सेन द्वारा मौके पर कोई दस्तावेज नहीं प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे।

पुलिस द्वारा पिकअप वाहन से अवैध परिवहन करते पकड़ी गई डीएपी की की सूचना किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों को दी गई और इसके नकली होने का संदेह भी जताया गया। पुलिस से प्राप्त सूचना पर मौके पर पहुँचे उर्वरक निरीक्षक एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों ने डीएपी की प्रारंभिक जांच की तथा प्रथम दृष्टया नकली पाये जाने पर डीएपी के नमूने लेकर परीक्षण और विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजा।

प्रयोगशाला से नमूनों की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद इस मामले में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से उर्वरक निरीक्षक पंकज श्रीवास्तव द्वारा आज शनिवार को नुनसर चौकी में एफ आई आर दर्ज कराई गई। पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता 2023, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत मकरोनिया सागर निवासी आलोक जैन, कंतोरा पाटन निवासी राजकुमार साहू, ग्राम जमुनिया तालुक पडरिया जिला रायसेन निवासी वाहन चालक मुकेश सेन, कठौन्दा माढ़ोताल निवासी सौरभ सेन एवं सागर की फर्म रितु ग्राम बायोफर्टिलाइजर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है तथा विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

राज्य शासन सहित अन्य को जारी किए नोटिस

हाई कोर्ट ने हिरण नदी में अवैध रेत खनन पर मांगा जवाब

हरिभूमि जबलपुर।

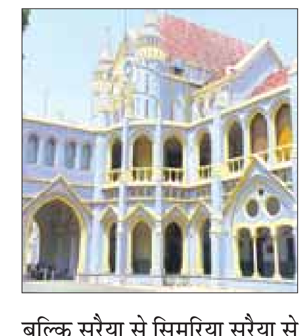

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने हिरण नदी के तट पर अवैध रेत खनन के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। जनहित याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी मनोहर सिंह ठाकुर की ओर से अधिवक्ता साहिल बिल्ला ने दलील दी कि न केवल हिरण नदी के तट पर अवैध रेत खान जारी है बल्कि सुरैया से सिमरिया सुरैया से धमनी मार्ग कुंवरपुर और बसंत पौड़ी मार्ग और पौड़ी इटवा मार्ग और कटरा ग्राम से बेल खेड़ा मार्ग पर अवैध रेत भंडारण भी हो रहा है। इस कार्य में महेंद्र सिंह लोधी, गुलाब सिंह, कैलाश गोपाल, ओंकार सिंह, रामेश्वर सिंह व उदयभान सिंह शामिल हैं। इसीलिए जनहित याचिका में इन्हें पक्षकार बनाया गया है। जनहित याचिका दायर करने से पूर्व पाटन पुलिस थाने के अलावा जिम्मेदार अमलों को शिकायत भेजी गई थी। जिसके बाद एक जांच दल का गठन किया गया। अंततः अवैध खनन न होने की रिपोर्ट देकर लीपापोती की कोशिश की गई है। इसीलिए व्यापक जनहित में हाई कोर्ट आना पड़ा।

ट्रांसको ने आश्रित परिवार की अनुग्रह राशि बढ़ाई

जबलपुर। एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने कंपनी की सेवा में कार्यरत किसी कार्मिक की मृत्यु की स्थिति में उसके आश्रित परिवार को दी जाने वाली अनुग्रह अनुदान राशि का पुनरीक्षण किया है। अब अधिकतम अनुदान राशि 1,25,000 (एक लाख पच्चीस हजार) रुपए कर दी गई है। इस संबंध में कंपनी द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता अतुल जोशी ने बताया कि ज्ञापन क्रमांक एफ 420/1-25/नियम/चार, दिनांक 3 अप्रैल 2025 में किए गए आवश्यक संशोधन को स्वीकार करते हुए लिया गया है। नए आदेश के अनुसार, किसी कार्मिक की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर उसके आश्रित परिवार को "वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017" के अंतर्गत देय वेतन के छह गुना के बराबर, अधिकतम 1 लाख 25 हजार रुपए तक की अनुग्रह अनुदान राशि स्वीकृत की जाएगी। यह आदेश 1 अप्रैल 2025 या उसके बाद होने वाले प्रकरणों पर प्रभावी होगा। अनुग्रह अनुदान के भुगतान की अन्य शर्तें पूर्ववत प्रभावशील रहेंगी।

नर्सिंग महाघोटाले के दस्तावेज मुख्य सचिव को सौंपे

जबलपुर। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग महाघोटाले को लेकर राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने एक बार फिर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की माँग की है। एनएसयूआई मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा, जिसमें नर्सिंग घोटाले की निष्पक्ष और स्वतंत्र उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के निलंबन तथा आपराधिक मुकदमा दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया प्रारंभ करने की माँग शामिल है। रवि परमार ने ज्ञापन में कहा कि इस महाघोटाले के खुलासे को एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक सभी दोषियों पर ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। वर्ष 2024 में तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त द्वारा 110 से अधिक डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। परंतु वर्तमान आयुक्त तरुण राठी द्वारा मात्र 70 लोगों को ही आरोप पत्र दिए गए, जिससे यह संदेह और गहराता है कि शेष दोषियों को जानबूझकर बचाया जा रहा है। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में व्यापक छात्र आंदोलन चलाने को बाध्य होगा।

वर्तमान परिदृश्य में भारतीय महिला का प्रतिमान स्थापित करना परम आवश्यक है : कैलाशचंद्र

जबलपुर। भारतीय नारी विमर्श विषय पर एक विचार मंथन सत्र सरस्वती शिक्षा परिषद कार्यालय नरसिंह मंदिर में आयोजित किया गया। भारतीय नारी के विमर्श पर आयोजित इस विचार मंथन में पीपीटी द्वारा कुछ कालखंडों के माध्यम से भारतीय नारीयों की स्थितियों को लेकर प्रस्तुतियां दी गई प्रथम सत्र में श्रीमती पिंकेश लता द्वारा प्रस्तावना भूमिका प्रस्तुत करते हुए विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किये, इसी तरह विभिन्न कालखण्डों के माध्यम से भारतीय नारी के विमर्श को चित्रांकित किया। जिसमें मनीषा चौहान द्वारा वैदिक काल में स्त्री शिक्षा को लेकर विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला इसके पश्चात अश्वनी परांजपे के द्वारा मुगल काल सहित रजवाड़े में स्त्री विमर्श पर होने वाले विभिन्न पहलुओं को बताया गया, इसके साथ वंदना गेलानी ने अपने कालखंड में स्वतंत्रता पश्चात महिलाओं की क्या भूमिका बताई डॉक्टर वाणी अहलूवालिया द्वारा सोशल मीडिया पर चल रही स्त्री विमर्श की खबरों को लेकर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक

संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख कैलाशचंद्र जी ने जिज्ञासा एवं प्रश्न उत्तर कार्यक्रम में लोगों के प्रश्नों का समाधान किया। कैलाशचंद्र जी ने बताया कि यदि भारत दर्शन पर कार्य करना हो तो इसके लिए कम से कम 12 वर्ष आवश्यक हैं।उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया की वाचस्पति मिश्र ने आदि शंकराचार्य द्वारा लिखित ब्रह्म सूत्र पर इसी तरह टीका लिखा था, उन्होंने बताया कि यह टीका उन्होंने अपनी पत्नी भामती के नाम समर्पित किया इसलिए यह भामती टीका कहलाता है। कैलाश जी ने बताया कि ब्रह्म के दर्शन में स्त्री पुरुष एक ही तत्व है, जड़ चेतन पशु पक्षी सभी में ब्रह्म समान रूप से विराजमान है भारतीय दर्शन में स्त्री पुरुष में कोई भेद नहीं है।ढाई हजार वर्ष के आक्रमण कल में हमारे इतिहास को कलुषित किया गया जबकि भारतीय संस्कृति और समाज आदिकाल से ही बौद्धिक रूप से समृद्ध है। आधुनिक परिस्थिति में पाश्चात्य सभ्यता को लेकर कैलाश जी ने बताया की बच्चों के रहन-सहन के तरीके यह बता रहे हैं कि बच्चे पाश्चात्य संस्कृति के इंटेलेक्चुअल संपर्क में ट्रैप हो गए हैं, उन्हें इस बात का पूर्णतः सपोर्ट है समाज में नारी के सम्मान की बात हो या पश्चिमी सभ्यता को दबाने की बात,भारतीय महिला का प्रतिमान स्थापित करना इसके लिए परम आवश्यक है। देश में भारतीय महिलाओं का सम्मान आदि काल से ही रहा है, चाहे वह किसी स्वरूप में हो।

4 हजार से अधिक वाहनों के चालान कर वसूले 10 लाख

बिना नंबर, बिना हेलमेट वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई

जबलपुर। पिछले तीन दिनों में पुलिस ने चार हजार से अधिक वाहनों का चालान कर जुर्माना वसूल किया। इस दौरान पुलिस वाहन चालकों को समझाईश भी दे रही है। जिले की पुलिस व यातायात विभाग के अमले द्वारा शहर में दुर्घटनाओं और वाहन चालकों द्वारा किए जाने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक (एसपी) संपत उपाध्याय के निर्देश पर शुरू किया गया है, जिसके तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग प्वाइंट बनाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान विशेष रूप से दोपहिया वाहनों पर बिना हेलमेट सवार लोगों और चारपहिया वाहनों में बिना सीट बेल्ट लगाए चालकों को रोका जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस ऐसे चालकों के विरुद्ध तत्काल चालानी कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही पुलिस का फोकस उन वाहनों पर भी है जिनमें नंबर प्लेट नहीं लगी है या फिर अमानक (मानकों के अनुरूप नहीं) नंबर प्लेट लगी हुई है। अधिकारियों का मानना है कि ऐसे वाहनों का उपयोग अक्सर चेन स्नेचिंग जैसे अपराधों में किया जाता है और नंबर प्लेट न होने की स्थिति में आरोपियों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। यातायात पुलिस आम लोगों को नियमों के पालन के लिए जागरूक भी कर रही है। नियमों का उल्लंघन कर वाहन चला रही महिलाओं को भी रोका जा रहा है और उन्हें हेलमेट पहनने की सलाह दी जा रही है। ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल एक सप्ताह तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगे भी चालानी कार्रवाई जारी रखी जाएगी ताकि सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाया जा सके और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

मध्य प्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के नेतृत्व में 30 अप्रैल को निकलेगी विराट वाहन रैली

जबलपुर। मध्य प्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के नेतृत्व में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विराट वाहन रैली गुलौआ चौक गढ़ा से प्रारंभ की जाएगी। इस रैली में पूरे महानगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों से शामिल होंगे महानगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी उप नगरी क्षेत्र कॉलोनी नगरों से छोटी-छोटी रेलिया निकालकर इस विराट महा रैली में सम्मिलित होगी।

संत समाज करेगा नेतृत्व- इस विराट वाहन रैली का नेतृत्व संत समाज करेगा । स्वामी नरसिंह दास जी महाराज स्वामी राघव देवाचार्य जी महाराज स्वामी राधे चैतन्य जी महाराज स्वामी बालमुकुंद शास्त्री जी महाराज स्वामी चैतन्यानंद जी महाराज आदि संत इस विराट रैली का नेतृत्व करेंगे। मध्य प्रदेश प्रगतिशील महिला ब्राह्मण सभा एवं सनातन धर्मी महिलाएं इस रैली में संतों के पीछे अपने वाहनों के साथ पारंपरिक वेशभूषा में भगवान परशुराम का ध्वज धारण करके चलेंगी

30 से अधिक स्वागत मंच रैली मार्ग में रहेंगे- रैली गुलौआ चौक से प्रारंभ होकर बी टी तिराहा छोटी बजरिया आनंद कुंज गढ़ा बाजार पंडा की मडिया शाही नाका कुरारिया मार्केट कछपुरा ब्रिज लेबर चौक रानीताल चौक मालवीय चौक होते हुए डी एन जैन कॉलेज में समाप्त होगी।

153 बॉटल अंग्रेजी एवं 50 पाव देशी शराब जब्त

आईटेन कार में हो रही थी शराब की तस्करी

जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खजरी खिरिया बायपास अमननगर अमखेरा रोड में आईटेन कार को रोककर उसकी तलाशी ली। कार के अंदर 153 बॉटल अंग्रेजी एवं 50 पाव देशी शराब एवं 2 मोबाईल जब्त किए है। अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली है। गोहलपुर थाना प्रभारी श्रीमति प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि कल देर रात नाकाबंदी कर खजरी खिरिया बाईपास में सफेद रंग की आई टेन कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ 7527 में दो लडके दीपक रजक और आदित्य साहू अवैध शराब की तस्करी करते हुए पकड़े गए। कार की तलाशी लेने पर कार के पीछे व डिक्की में थैले में 5 कार्टूनो के अंदर 36 बॉटल बैगपाईपर अंग्रेजी शराब, 47 बॉटल बैगपाईपर व्हिस्की, 35 बॉटल मैगडावल रम, 35 बॉटल 8 पीएम व्हिस्की, 50 पाव देशी शराब रखी मिली। आरोपियो के कब्जे से 153 बॉटल अंग्रेजी एवं 50 पाव देशी शराब एवं 2 मोबाईल तथा आई टेन कार जप्त की गई है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

पुलिस और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई

हटाए अतिक्रमण, वसूला जुर्माना

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर शहर की यातायात व्यवस्था सुव्यस्थित एवं सुचारू बनाये रखने हेतु पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा अवैध अतिक्रमणों को हटाये जाने की कार्रवाई जारी हैं। यातायात नियमो के प्रति जागरूकता लाने हेतु यातायात पुलिस द्वारा महाराष्ट्र स्कूल में यातायात नियम तथा वाहन चालते समय हेलमेट/सीटबेल्ट लगाने व लाईसेंस सम्बंधी जानकारी दी गई। एसपी सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में शहर की यातयात व्यवस्था सुव्यवस्थित एवं सुचारू बनाये रखने हेतु पुलिस तथा नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले वाहनो/आम रोड पर किये गये अतिक्रमणों को हटवाते हुये रोड के दोनों ओर खड़े किये गये हाथ ठेले, गुमटियॉ, सब्जी, फल आदि के ठेलों को हटवाया जाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाया जा रहा है। इसके साथ ही व्यापारियों के द्वारा आम रोड तक फैलाई गई सामग्री को अंदर करवाते हुये मार्ग को यातायात के सुचारू संचालन योग्य बनाया जा रहा है। सभी दुकानदारों को समझाईश दी जा रही है कि दुकान के सामने सामग्री न फैला कर रखे तथा हाथ ठेला न लगने दिया जाए। एएसपी यातायात जबलपुर श्रीमती सोनाली दुबे के निर्देशन में प्रभारी यातायात मालवीय चौक शिवदयाल सनोडिया, थाना प्रभारी यातायात गढ़ा, थाना प्रभारी यातायात घमापुर श्रीमती इन्द्रा ठाकुर एवं नगर निगम जबलपुर द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया एवं यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के खिलाफ की गई।

इन क्षेत्रों में हुई कार्रवाई

इस कार्रवाई के अंतर्गत शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र मालवीय चौक से लेकर बडे महावीर, तुलाराम चैक से बड़ा फुहारा पांडे चौक बलदेवबाग, गंजीपुरा, करमचंद चैक, छोटी लाईन फाटक, गोरखपुर बाजार, त्रिपुरी चौक, सदर बाजार, रांझी बाजार, घमापुर चौक आदि क्षेत्र के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई जिसमें यातायात में बाधक ठेले/टपरे /गुमटियों को मौके से हटवाया एवं यातायात व्यवस्थित करवाया गया। कार्रवाई के दौरान लगातार माईक से एनाउंसमेंट कर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई एवं सभी दुकानदारों को समझाईश दी गई कि आम रोड पर अतिक्रमण कर अपना व्यवसाय न करें इसके साथ ही वनवे का पालन करवाया गया।

300 चालान में वसूले 1 लाख

यातायात नियमो के प्रति जागरूकता लाने हेतू यातायात पुलिस द्वारा महाराष्ट्र स्कूल के समस्त छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्कूली स्टाफ को यातायात नियम तथा वाहन चलाते समय हेलमेट/सीटबेल्ट लगाने व लाईसेंस इत्यादि की जानकारी दी गई। शुक्रवार को यातायात पुलिस द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत लगभग 300 चालान कर 1 लाख 9 हजार 3 सौ रुपए का समन शुल्क वसूला गया। वाहन चालक एवं व्यवसायियों से अपील की गई कि चालानी/अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की असुविधा से बचे व यातायात को व्यवस्थित करने में यातायात पुलिस को सहयोग प्रदान करें। उक्त कार्रवाई यातायात पुलिस द्वारा शहर के सभी मार्गो/चौराहों/तिराहों में निरंतर जारी रहेगी।

कच्ची शराब की तस्करी में नाबालिग सहित युवक गिरफ्तार

जबलपुर। गोराबाजार पुलिस ने जैतपुरी रोड़ ढलई के पास स्कूटी में अवैध शराब लेकर जा रहे एक नाबालिग और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब और स्कूटी जब्त की है। गोराबाजार थाना प्रभारी रमन सिंह मरकाम ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर जैतपुरी रोड ढलई के पास स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसपी 9050 से अवैध शराब लेकर भीटा की ओर से गोराबाजार तरफ आ रहे 17 वर्षीय स्कूटी चालक नाबालिग और भूरी बाई का बगीचा गोराबजार निवासी 21 वर्षीय रोशन कोरी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब तथा स्कूटी जब्त करते हुये धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

रांझी और माढ़ोताल में चाकू व ईंट से हमला

मारपीट की वारदातों में वृद्ध सहित 2 घायल

जबलपुर। रांझी और माढ़ोताल थाना क्षेत्रों में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने मिलकर एक वृद्ध और दो युवकों के साथ मारपीट कर चाकू व ईंट के टुकड़े से हमलाकर जान से मारने की धमकी दी। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शांतिनगर निवासी 60 वर्षीय चौकीदार भारत सोनी गत रात लगभग 10 बजे घर पर था, तभी मोहल्ले का राजेश कोरी उसे आवाज लगाकर घर के बाहर बुलाया, जब वह बाहर निकला तो राजेश कोरी उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलोज करते हुये चाकू से उसके गाल एवं कान के पास चोटे पहुंचा दी तथा जान से मारने की धमकी दी।

इसी तरह माढ़ोताल नीमखेड़ा गौर बरेला निवासी 38 वर्षीय बेल्डिंग दुकान संचालक कपिल पटेल गत दिवस मामा अशोक कुमार पटैल के बेटे वैभव पटैल की शादी में अपने परिवार तथा साले अविनाश पटैल के साथ कार से शामिल होने आया था जैसे ही कार को राशन दुकान के पीछे मामा अशोक कुमार के घर के पास रात लगभग 8.30 बजे खड़ी करके उतरने लगा, तभी दो अज्ञात लड़के आये और यहां कार क्यों खड़ी कर रहे हो कहते हुए कार खड़ी करने के एवज में शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगे। मना करने पर गाली गलौज करते हुये दोनों ने ईंट के टुकड़े से उसकी कार क्रमांक एमपी 20 सीजी 3718 के पीछे का कांच तोड़ दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। बीच बचाव के दौरान राजेन्द्र पटैल के सिर में चोट आ गयी। वहां

उपस्थित लोगों ने दोनों लड़के के नाम आकाश उर्फ अक्कू एवं गोलू बताये हैं।

वहीं रांझी मानेगांव केशरी नगर निवासी 29 वर्षीय पान दुकान संचालक शुभम काछी गत रात लगभग 10.30 बजे बड़ा पत्थर स्थित अपनी पान दुकान बंद कर घर जा रहा था, तभी रास्ते में लखेरा बारात घर के पास राकेश चौधरी शराब पीने के लिए 500 रूपये की मांग करने लगा, रूपये देने से मना करने पर गाली गलौच व मारपीट कर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिससे पैर, माथे तथा भौंह में चोटे आ गई उसके बाद आरोपी ने उसकी मोटर सायकिल सुपर स्पलेण्डर क्रमांक एमपी 20 एमजेड 7294 मे तोड़फोड़ कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 119(1), 351(2), 324(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

खबर संक्षेप

डॉ. हरिशंकर चंदेल को मिला साउथ कोरिया में अवार्ड

जबलपुर। साउथ कोरिया में अवार्ड विजेता डॉ. हरिशंकर चंदेल ने जानकारी दी कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित टीसीटीएपी 2025 इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार जीता है।

भगवान परशुराम वंशज 29 को निकालेंगे भव्य शोभायात्रा

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अक्षय तृतीया के पूर्व 29 अप्रेल को भगवान परशुराम वंशज द्वारा दिव्य एवं भव्य विराट शोभायात्रा मालवीय चौक से निकाली जाएगी। शोभायात्रा को भव्य एवं दिव्य बनाने गढ़ाफाटक, गंगानगर गुजराती कालोनी, ग्वारीघाट रामलला मंदिर, घमापुर थाना हनुमान मंदिर कांचघर आदि में बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें समापन स्थल से दोपहिया, चार पहिया वाहन, ई-रिक्शा इंतजाम के साथ भोग भंडारे की व्यवस्था का निर्णय ब्राह्मण एकता मंच द्वारा लिया गया।

आतंकी हमले के विरोध में कैंडल मार्च आज

जबलपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या, अमानवीय कृत्य के विरोध में 27 अप्रेल को शाम 05 बजे बहरोबाग से रद्दी चौकी तक मुस्लिम समुदाय द्वारा कैंडल मार्च निकाला जाएगा एवं आतंकियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की अपील की जाएगी। तत्पश्चात पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 28,29 से

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएससी/बीकॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष नियमित स्वाध्यायी विद्यार्थियों की परीक्षाएं 28 एवं 29 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हो रही हैं । डॉ अजय कुमार कोष्ठा परीक्षा समन्वयक द्वारा बताया गया कि विश्वविद्यालय की परीक्षाएं संशोधित समय सारणी के अनुसार प्रातः 07 से 10 बजे निर्धारित की गई है।

तक्षशिला इंजी. कॉलेज में कम्प्यूटर पर दो दिनी कार्यशाला संपन्न

जबलपुर। शहर के अग्रणी महाविद्यालय तक्षशिला इंजीनियरिंग कॉलेज में कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग पर सभी ब्रांचों के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षक विभागाध्यक्ष डॉ. शोभित वर्मा एवं मनीष दुबे के सान्निध्य में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक मनीष दुबे ने दो दिवसीय कार्यशाला में छात्रों को ऑपरेटिंग सिस्टम, विंडो इंस्टॉलेशन, नेटवर्किंग एवं हार्डवेयर पीसी कंट्रोल एवं बेसिक सर्किट डिजाइनिंग पर प्रायोगिक, हार्डवेयर, साफ्टवेयर आधारित प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमेन आरएन पहारिया ने अपने उदबोधन में कहा कि ऐसी कार्यशाला आयोजित होने से छात्रों को बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा में तकनीकी एवं प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त होता है।

पहलगाम में आतंकी हमले से शहर में गुस्सा

कैंडल मार्च निकाला, पाकिस्तान का पुतला दहन, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि जबलपुर।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की घटना को लेकर शहर के आक्रोश व्याप्त है। गुस्से में उबल रहा शहर रोजाना जहां पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जला रहा है वहीं आतंकी हमले में हुए शहीद लोगों को श्रद्धांजलि दी जा रही हैं। शनिवार को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के आव्हान पर नगर के सभी जैन सोशल ग्रुपों ने लार्डगंज थाने से लेकर मालवीय चौक तक कैंडल मार्च निकाला और अपनी संवेदनाएं व्यक्त की, तो वही जीसीएफ यूनियनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने छोटी लाईन फाटक में आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला जलाया।

मोटर्स पार्ट्स वेलफेयर ने श्रद्धांजलि अर्पित की

मोटर्स पार्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा जम्मू कश्मीर पहलगाम घटना के विरोध में लगभग 100 से अधिक व्यापारियों द्वारा कैंडल मार्च निकालकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम अवतार शारदा, राजेंद्र छब्बरा, सतपाल गुलाटी, देवेन्द्र भाटिया, ओपी पचौरी, मनिंदर कोहली, जोगेश भाटिया, डॉ. जय रोहाणी, दिलीप वर्मा, अरविंदर बग्गा, प्रमोद गुलाटी, एवं बड़ी संख्या में एसोसिएशन सदस्य, क्षेत्रीयजनों की उपस्थिति थी।

तोप गाड़ी यूनियनों ने दी श्रद्धांजलि

तोप गाड़ी निर्माणी के समस्त यूनियनों द्वारा पहलगाम में शहीद हुए वीर सपूतों को शनिवार की सुबह 9:30 बजे चाय काल के समय निर्माणी के औद्योगिक कैंटीन में श्रद्धांजलि दी एवं 2 मिनट का मौन धारण किया। इस अवसर पर श्रमिक संघ मिले हाथ के महामंत्री राकेश हथौड़ा के सचिव जेसीएम काउंसिल उत्तम विश्वास राजा पांडे बीरबल सिंह देवेंद्र प्रताप सिंह रितेश बैन राजेश कुमार भारती आशीष विश्वकर्मा अमरेश सैकत बनर्जी आदि उपस्थित रहे।

भारत रक्षा मंच ने ज्ञापन सौंपा

भारत रक्षा मंच महाकौशल प्रांत द्वारा इस कायराना हमले की घोर निंदा करते हुए महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपकर जम्मू कश्मीर से आतंकवाद की जड़ों को समूल नष्ट कर लोगों की जानमाल की सुरक्षा हेतु समुचित कदम उठाए जाने की मांग की गई है। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री व मध्यक्षेत्र संगठन प्रमुख डॉ. एच. पी. तिवारी, महाकौशल प्रांत के सह संगठन मंत्री जीवेश पांडे, एड.गोविंद विश्वकर्मा, आदि उपस्थित थे।

ममता बैनर्जी के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध और आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन

जबलपुर। जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा मालवीय चौक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विरुद्ध में प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। जिसमें ममता बनर्जी की चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की गई क्योंकि कई वर्षों से पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का नरसंहार, मंदिरों में तोड़फोड़ लूट पात, बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं लेकिन इन सब के बाद भी दोषियों पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के द्वारा कोई भी कठोर कार्रवाई नहीं की जा रही है और इसके विपरीत बांग्लादेशी और मुसलमानों को शरण देकर देशविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है,इसी प्रकार पहलगाम में धर्म पूछ कर गोली मारने के विरुद्ध पाकिस्तानी और बांग्लादेशियों को देश से बाहर खदेड़ने की मांग की गई और जागो हिन्दुओं जागो, इस्लामिक आतंकवाद मुर्दाबाद, देश के गद्दारों को जूते मारो सालो को इत्यादि नारेबाजी की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी, आशीष विश्वकर्मा, रोशन गौतेल, हिमांशु त्रिपाठी, सोनू सतनामी, राजकुमार चौहान, रविता विश्वकर्मा, नेहा सोंधिया, राजीव राय,इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाई संत शिरोमणि सेन महाराज की 725वीं जयंती

जबलपुर। युवा सेन समाज एसोसियेशन जबलपुर द्वारा 25 अप्रैल को सायं 6 बजे वृन्दावन गार्डन, शास्त्री नगर, लम्हेटाघाट मोड़ जबलपुर में एड. आदेश श्रीवास के संयोजन में संत शिरोमणि सेन महाराज की 725वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 725वीं जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनकी महाआरती कर मिष्ठान्न, फल आदि वितरित किया गया। इस पर अवसर समाज के वरिष्ठजनों का श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया व अतः में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। इसके साथ ही युवा सेन समाज मेडिकल द्वारा सेन जयंती का आयोजन हुआ, जिसमें एडवोकेट आदेश श्रीवास द्वारा सर्वप्रथम पहलगाम में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई, इसके उपरांत संत शिरोमणि सेन महाराज की महाआरती एवं वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर एड. आदेश श्रीवास, रॉकी सेन, गोलू सेन, हरीश सेन, मुकेश सेन, अखिलेश सेन, सोनू सेन, आशीष सेन, दुर्गा प्रसाद श्रीवास, पी.एल. सेन सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बड़े बुजुर्ग, महिला पुरूष एवं युवक, युवतियों के साथ-साथ गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एपीएन सीबीएसई में छात्रों के अध्ययन संबंधी आयोजित किया प्रशिक्षण शिविर

जबलपुर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निर्देशानुसार एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकण्डरी स्कूल जबलपुर केंट में विद्यार्थियों को अध्ययन कैसे कराएं जिससे कि उन्हें शिक्षा में रुचि पैदा हो और वह विषय के प्रति लगाव से अध्ययन कर सकें। श्रीमती शीतल सिंह परिहार प्राचार्य रोशन धुर्रेलिया वर्ल्ड स्कूल नरसिंहपुर एवं परमिता करमाकर प्राचार्य माउण्ट लिट्रा स्कूल जबलपुर से उपस्थित व्याख्याता के रूप में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान के माध्यम से शहर की विभिन्न शालाओं से आईं शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया। दोनों वक्ताओं ने उपस्थित शिक्षिकाओं को बताया कि विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे पेपर कटिंग, एक्ट, चार्ट जैसे माध्यमों से पढ़ाना चाहिए जिससे उनका पूरा ध्यान विषय पर केन्द्रित रहे, विषय का पूर्ण ज्ञान उन्हें प्राप्त हो सके। कार्यक्रम का प्रारंभ संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव द्वारा माँ सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ किया गया। प्रशिक्षण दो सत्रों में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से संस्था प्रबंधक तुलसीदास द्रविड़, सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, सीबीएसई प्राचार्य मुकेश चौरसिया, महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय कुमार वर्मा, जतिन कोहली, शर्मिला चक्रवर्ती सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

वक्फ मोमिन ईदगाह में हज प्रशिक्षण शिविर आज से

जबलपुर। मोमिन ईदगाह गोहलपुर द्वारा हर साल की तरह इस साल भी हज यात्रियों के लिए एक दिवसीय हज प्रशिक्षण शिविर 27 रविवार, सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मोमिन ईदगाह गोहलपुर, जबलपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में हज व उमरा का तरीका, उनके फजाईल व मसाईल, सफर-ए-हज की तैयारी और जियारत-ए-मदीना शरीफ के आदाब और तरीके आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली ग्वालियर में 28 को

जबलपुर। शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी कि कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। मध्यप्रदेश में संविधान बचाओ अभियान के तहत एक ऐतिहासिक और अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम के साथ ही अन्य जनजागरण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 28 अप्रेल को जय बापू, जय भीम, जय संविधान के उद्घोष के साथ ऐतिहासिक और विशाल संविधान बचाओ रैली आयोजित की जाएगी, जो संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को बचाने के लिए मध्यप्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण कदम होगी। बताया गया कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी संवैधानिक मूल्यों, धर्मनिरपेक्षता, समानता, स्वतंत्रता और न्याय की लड़ाई लड़ रही है। यह रैली बीजेपी की तानाशाही और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक शक्तिशाली जवाब होगी। हम मध्यप्रदेशवासियों से अपील करते हैं कि 28 अप्रेल को ग्वालियर पहुंचकर इस रैली में शामिल हों।

परीक्षा के अंतिम दिन बी.सी.ए. प्रथम वर्ष (एन.ई.पी.) का परीक्षा परिणाम घोषित

सुबह परीक्षा और शाम को परिणाम घोषित

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा बी.सी.ए. प्रथम वर्ष 2024-25 (एन.ई.पी.) का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। उल्लेखनीय है कि बी.सी.ए. प्रथम वर्ष 2024-25 (एन.ई.पी.) के अंतिम प्रश्न पत्र की परीक्षा 25.04.2025 को ही प्रातः पाली में समाप्त हुई है जिसमें कुल 451 परीक्षार्थी में से 357 उत्तीर्ण हुए। परीक्षा परिणाम लगभग 79 प्रतिशत रहा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी विश्वविद्यालय द्वारा 05 परीक्षा परिणाम परीक्षा के अंतिम दिन घोषित किए गए थे एवं 03 परीक्षा परिणाम परीक्षा समाप्ति के दूसरे दिन घोषित किए गए थे। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा द्वारा परीक्षा प्रारंभ होने के दिन से ही परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य की सतत निगरानी और मार्गदर्शन से यह संभव हो रहा है। विश्वविद्यालय अन्य परीक्षाओं को भी शीघ्र सम्पन्न कर अपने ध्येय वाक्य 'समय पर परीक्षा, समय पर परिणाम' को सार्थक करने का अथक प्रयास कर रहा है। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने पुनः प्रसन्नता व्यक्त करते हुए परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य में संलग्न पूरी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आर.के. बघेल, संकायाध्यक्ष गणितीय विज्ञान संकाय प्रो. जे.के. मैत्रा, डॉ. सिमी सैमुअल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रश्मि टंडन, प्रभारी उपकुलसचिव अभयकांत मिश्रा, सहायक कुलसचिव ज्योति खराड़ी, राम प्रताप वर्मा, प्रवीण जायसवाल आदि उपस्थित थे।

एपी नर्मदा महाविद्यालय में निःशुल्क दंत शिविर संपन्न

जबलपुर। एपी नर्मदा महाविद्यालय में 26 अप्रेल को आईडीए द्वारा निःशुल्क दंत शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जबलपुर ब्रांच के आईडीए अध्यक्ष डॉ. अंशुल गुलाटी एवं डॉ. अविनाश घोष और उनकी टीम द्वारा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकगणों एवं समस्त कर्मचारियों का दंत परीक्षण किया गया। डॉ. गुलाटी द्वारा सभी को दंत स्वास्थ्य हेतु मार्गदर्शित किया गया। साथ ही दंत चिकित्सा के लिए विभिन्न टिप्स भी प्रदान किए गए। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन एपी नर्मदा ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के चेयरमेन सर्वेश्वर चमन श्रीवास्तव के तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय के लगभग 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधक तुलसीदास द्रविड़, रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, संस्था सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. सोनल खरे ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया।

अप्लास्टिक एनीमिया अत्यंत गंभीर बीमारी

जबलपुर। जब लोग एनीमिया सुनते हैं, तो अक्सर यही मान लेते हैं कि यह सिर्फ आयरन अथवा विटामिन की कमी से जुड़ी समस्या है। लेकिन अप्लास्टिक एनीमिया बिलकुल अलग और अत्यधिक ज़्यादा गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर के बोन मैरो खून बनाना बंद कर देते है साथ ही उनका बोन मैरो रक्त कणिकाओं को मार भी डालता है। जिसके कारण यह स्थिति इतनी गंभीर होती है कि समय पर इलाज न हो तो मरीज़ की जान तक जा सकती है। यह कहना है केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद् आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य एवं मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विवि में होम्योपैथी संकाय के अंतर्गत बोर्ड ऑफ स्टडी के सदस्य डॉ. एके द्विवेदी का। डॉ. द्विवेदी कहते हैं कि इसकी एटीजी दवाएँ महंगी होती हैं, इलाज लंबा चलता है और कई बार तो बोनमैरो ट्रांसप्लांट की ज़रूरत पड़ती है। होम्योपैथी दवा, अप्लास्टिक एनीमिया के इलाज में काफी कारगर साबित हो रही है। डॉ एके द्विवेदी द्वारा की जा रही होम्योपैथी चिकित्सा से असाध्य मानी जाने वाली बीमारी अप्लास्टिक एनीमिया के अनेक मरीजों को जीवनदान मिला है।

बौद्धिक संपदा दिवस पर व्याख्यान आयोजित

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन का विषय था: आईपी एंड म्यूजिक,फील द बीट ऑफ आईपी। कार्यक्रम के प्रारंभ में रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुनु आर.के.मैथ्यू द्वारा बौद्धिक संपदा का अर्थ एवं उससे जुड़े अधिकारों के महत्व के बारे में विचार साझा किए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ संदीप कुर्मी सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र तथा डॉ राहुल कुमार शर्मा, सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र उपस्थित थे। डॉ कुर्मी ने बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रकार,पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। डॉ राहुल कुमार शर्मा ने विज्ञान के क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकार की उपयोगिता तथा रिसर्च में प्लेगेरिज्म से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों के मध्य साझा की। रसायन शास्त्र एवं अर्थशास्त्र के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी।

निधन

श्री गोल्डी खन्ना- एपीआर कॉलोनी कटंगा निवासी श्री वीरेंद्र सिंह खन्ना के पुत्र श्री गोल्डी खन्ना (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

सुश्री प्रेमकुमारी चौधरी- गोकुलधाम कॉलोनी न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री दुलीचंद चौधरी की पुत्री सुश्री प्रेमकुमारी चौधरी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक कुमार साहू- माढ़ोताल चुंगी नाका निवासी श्री राजकुमार साहू के पुत्र श्री दीपक कुमार साहू (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दीनदयाल पाराशर- कालीमठ सुदामानगर मदनमहल निवासी श्री दीनदयाल पाराशर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

नीरज नेचलानी- द्वारका नगर नारायण चौक के पास निवासी श्री धीरज नेचलानी के पुत्र नीरज नेचलानी (14) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जसवीर सिंह मैनी- रतन नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री जसवीर सिंह मैनी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुभाष चंद्र सोनकर- भरतीपुर छोटी खेरमाई निवासी श्री सुभाष चंद्र सोनकर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश कोरी- आजाद चौक गोरखपुर कोरी मोहल्ला निवासी श्री रमेश कोरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजय सेन- फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री संजय सेन (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

पहलागांव हमले के विरोध में किया पुतला दहन

पाटन। जम्मू कश्मीर के पहलागांव में हुए हमले को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा पाकिस्तान का पुतला दहन किया एवं हिंदू समाज के लोगों के द्वारा की गई नारेबाजी की गई एवं दिव्यांगता आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता पाटन प्रखंड अध्यक्ष दिलीप श्रीवास राजा ठाकुर दीपक कोस्टा वैभव व्यास कृष्ण शेखर सिंह नगर परिषद के उपाध्यक्ष देव कुमार यादव आदित्य नामदेव एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं सर्वेश पटेल पिता दिलीप पटेल निवासी 104, शिवाजी नगर, माढ़ोताल लमटी जबलपुर जिला जबलपुर का निम्न कथन करता है, कि- 1. यह कि मैं उक्त पते का स्थायी निवासी हूं।

2 यह कि मेरे दस्तावेजों में मेरा नाम Sarvesh Patel पिता श्री Dilip Patel लिखा है।

3. यह कि मेरी अंक सूची मार्कशीट में मेरा नाम Sarvesh Kumar Patel पिता श्री Dilip Kumar Patel लिखा है।

4. यह कि मुझे Sarvesh Patel पिता श्री Dilip Patel के नाम से जाना पहचाना एवं पढ़ा जाये।

5. यह कि पूर्व नाम -Sarvesh Kumar Patel पिता श्री Dilip Kumar Patel लिखा है।

6. यह कि मेरा परिवर्तित नाम Sarvesh Patel पिता श्री Dilip Patel है।

एयर एंबुलेंस से ट्रॉमा यूनिट और प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम को पहुंचाया जाएगा घटना स्थल

पीपीपी मोड पर उन्नत चिकित्सालयों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का करें विस्तारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हर जीवन अमूल्य है, आपातकालीन चिकित्सकीय परिस्थितियों में व्यक्ति को उन्नत स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सुविधा प्रदेश में शुरू की गई है। इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार और जिला स्तर पर बेहतर विभागीय समन्वय से क्रियान्वयन आवश्यक है। ऐसे क्षेत्रों में जहां उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां पीपीपी मोड पर चिकित्सालय बनाने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा योजना की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बैठक में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और आपदाओं में गोल्डन ऑवर ट्रीटमेंट अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से सेवाओं के प्रावधान किए जा रहे हैं।

सेंसिटिव क्षेत्रों में प्राथमिकता से लैंडिंग अधोसंरचना के विकास पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकालीन स्थितियों में जैसे सड़क दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा में, ट्रॉमा यूनिट और प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम को घटना स्थल तक एयर एम्बुलेंस से पहुंचाया जाना चाहिए। इसके साथ ही एयर एम्बुलेंस सेवा के बेहतर उपयोग के लिए सेंसिटिव क्षेत्रों में प्राथमिकता से आवश्यक लैंडिंग अधोसंरचना का विकास करने पर उन्होंने जोर दिया। मुख्यमंत्री ने ऐसे क्षेत्र जहाँ सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं उन्हें चिन्हित करने और इन क्षेत्रों से ट्रॉमा सेंटर तक जल्दी पहुंचाने के लिए योजना पर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि शीघ्रता से पीड़ित को चिकित्सकीय सेवाएं मुहैया कराई जा सकें।

मुख्यमंत्री ने की पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा योजना की समीक्षा

आपातकालीन चिकित्सा उपलब्ध कराने में प्रभावी पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिविल सर्जन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कलेक्टर और पुलिस प्रशासन को सतत संपर्क में रहने और आवश्यकता पड़ने पर एयर एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला स्तर पर योजना के प्रावधानों और सेवाओं के प्रति विभागीय अधिकारियों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, अपर मुख्य सचिव गृह जेएन कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव, आयुक्त विमानन चंद्रमौली शुक्ला सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एयर एंबुलेंस सेवा पात्रता

सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना अथवा प्राकृतिक आपदा में पीड़ित व्यक्तियों को राज्य में एवं बाहर शासकीय या निजी चिकित्सालय में निःशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा प्रदाय कर पहुंचाया जाता है। आयुष्मान कार्डधारी को राज्य में और बाहर शासकीय एवं आयुष्मान संबद्ध अस्पतालों में निःशुल्क सेवा उपलब्ध कराई जाती है। अन्य हितग्राही जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उनके लिए राज्य में शासकीय अस्पताल में निःशुल्क और राज्य के बाहर अनुबंधित दर पर सशुल्क परिवहन की व्यवस्था है।

एयर एंबुलेंस सेवा की स्वीकृति

दुर्घटना, आपदा के मामलों में संभाग में निःशुल्क परिवहन के लिए जिला कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अनुशंसा पर स्वीकृति दे सकते हैं, जबकि संभाग के बाहर जाने के लिए स्वास्थ्य आयुक्त स्वीकृति देंगे। गंभीर मरीजों को मेडिकल कॉलेज से बाहर एयर एम्बुलेंस की स्वीकृति, अधिष्ठाता की अनुशंसा पर संभाग आयुक्त द्वारा और राज्य के बाहर के लिए संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा दी जाती है। अन्य सशुल्क परिवहन मामलों में स्वीकृति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय स्तर पर दी जाती है।

मप्र में अब सभी जिला अस्पतालों में उपलब्ध होंगे शव वाहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ऐसे भाई-बहन जो पारिवारिक सदस्य की मृत्यु के बाद शव को घर ले जाने में असमर्थ है, उन सभी के लिए राज्य सरकार शव वाहन से पार्थिव देह घर तक पहुंचाने का कार्य करेगी। शुरुआत में यह व्यवस्था जिला स्तर पर लागू की जा रही है, जिसे बाद में विकासखण्ड और तहसील तक विस्तार मिलेगा। सड़क दुर्घटना एवं अन्य विषम परिस्थितियों में मृत्यु होने पर परिजन को शव वाहन उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि प्रदेश सरकार अति संवेदनशील है और मुश्किल समय में लोगों की पीड़ा समझती है। शव वाहन उपलब्ध कराने के संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं।

खबर संक्षेप

उप मुख्यमंत्री शुक्ल का सम्मान करेगा जनपद सदस्य संघ

भोपाल। प्रदेश के 313 ब्लॉक में अपनी सेवाएं देने वाले साढ़े सात हजार से अधिक जनपद सदस्य उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का सम्मान करेंगे। जिसके लिए रीवा में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद सदस्यों की निधि और मानदेय को लेकर भी बात की जाएगी। कार्यक्रम में पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल भी शामिल होंगे। जनपद सदस्य संघ मप्र के उपाध्यक्ष मृगेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बताया कि जनपद सदस्यों ने पंचायती राज का उत्सव मना रहे हैं। रीवा के गंगेव से जनपद सदस्य त्रिपाठी ने बताया कि पूरे प्रदेश के सदस्यों को जोडकर उनके हित के लिए संगठन प्रयास कर रहा है।

मंत्रालय कर्मचारी बोलेः वर्ष 2016 की स्थिति के आधार पर मिलें पदोन्नतियां

भोपाल। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने सरकार से वर्ष 2016 की स्थिति के आधार पर ही पदोन्नतियां देने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक और कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा पदोन्नतियां देने की घोषणा के बाद कर्मचारियों में जो प्रसन्नता थी वह धीरे-धीरे निराशा और संदेह में बदल रही है। मुख्यमंत्री की घोषणा बाद दो सप्ताह बीत हो चुका हैं परंतु अब कोई हलचल नजर नहीं आ रही है।

आईटी में प्रदेश के युवाओं की पहल सराहनीय, राज्य सरकार हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर

मप्र में आईटी पर केंद्रित होगा प्रदेश का पहला सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव

मुख्यमंत्री ने आईटी क्षेत्र में कार्यरत उद्योगपतियों से किया वर्चुअली संवाद

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्तमान और भविष्य की तकनीक का आधार आईटी है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए समय के साथ चलने के लिए आईटी सेक्टर में निवेश और गतिविधियों का विस्तार आवश्यक है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद पहली सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव आईटी पर केंद्रित होगी। राज्य सरकार आवश्यक सहयोग देकर आईटी इंडस्ट्री को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक व्यापक स्वरूप देने की इच्छुक है।

इंदौर में 27 अप्रैल को होने वाली टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव इस दिशा में निश्चित ही परिणाममूलक रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में होने वाली आईटी कॉन्क्लेव के संबंध में विभिन्न जिलों के उद्योगपतियों से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअली संवाद कर रहे थे। संवाद में उद्योगपतियों ने आईटी पार्क के विस्तार की आवश्यकता बताई। साथ ही आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों ने दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा और औद्योगिक गतिविधियों में समन्वय, स्टार्ट-अप में उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने, प्राकृतिक गैस पर टैक्स कम करने और प्रदेश में स्टार्ट-अप कम्युनिटी के मध्य बेहतर समन्वय संबंधी चर्चा भी की।

प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन, आईटी पार्कों में वॉक-टू-वर्क सुविधा और एआई आधारित गतिविधियों के विस्तार पर हुई चर्चा

संवाद में वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क विकसित करने, प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन लागू करने और एआई आधारित गतिविधियों की अन्य उद्योगों में स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों की पहल और नवाचार की सराहना करते हुए उन्हें गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह संवाद राज्य शासन और आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों के बीच मजबूत रिश्तों का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से मप्र आईटी सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा।

सीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन उद्योगपतियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न उद्योगपतियों से संवाद किया। जबलपुर के चंद्रेश वीरा प्रेम संस इंटरप्राईजेस और अनुराग श्रीखंडे इंटेनिक्स प्रायवेट लिमिटेड से चर्चा की। ग्वालियर के धर्मेन्द्र कुमार यादव स्मार्ट कंट्रोल इंडिया लिमिटेड, अनुराग श्रीवास्तव आईआईआईटीएम, राजेश खन्ना एसआरएफ लिमिटेड, मुकुल चतुर्वेदी सूर्या रोशनी लिमिटेड और कृष्णकांत चतुर्वेदी कोमोनिफाय वेंचर प्रायवेट लिमिटेड से चर्चा की।

चार राउंड टेबल मीटिंग होगी

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने 27 अप्रैल को आयोजित टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीसीसी, ड्रोन, एवीजीसी और सेमीकॉन नीति के संबंध में चार राउंड टेबल मीटिंग का आयोजन किया जाएगा।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाएंगे एवं आवंटन-पत्र भी सौंपे जाएंगे

चिहिन्त इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाएंगे एवं आवंटन-पत्र भी सौंपे जाएंगे। राज्य की चार नीतियों जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर एवं एवीजीसी नीतियों की गाईड लाइंस भी जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आईटी एवं संबंधित क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह, एमडी एमपीएसईडीसी आशीष वशिष्ठ, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी गुरू प्रसाद सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

इंजीनियर, सरपंच सर्वे रिपोर्ट तैयार करेंगे

जलसंकट वाले गांवों में होंगे नए बोर, 30 तक जुटाएंगे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

जिले की जिन पंचायतों में जलसंकट है, जहां पर नलकूप सूख गए हैं वहां पर मई के महीने में बोर लगवाया जाएगा। इससे पहले पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) के इंजीनियर और सरपंच सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। साथ ही गर्मी में पर्याप्त पेयजल देने वाले निजी नलकूपों का अधिग्रहण किया जाएगा और उनसे अन्य रहवासियों को पेयजल उपलब्ध करया जाएगा।

यह बात हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने शुक्रवार को कही। वह जिला पंचायत सभागार में ग्रामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित पेयजल सुविधा के लिए तालाब, नलकूप खनन आदि विषयों पर बैठक ले रहे थे। इस दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी सहित सरपंच, सचिव व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। विधायक ने जिला पंचायत सीईओ, कलेक्टर और पीएचई विभाग से पंचायतों में पेयजल व्यवस्था के बारे में जानकारी मांगी।

अधिकारी नहीं दे पाए जानकारी

बैठक में पीएचई के अधिकारी कोई खास जानकारी नहीं दे पाए। गांवों में जलसंकट के चलते पीएचई अधिकारियों और इंजीनियरों पर नाराजगी जताई और एक इंजीनियर से पूछा कि उनके पास कहां की जिम्मेदारी है। इस पर इंजीनियर ने कहा कि आदमपुर छावनी और रातीबड़ तो विधायक चौंक उठे। उन्होंने कहा कि आदमपुर छावनी और रातीबड़ दोनों ही भोपाल के अलग-अलग कोनों पर है। ऐसे में काम करने में दिक्कतें होती होगी। उन्होंने पीएचई की अधिकारी मंजू सिंह से कहा कि तुरंत कार्य में बदलाव करें। ऐसी जगह पर ड्यूटी लगाएं, जो पास में हो। 30 अप्रैल तक सर्वे कर पता लगाएं कि कहां जलसंकट है। वह एक से चार मई तक खुद निरीक्षण करेंगे और जरूरत पड़ने पर 15 मई तक बोर भी लगवाए जाएंगे। बैठक के बाद पहलगाम आतंकी हमले में मृत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मौका था निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष के पदभार ग्रहण का

सीएम ने दिव्यांग हितग्राहियों को ऋण एवं श्रवण यंत्र किए वितरित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष लोकेश कावड़िया को नए दायित्व के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम का नाम परिवर्तित कर छत्तीसगढ़ दिव्यांग जन वित्त एवं विकास निगम करने की घोषणा की।

साथ ही मुख्य मंच से इस अवसर पर 15 दिव्यांग हितग्राहियों को ऋण, 11 दिव्यांग हितग्राहियों को ऋण अदायगी करने पर ब्याज सब्सिडी एवं श्रवण बाधित दिव्यांग को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि हमारी सरकार दिव्यांगों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगों के जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए छत्तीसगढ़ की सरकार द्वारा

विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें दिव्यांग बच्चों का सर्वे कर उनके व्यवसाय एवं नए स्टार्टअप के लिए ऋण प्रदान कर मदद करनी चाहिए, ताकि उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आ सके। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनो के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान दंतेवाड़ा जिले में आए थे, तब दिव्यांगजनों से उनका विशेष लगाव देखने को मिला था। आज हमारी सरकार ने बेहद अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता को इसकी जिम्मेदारी दी है।

अदाणी फाउंडेशन ने छतई में 140 बच्चों को बांटे स्कूल बैग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अनूपपुर

अदाणी फाउंडेशन की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत अनूपपुर थर्मल एनर्जी एमपी प्राइवेट लिमिटेड के परियोजना क्षेत्र के ग्रामीण सरकारी विद्यालयों में स्कूल बैग वितरण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छतई ग्राम के दो विद्यालयों से हुई, जहां कुल 140 छात्रों को नए स्कूल बैग प्रदान किए गए। यह पहल 5 पंचायतों के 18 विद्यालयों के कुल 854 छात्रों को कवर करेगी। इससे पूर्व भी अदाणी फाउंडेशन ने शिक्षा के क्षेत्र में कई सराहनीय कार्य किए हैं, जिनमें परियोजना क्षेत्र के 18 विद्यालयों में 587 स्कूल बेंच-डेस्क की व्यवस्था और आंगनवाड़ी के 354 बच्चों को बैग वितरित किए जाना शामिल है।

इस अवसर पर मझौली पंचायत की सरपंच चंदा पनिका ने बच्चों को बैग वितरित किए और इस पहल की सराहना की।

वहीं, अडाणी परिवार के अधिकारियों ने कहा कि अदाणी फाउंडेशन ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों का संचालन करती रहेगी। यह पहल न केवल शैक्षिक संसाधनों की पूर्ति करती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सकारात्मक प्रयास है।

सूरजपुर के रामानुज नगर थाना क्षेत्र का मामला

निर्वस्त्र मिला नाबालिग छात्रा का शव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां महुआ बिनने के लिए गई 8वीं कक्षा की छात्रा का शव नग्न अवस्था में मिला है। जिस हालत में उसका शव बरामद हुआ है, उसे देखकर पुलिस गैंगरेप की आशंका जताई जा रही है। वहीं जानकारी यह भी मिल रही है कि आरोपियों ने इस घिनौनी वारदात के बाद उसका मर्डर कर दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

पूरा मामला सूरजपुर के रामानुजनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल, रामानुजनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 15 वर्ष की नाबालिग लड़की, जो कक्षा आठवीं छात्रा है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह घर से कुछ ही दूरी पर महुआ बीनने के लिए गई हुई थी। शाम तक जब वो घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। देर रात तक भी खोजबीन करने के उपरांत भी परिजनों को उसकी कोई खबर नही मिली। वही शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने लड़की का शव देखा। परिजनों और पुलिस

को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद तत्काल पुलिस भी मौके पर पहुच जांच शुरू कर दी। लड़की का शव नग्न अवस्था पाया गया है।

वहीं आशंका जताई जा रही है कि उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई है। इसके बाद आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं उसके शव को काफी दूर तक घसीटकर ले गए और जंगल में फेंक दिया। ऐसे में माना जा रहा है कि उसके शव को छिपाने, दफनाने की फिराक में थे। लेकिन इसमें आरोपी कामयाब नहीं हो पाए।

पशु तस्करी के खिलाफ विजयनगर पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

तस्करों के चंगुल से छुड़ाई गईं 110 गाय, आरोपी मौके से फरार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलरामपुर-रामानुजगंज

पशु तस्करी के खिलाफ विजयनगर चौकी ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। 110 गो वंश को जंगल के रास्ते झारखंड के बूचड़खाना ले जाने के दौरान गौ सेवक एवं जिला पंचायत के सभापति बद्री यादव सहित अन्य गौ भक्तों के सहयोग से छुड़ाया। देर रात हुई पुलिस की कार्रवाई में अंधेरे का फायदा उठाते हुए पशु तस्कर मौके से फरार हो गए।

विजयनगर चौकी में छतीसगढ़ कृषक पशु परीक्षण अधिनियम 4,6,10 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की रात 12 के करीब मुखबिर से विजयनगर चौकी प्रभारी अश्वनी सिंह को सूचना मिली कि बगरा जंगल के रास्ते बड़ी संख्या में गौवंश को झारखंड बूचड़खाना ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ बगरा जंगल पहुंचे। वहीं सूचना पर गो भक्त एवं जिला पंचायत के सभापति बद्री यादव, भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अश्वनी सिंह गो भक्तों के साथ मौके पर पहुंचे। मौके से 110 नग गोवंश को विजयनगर चौकी लाया गया।

बगरा जंगल के रास्ते की जा रही थी तस्करी

गौ तस्करों पर मामला दर्ज, तलाश जारी

विजयनगर चौकी प्रभारी अश्वनी सिंह ने कहा कि अपराध पंजीबद्ध किया जा चुका है। गोवंश की तस्करी करने वालों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गो तस्करी के विरुद्ध पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। छत्तीसगढ़ के सरहदी क्षेत्रों से लंबे समय से गो तस्करी होती रही है। कई बार पुलिस के द्वारा कार्रवाई भी गो भक्तों की मदद से की गई है। परंतु यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जो गो तस्करों के कमर तोड़ेगी। विजयनगर चौकी एवं गो सेवकों के सहयोग से देर रात से सुबह तक पुलिस की कार्रवाई चलती रही। अंधेरा के कारण पुलिस और गौ सेवकों को काफी परेशानी का भी सामना करना पड़ा।

गलगम से करेंगुट्टा पहाड़ी क्षेत्र का मामला

आईईडी की चपेट में आने से डीआरजी का जवान घायल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बीजापुर

गलगम से करेंगुट्टा की पहाड़ी की ओर जा रहे डीआरजी की टीम आईईडी की जद में आ गई। इस घटना में डीआरजी के पैर में चोट आने से वह घायल हो गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले पांच दिनों से

लगातार करेंगुट्टा की पहाड़ी में चल रहे अब तक के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन के लिए गलगम से करेंगुट्टा पहाड़ी की तरह जा रहे जवान नक्सलियों के बिछाए आईईडी की चपेट में आ गए।

इस ब्लास्ट में डीआरजी के एक जवान के पैर में चोट आई है। उसे गलगम सीआरपीएफ कैम्प में लाया गया है। यहां जवान का प्राथमिक उपचार चल रहा है। जवान को बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉटर से बीजापुर लाने की तैयारी की जा रही हैं।

कहते है कि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता उसकी सड़कों से होकर गुजरता है। एक्सप्रेसवे, हाईवे किसी भी देश के लिए प्रगति और विकास का रास्ता खोलती है। भारत समेत दुनियाभर के देशों में सड़कों का नेटवर्क फैला है।

एक बार चढ़े तो पार कर लेंगे 14 देश, दुनिया की सबसे लंबी सड़क का सफर

भारत में कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने के लिए सबसे लंबा हाईवे एनएच 44 है। 3,745 किमी लंबा ये हाईवे देश के दो छोर को आपस में जोड़ता है, लेकिन आज जिस सड़क की बात हम करने जा रहे हैं, वो किसी एक देश को नहीं बल्कि 14 देशों से होकर गुजरता है। पैन-अमेरिकन हाईवे पर डेरियन गैप नाम का एक खतरनाक हिस्सा है।

14 देशों को जोड़ने वाली सबसे लंबी सड़क

सन् 1923 में बने इस हाईवे बनाने का मकसद उत्तर, मध्य और दक्षिण अमेरिका के राज्यों को जोड़ना था। पैन-अमेरिकन हाईवे मेक्सिको, ग्वाटेमाला, एल साल्वाडोर, होंडुरस, निकारागुआ, कोस्टा रिका उत्तरी अमेरिका के पनामा, कोलंबिया, इक्वेडोर, पेरू, चिली और अर्जेंटीना होते हुए दक्षिण अमेरिका तक पहुंचता है। 30 हजार किमी लंबे इस हाईवे पर चलना आसान नहीं है।

30 हजार किमी लंबे इस हाईवे पर चलना आसान नहीं

60 दिन का लंबा सफर

रास्ते में आपको अलग-अलग मौसम, अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। इस सफर को पूरा करने में लोगों को 60 दिन का वक्त लग जाता है। हालांकि ये पूरी तरह आपकी गाड़ी की स्पीड पर निर्भर करता है। कालोरस सांतामारिया नाम के एक शख्स ने इस रास्ते को 117 दिन में पूरा किया था। इस हाईवे पर यात्रा करना बेहद रोमांचक है, इस हाईवे पर गाड़ी चलाने वाले को हर तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। रास्ते में जंगलों, पहाड़ों, रेगिस्तान और ग्लेशियरों आदि सभी जगह से गुजरती है।

दुनिया की सबसे लंबी सड़क

दुनिया की सबसे लंबी सड़क का खिताब पैन-अमेरिकन हाईवे के नाम पर है। पैन-अमेरिकन हाईवे दुनिया का सबसे लंबा हाईवे हैं। अपनी लंबाई की वजह से इस हाईवे का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। नॉर्थ अमेरिका से शुरू 14 देशों को पार करते हुए यह हाईवे साउथ अमेरिका के अर्जेंटीना तक जाता है। कहीं घने जंगल तो कहीं रेगिस्तान, कहीं बर्फीले मैदान तो कई पहाड़ों से होकर गुजरता ये हाईवे दुनिया की सबसे लंबी सड़क है।

रास्ते में चुनौतियां अनेक

अगर आप इस रास्ते पर जा रहे हैं तो महीनों की तैयारियां अपने साथ लेकर चलें। इस रास्ते पर मैकेनिक की मदद मिलने में आपको काफी वक्त लग सकता है, ऐसे में बेहतर है कि व्हीकल के लिए जरूरी टूल अपने साथ लेकर चलें, ताकि अगर कहीं गाड़ी पंचर हो जाए तो आप उसे खुद ठीक कर सकें। खाने-पीने का इंतजाम भी करके चलें। हालांकि फ्यूल सेंटर कई जगहों पर बनाए गए हैं। 14 देशों से गुजरने वाली इस रास्ते पर गुजरते वक्त आपको कई अलग-अलग मौसमों से दो-चार होना पड़ सकता है, ऐसे में मौसम के मुताबिक अपने कपड़ों की तैयारी कर लें। पैन-अमेरिकन हाईवे पर डेरियन गैप नाम का एक खतरनाक हिस्सा है।

रोचक खबरें

भारत का सबसे खूबसूरत शहर, सफाई में भी है नबंर-1, बन रहा लोगों की पहली पसंद

भारत का हर एक शहर हर एक गांव अपनी अलग खासियत के लिए पूरे देश भर में प्रसिद्ध है। यहां का खान-पान, पहनावा-उढ़ावा, स्थानीय बोलचाल की भाषा, परंपरा, सांस्कृतिक, विरासत और इतिहास इन्हें बाकी सभी जगह से अलग बनाता है। पूरब से लेकर पश्चिम तक उत्तर से लेकर दक्षिण तक हर कोने में स्थित शहर और गांव में आपको अलग-अलग संस्कृति देखने को मिलेगी।

प्रधानमंत्री कर चुके हैं पुरस्कृत : दरअसल, हम जिस शहर की बात कर रहे हैं, वह मध्य प्रदेश में स्थित है, जो कि बहुत ही ज्यादा खूबसूरत और साफ है। यहां खाने के साथ-साथ आपको घूमने के लिए भी कई सारे ऑप्शंस मिल जाएंगे। इस शहर को प्रधानमंत्री देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में भी पुरस्कृत कर चुके हैं। यहां सरकार के साथ-साथ आम जनता भी सफाई का विशेष ध्यान रखती है और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

इंदौर : मिनी मुंबई के नाम से है प्रसिद्ध : इस शहर का नाम इंदौर है, जिसे कई बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिल चुका है। इस देश का सबसे खूबसूरत शहर में से एक माना जाता है। यहां पर खूबसूरत बाजार से लेकर स्ट्रीट फूड स्टॉल, मंदिर, वॉटरफॉल और वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी है।

सदियों पुराना है इतिहास

प्राकृतिक सुंदरता से भरे इस शहर में 2 नदियों का संगम भी होता है। जिसका नाम खान और सरस्वती नदी है। इसके अलावा, यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा शहर है। इसका इतिहास भी काफी पुराना है, जिसका नाम भगवान इंद्रेश्वर के नाम पर रखा गया है। यह शहर सफाई और सुंदरता के अलावा शिल्प उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर हाथ ब्लॉक, छपाई, टाई एंड डाई, जूट उद्योग और जड़ी का काम किया जाता है। यहां आपको फैशन के मामले में कोई चीज की कमी नहीं देखने को मिलेगी। यहां एक-से-बढ़कर-एक मार्केट है। खानपान भी तरह-तरह के हैं।

इंडोनेशिया में मौजूद है समुद्र मंथन का अमृत कलश, हजारों साल से भरा है द्रव्य

दुनिया में एक से बढ़कर एक और आश्चर्य कर देने वाली चीजें और जगह मौजूद है। कई जगह ऐसी है जो अपने अंदर इतिहास और अद्भुत संस्कृति को समेटे हुए हैं। कुछ स्थानों से अद्भुत और रोचक मान्यताएं जुड़ी हुई है जिन पर लोगों का गहरा विश्वास है। समुद्र मंथन सनातन हिंदू संस्कृति की एक ऐसी पौराणिक कथा है जिसका वर्णन कई वेद और पुराणों में किया गया है। जी हां, इंडोनेशिया में एक ऐसा मंदिर स्थित है जहां समुद्र मंथन से निकले कलश के होने का दावा किया जाता है।

समुद्र मंथन से निकलीं थीं ये वस्तुएं

अब तक समुद्र मंथन की जो कहानी सभी ने सुनी है उसमें यही बताया जाता है कि देवता, रत्न, अमृत और कई सारी वस्तुएं समुद्र मंथन से ही निकली थी और इस से निकले हुए विश को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर लिया था। इसके अलावा अमृत कलश को लेकर देवताओं और राक्षसों में जो युद्ध हुआ उसके बारे में भी आप सभी ने सुना ही होगा। आज हम आपको इसी अमृत कलश से जुड़ी एक ऐसी जगह के बारे में बताते हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि यह कलश इस मंदिर में मौजूद है।

316 साल पुराने स्पेनिश जहाज के खजाने की खोज करेगी कोलंबिया सरकार

कोलंबिया सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें बताया गया है कि वे 316 साल पहले कोलम्बियाई कैरेबियन (एटलांटिक महासागर) में डूबे स्पेनिश जहाज सैन होजे के मलबे और खजाने की खोज (एक्सप्लोरेशन) में फिर से जुटेंगे। दरअसल इसके के लिए सरकार ने एक नौसेना जहाज के रोबोट को समुद्र में भेजने का निर्णय लिया है।

रोबोट को भेजा जाएगा समुद्र में : जानकारी के अनुसार सालों पहले डूबे स्पेनिश जहाज के बारे में यह रोबोट जानकारी इकट्ठा करने का कार्य करेगा। वहीं इस दौरान, रोबोट मलबे के कुछ हिस्से को बाहर निकालेगा और जांचेगा कि सालों बाद पानी के बाहर निकलने पर मलबे में कैसे बदलाव आते हैं। जानकारी में बताया गया की इसके साथ ही, ईद दौरान इस बात की भी जांच की जाएगी की जहाज के बाकी मलबे को किस तरह बाहर निकाला जा सकता है। जानकारी के अनुसार अंदर जाने वाले रोबोट में कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यह जहाज से जुड़ा रिकॉर्ड इकट्ठा कर सकेगा। इसके अलावा, रोबोट को सैटेलाइट से भी कनेक्ट करने की योजना बनाई गई है। अधिक जानकारी में सामने आया है की कोलंबिया सरकार इस अभियान के लिए इस साल करीब 37 करोड़ रुपए खर्च करने का विचार कर रही है। वहीं इस मिशन को 2024 के सेकेंड हाफ में शुरू किया जा सकता है। दरअसल इस दौरान इस रोबोट को किस क्षेत्र में उतारा जाएगा, इसकी जानकारी को सरकार द्वारा सीक्रेट ही रखा जाएगा। आपको बता दें की ऐसा माना जाता है कि डूबने से पहले सैन होजे जहाज पर सोने-चांदी सहित करीब 1 लाख 66 हजार करोड़ डॉलर का 200 टन का खजाना लदा हुआ था।

खासियत

भारत का सबसे बड़ा मार्केट, भारत की सबसे बड़ी मेट्रो नेटवर्क इसी शहर में

इस जिले को कहते हैं छोटी दिल्ली लोग जीते हैं लग्जरी लाइफ स्टाइल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत का हर एक जिला, शहर और गांव अलग-अलग महत्व व इतिहास के लिए जाना जाता है। इनकी खासियत पूरी दुनिया भर में गूंजती है। देश की राजधानी दिल्ली भी अपने आप में ऐतिहासिक शहर है, जहां रेलवे स्टेशन से लेकर मेट्रो कैब से लेकर बड़ी-बड़ी कंपनी लोगों के रहने और जीने खाने का सहारा है। यहां एक से बढ़कर एक लग्जरी और सस्ते मार्केट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, भारत का सबसे बड़ा मार्केट, भारत का सबसे सस्ता मार्केट, भारत की सबसे बड़ी मेट्रो नेटवर्क इसी शहर में मौजूद हैं। क्या आप जानते हैं कि भारत में एक शहर छोटी दिल्ली के नाम से भी मशहूर है।

जाना जाता है गेट वे टू यूपी के नाम से

दिल्ली से सटे होने के कारण इसे गेटवे टू यूपी भी कहा जाता है। यहां एक तरफ इंडस्ट्रियल एरिया है, तो दूसरी तरफ इंदिरापुरम जैसे हाई राइस सोसायटी कॉलोनी स्थित है। यहां से थोड़ा आगे जाने पर नर और खेत खलियान देखने को मिलेंगे। इस शहर की स्थापना वजीर गाजीउद्दीन ने की थी। जिस कारण इस शहर का नाम गाजियाबाद रखा गया। इतिहास की बात करें तो यहां मुगल बादशाह अहमद शाह का शासन था। बहुत साल पहले यह मेरठ का हिस्सा हुआ करता था। 14 नवंबर 1976 को तत्कालीन मुख्यमंत्री एनडी तिवारी ने अलग जिला घोषित कर दिया। यहां आपको मुगल शासन की झलक भी देखने को मिलेगी।

बड़ी दिल्ली से कुछ कम नहीं है छोटी दिल्ली

भारत में स्थित यह जिला सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर में देश की राजधानी से कम नहीं है। इसलिए इसे छोटी दिल्ली के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर्यटन में भी काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस जिले का नाम जानना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश का गाजियाबाद जिला

दरअसल, भारत में स्थित गाजियाबाद जिला को छोटी दिल्ली के रूप में जाना जाता है, जो कि दिल्ली की सीमा से ही सटा हुआ है और यह उत्तर प्रदेश में स्थित है। यहां दिल्ली की तरह ही तमाम सुविधाएं लोगों को मिलती है। यहां पर बड़े से बड़ा बाजार और हाई राइजर बिल्डिंग है। इसलिए लोग इसे छोटी दिल्ली भी कहते हैं। यहां पर बहुत सारी कंपनियां मौजूद है। इसके अलावा, औद्योगिक क्षेत्र से हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। दिल्ली से बड़ी संख्या में लोग गाजियाबाद की तरफ रुख कर रहे हैं।

इस्कॉन और लक्ष्मी-नारायण के प्रसिद्ध मंदिर

यदि आपको कभी गाजियाबाद जाने का मौका मिले, तो आप यहां डासना गेट, दिल्ली गेट, जवाहर गेट और सिहरी गेट से अवश्य गुजरे, जहां आपको मुगल काल की याद आएगी। शेहरों के बीचों बीच गजिउद्दीन की बहुत पुरानी हवेली है। हालांकि, वर्तमान में इसकी हालत बिल्कुल झज्जर हो चुकी है। इसके अलावा, आप यहां पर इस्कॉन मंदिर, शिप्रा मॉल, डिज्नीलैंड वाटर सिटी फॉरेस्ट के अलावा लक्ष्मी नारायण मंदिर घूम सकते हैं।

भारत का सबसे छोटा एयरपोर्ट, जो घर से भी है छोटा!

नई दिल्ली। भारत में यह एक ऐसी जगह है जहां विमान उतरते हैं और अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरते हैं। यह बाकी अन्य सभी संसाधनों से बहुत ही ज्यादा महंगा है, लेकिन इसमें सफर करने से लोगों के समय की बचत होती है। यह व्यापार के साथ-साथ इंटरनेशनल नेटवर्क को भी मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करता है। एयरपोर्ट पर लोगों को एक से बढ़कर एक अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। चेकिंग के लिए यहां 3 से 4 घंटे का समय लगता है। इसलिए यात्रा से इतने घंटे पहले लोगों को एयरपोर्ट आना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं जो कि भारत का सबसे अनोखा और छोटा एयरपोर्ट है।

भारत में हैं 153 एयरपोर्ट : भारत में डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों तरह की फ्लाइट मिलती है। शुरुआत से लेकर अभी तक बहुत सारे बदलाव हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में कुल 153 एयरपोर्ट वर्तमान में मौजूद है। जिनमें 118 घरेलू एयरपोर्ट और 35 इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इनमें से सबसे बड़ा एयरपोर्ट इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, जो कि दिल्ली में स्थित है।

मेघालय में है बलजेक एयरपोर्ट

दरअसल, इस एयरपोर्ट का नाम बलजेक एयरपोर्ट है, जो कि मेघालय में स्थित है। इसे तुरा एयरपोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। जिसकी लंबाई मात्र 1 किलोमीटर है, जिसका निर्माण 20 सीटर हवाई जहाज डॉर्नियर 228 के लिए हुआ था। साल 1983 में केंद्र सरकार के पास इस एयरपोर्ट को पूर्ण तरीके से बनाने का प्रस्ताव भी भेजा गया था। इसके बाद साल 1995 में बजट जारी हुआ। जिसके बाद यहां एयरपोर्ट बनाया गया और अब यह भारत का सबसे छोटा एयरपोर्ट का खिताब हासिल कर चुका है।

यह है दुनिया की सबसे खतरनाक झील, इसके पानी में जाते ही मूर्ति बन जाते हैं जानवर

बचपन में हम कई तरह की कहानियां सुनते हैं जिसमें कभी ना कभी यह सुनने में भी आया होगा कि जीवित जानवर पत्थर के बन जाते हैं। इन कहानियों पर यकीन करना तो थोड़ा मुश्किल है। लेकिन जब हम आपको ये कहे कि ऐसा वाकई में होता है तो हैरान होना वाजिब से बात है।

आज हम आपको ऐसी जगह की जानकारी देते हैं जहां पर कहानियों में सुनी गई यह बात वाकई में सच होती है। एक ऐसी झील है जिसमें अगर कोई जानवर या पक्षी जाता है तो वह पत्थर का बन जाता है। यह खतरनाक झील मेडुसा लेक और जॉम्बी लेक के नाम से जानी जाती है। इसका नाम ग्रीक माइथॉलजी में दिए गए एक कैरेक्टर मेडुसा के ऊपर रखा गया है, जो बहुत डरावनी दिखती है।

ज्वालामुखी का लावा मिलता है नदी में

ज्वालामुखी से जो लावा निकलता है वह आकर इस झील के पानी में मिलता है और एल्कलाइन के लेवल को बढ़ाकर इस जगह को खतरनाक बना देता है। यह दुनिया में इकलौता ऐसा ज्वालामुखी है जिसके लावा में नेट्रोकार्बोनाइट निकलते हैं। इतना ही नहीं इस झील के पानी में कई ऐसे केमिकल मौजूद हैं जिनकी वजह से पशु पक्षियों की लाश सड़ने की की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और यह देखने में मूर्ति की तरह दिखाई देने लगते हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजा 1600 साल पुराना 'मोतियों का शहर'

संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक प्राचीन नगर की खोज की है। जानकारी के अनुसार यह नगर दुबई से लगभग 42 मील दूर बताया जा रहा है जो उत्तर-पूर्व में अल सिन्नियाह द्वीप पर स्थित है। वहीं इस खोज से पुरातत्व विभाग को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल इसे क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास के बारे ने नई जानकारी मिल सकती है।

'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया : दरअसल इस स्थान को 'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों के लिए लंबे समय अल सिन्नियाह द्वीप एक महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। वहीं पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां पर मिले बस्तियों के खंडहर और अवशेष चौथी शताब्दी के हैं, जो

कीमती छिलके जितने ज्यादा पुराने होंगे उतने ही महंगे बिकेंगे

पेड़ों पर उगता है 'सोना', छिलकों की कीमत में आ जाएगी चमचमाती गाड़ी

अगर आप कुछ लोगों से यह पूछेंगे कि दुनिया में सबसे कीमती चीज क्या है तो उनमें से ज्यादातर लोग यही कहेंगे कि सोना सबसे कीमती होता है, लेकिन सोने के अलावा भी कई ऐसी चीजें होती हैं जो उससे ज्यादा महंगी होती हैं।

आज हम आपको एक ऐसी ही चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अगर सोना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। दरअसल कुछ फल बेहद कीमती हैं इतने कीमती कि उनकी कीमत लोगों के होश उड़ा देती है। एक ऐसा ही फल है कीनू, जिसे चीन में कैंटोनीज के तौर पर पहचाना जाता है। हैरानी तो तब होती है जब यह पता चलता है कि इस फल की कीमत से ज्यादा इसके छिलकों की होती है। जी हां इस फल के सूखे हुए छिलके बहुत महंगे बिकते हैं। क्या आप जानते हैं कि चीन के एक शहर में पेड़ों पर 'सोना' उगता है? यहां के पुराने कीनू के छिलके 1 किलो में करीब 8 लाख रुपये तक बिकते हैं।

3 साल में होती है तैयार, चेपनी कहलाती है

रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि इस फल के सूखे छिलकों को 'चेपनी' कहा जाता है। हालांकि चेपनी के बन जाना भी इतना आसान नहीं है, क्योंकि इन्हें लगभग तीन वर्षों तक हर पतझड़ और ठंड के मौसम में धूप में सुखाना होता है। कहा जाता है कि ये छिलके जितने ज्यादा पुराने होंगे उतने ही महंगे बिकेंगे। उन्होंने बताया कि इसका इस्तेमाल स्वास्थ्य के अलावा खानों और शराब में भी किया जाता है।

इसी रिपोर्ट में इस फल के छिलकों की कीमत के बारे में भी बताया गया। 2023 में हांगकांग में 1968 में एक किलोग्राम सूखे कीनू के छिलकों की नीलामी 9646 अमेरिकी डॉलर में हुई थी। स्थानीय ने बताया कि 2023 में उन्होंने 100 बिलियन युआन (लगभग 13.8 बिलियन डॉलर) कमाए थे।

एक खास इलाके के फल ही होते हैं महंगे

एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी औषधीय जड़ी बूटी में पुराने टेंजेरीन या कीनू के छिलके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यहां के रहने वाले लोग कहते हैं कि यहां की मिट्टी और पानी की वजह से इन फलों के छिलकों में ज्यादा पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि इनकी पैदावार कई जगहों पर होती है लेकिन चीन के गआंग्डोंग राज्य के जियांगमैन के पूर्वी किनारे पर होने वाली फसल की ज्यादा कीमत बताई जाती है।

पुल पर बसा एक ऐसा गांव, घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे

गांव अपने आप में एक संस्कृति और विरासत है। यहां सभी लोग एक-दूसरे से मिलकर रहते हैं। गांव में चौपाल, पंचायत भवन, स्कूल, छोटे बाजार आदि होते हैं। यहां पर किसी जीवन जीने का मुख्य आधार है। यहां सभी त्योहार शादी विवाह आदि सब कुछ सामूहिक तौर पर मनाई जाती है। पहले गांव में शिक्षा और जागरूकता का अभाव था, लेकिन अब सरकार की योजनाओं के तहत इन सब चीजों में पहले से काफी ज्यादा सुधार हुआ है। हालांकि, अब इंसानों ने तरक्की कर ली है।

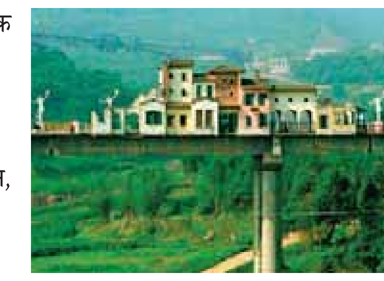

पुल पर बसा अनोखा गांव

कुछ टेक्निक्स को देखकर आंखों पर यकीन भी नहीं होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताएंगे, जो कि पुल पर बसा हुआ है। यहां पर घर सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर टंगे हुए हैं। इसे देखकर आपको काफी ज्यादा आश्चर्य होगा। यह गांव किसी अजूबा से काम नहीं है। अक्सर अपने देखा होगा कि पुल को पिलर्स पर तैयार किया जाता है, लेकिन चीन में एक ऐसा पुल है। जिस पर लोगों ने अपना घर बसा रखा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया एक पर वायरल हो रहा है।

वीडियो हुआ वायरल, पुल पर रंग-बिरंगे घर

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसे **@gunsnrosesgirl3** ने अपने अकाउंट से शेयर किया है। जिसे अब तक तीन लाख लोग देख चुके हैं, जबकि हजारों लोग इसे लाइक कर चुके हैं। इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक छोटी सी नदी है। बड़े पिलर्स पर पुल बना हुआ है, जिस पर एक बस्ती बसी हुई है। रंग बिरंगे घरों से बस यह पुल काफी ज्यादा अनोखा लग रहा है। इस पुल पर पक्के घर बने हुए हैं,।

खबर संक्षेप

पठरा के जंगल में पलट पिकअप, मौके पर पहुंची पुलिस

कटनी। बड़वारा थाना अंतर्गत पठरा के जंगल में एक पिकअप वाहन पलट गया। पुलिस थाना प्रभारी केके पटेल जब स्टाफ को लेकर क्षेत्र के भ्रमण पर निकले थे तो पिकअप वाहन पलटा देखा और स्थानीय लोगों एवं वाहन चालकों की मदद से पलटे हुए वाहन को सीधा कराया। घटना में हालांकि किसी को चोटें नहीं आई थी, लेकिन वाहन में लोड परचून का सामान पूरी सड़क पर फैल गया था। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बड़वारा थाना प्रभारी केके पटेल ने बताया कि गत रात लगभग 9:30 बजे जब नाइट गस्त पर टीम के साथ भ्रमण पर थे उसी दौरान ग्राम पठरा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर परचून लोड एक पिकअप वाहन पलटा था। घटना में किसी को चोट तो नहीं आई थी, लेकिन वाहन में लोड पूरा परचून का सामान सड़क पर फैल गया था और चालक एवं उसके साथी वहीं मौजूद थे। तत्काल राहगीरों एवं स्थानीय लोगों के अलावा वाहन चालकों की मदद से सड़क पर पलटे वाहन को सीधा कराया गया। वाहन पलटने के कारण आवागमन में असुविधा हो रही थी, तत्काल वाहन को सीधा कराया गया एवं सड़क पर फैले सामान को किनारे हटवाकर खुलवाया गया।

अजय बहादुर सिंह हुए पदोन्नत, बने डीएसपी

कटनी। कोतवाली थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह को पुलिस मुख्यालय द्वारा पदोन्नत कर दिया गया है। अजय बहादुर सिंह को विभाग द्वारा उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) बना दिया गया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के द्वारा अजय बहादुर सिंह को कोतवाली थाने का प्रभार सौंपा गया था। पदभार ग्रहण करने के चंद दिनों बाद ही पदोन्नति हो गई।

लापता बालिका को पुलिस ने किया दस्तयाब

कटनी। स्लीमनाबाद पुलिस ने एक लापता बालिका को दस्तयाब कर सुरक्षित उसके परिवार वालों के सुपुर्द किया। पुलिस के मुताबिक थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाने में आकर शिकायत दर्ज कराई कि उसकी बेटी अचानक बिना बताए कहीं चली गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस ने गुणसूत्र को दर्ज करते हुए लापता की तलाश शुरू की। तलाश करते हुए विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। तकनीकी और स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर थाना बाकल पुलिस टीम ने जिला दमोह से गुमशुदा महिला को सकुशल बरामद किया। महिला को उनके परिवार से मिला दिया गया है और वे स्वस्थ हैं। गुमशुदा के परिजनों ने त्वरित सफलता के लिए पुलिस टीम के प्रयासों की सराहना की है। कार्यवाही में थाना प्रभारी उप.निरी. प्रतीक्षा सिंह चंदेल, प्रआर नकुल पटेल, प्रआर शिवसिंह, आर. इन्द्रभान मर्सकोले, म.आर. रोशनी लोधी की विशेष भूमिका रही।

समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने 30 अप्रैल तक कर सकेंगे स्लॉट बुकिंग

कटनी। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए रबी उपार्जन हेतु किसान पंजीयन कार्य 5 मई तक समस्त कार्य दिवसों में (रविवार एवं शासकीय अवकाश को छोड़कर) किया जाना है। कृषक द्वारा उपज विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग उपार्जन के अंतिम 10 दिवस को छोड़कर की जा सकेगी एवं स्लॉट की वैधता अवधि 07 कार्य दिवस का प्रावधान किया गया है। जिले के समस्त कृषक बन्धुओं से अपील की गई है कि वह अपने गेहूँ के स्लॉट की बुकिंग 30 अप्रैल तक कर सकते हैं। जिले में कुल 9 लाख 47 हजार 99 हितग्राहियों में से मात्र 7 लाख 53 हजार 966 हितग्राहियों द्वारा ई-केवाईसी की गई है। जो कि 79.61 प्रतिशत है। जिले में अभी भी 1 लाख 93 हजार 133 हितग्राहियों की ई-केवाईसी किया जाना शेष है। जिन हितग्राहियों द्वारा ई-केवाईसी नहीं कराई गई है, ऐसे हितग्राहियों से अपील की गई है कि वह अपनी नजदीकी राशन दुकान में जाकर 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी करवा लें। ई-केवाईसी नहीं करवाने वाले हितग्राहियों का राशन आगामी माह में बंद होने की संभावना है।

नियम का सख्ती से पालन नहीं करने से कागजों तक ही सीमित है प्रयास

भूमिगत का हो रहा अंधाधुंध दोहन, रूफ हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर उदासीनता

शहर सहित ग्रामीण अंचलों में साल दर साल भूमिगत जलस्तर में गिरावट के चलते पेयजल संकट का सामना नागरिकों को करना पड़ रहा है। जुगाड़ु प्रयासों से इस समस्या से निबटने के प्रयास तो किये जाते हैं लेकिन ये प्रयास स्थायी समाधान नहीं हो पाते। गर्मियों में लोगों को जरूरत के हिसाब से भी पानी नहीं मिल पाता। भीषण गर्मियों तक लोगों को पेयजल के लिए यहां वहां भटकना ही पड़ता है। टैंकरों के माध्यम से प्रशासनिक स्तर पर इस समस्या का समाधान करने प्रयास भले ही किये जाते हैं लेकिन जिस तरह से जलस्तर गिर रहा है आगामी सालों में स्थिति भयावह होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नियमों के अनुसार शहर में मापदंडों के अनुसार घरों व शासकीय कार्यालय में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम होना चाहिए। जो भी नए भवन बनते हैं उनकी अनुमति लेने पर रूफ वॉटर वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनवाने की सिक्योरिटी भी जमा कराई जाती है लेकिन अनुमति मिलने के बाद शायद ही कोई भवन मालिक वॉटर हार्वेस्टिंग करने का सिस्टम है।

क्या है रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम यानि बारिश के दिनों में छतों पर एकत्रित होने वाले पानी को जमीन में भेजने के लिए जो संरचना बनाई जाती है। उसे रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कहा जाता है। इसके तहत एक जमीन में एक बोर कराया जाता है। बोर के ऊपर रेत व गिट्टी की लेयर बनाई जाती है। जिसमें छतों का पानी पहुंचता है और छन कर जमीन के अंदर चला जाता है।

ये है नियम

गौरतलब है कि 140 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल में भवन का निर्माण करने पर रूफ हार्वेस्टिंग के प्रावधानों का पालन करना जरूरी है। मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम की धारा 74/4 के अनुसार भवन निर्माण में हार्वेस्टिंग का प्रावधान किया गया है। भवनों का नक्शा पास होते समय भूस्वामियों से हार्वेस्टिंग के लिये क्षेत्रफल के हिसाब से धरोहर राशि जमा करा ली जाती है। भवन निर्माण के दौरान हार्वेस्टिंग सिस्टम का पालन कराने वाले भूस्वामियों को धरोहर राशि वापस कर दी जाती है।

अंधाधुंध जलदोहन से खतरा

गौरतलब है कि पहले की अपेक्षा अब भूजल दोहन बढ़ा है। सबसे ज्यादा निर्माण कार्यों में जल का उपयोग हो रहा है जबकि दीगर क्षेत्रों में भी दुरूपयोग कम नहीं है। इतना सब होने के बावजूद न तो आम आदमी जलसंरक्षण के प्रति सचेत है और न ही प्रशासन की ओर से ठोस प्रयास किये जा रहे है। ये सारे प्रयास केवल कागजी प्रयासों तक ही सीमित है। यदि शासन की मंशानुसार रूफ हार्वेस्टिंग सिस्टम का पालन सुनिश्चित किया जाये तो वास्तव में तेजी से गिरते जलस्तर पर काफी हद तक नियंत्रण किया जा सकता है लेकिन इस दिशा में कहीं से कोई ठोस प्रयास नही किये जा रहे है।

जल गंगा अभियान के तहत लोगों को वर्षा जल सहेजने के लिए प्रेरित तो किया जा रहा है लेकिन जिम्मेदारों द्वारा नियमों का स्वयं ही पालन नहीं किया जा रहा है।

फरार चल रहे दो आरोपितों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

कुठला पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बीते वर्ष 2024 में थाना कुठला में मृतिका श्रीमति शशि सेन पति मुरलीधर सेन 40 साल निवासी गली नंबर 4 सत्संगगर थाना कुठला ने अपने घर में फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जाँच में यह सामने आया की सोनू विश्वकर्मा, सौरभ चौधरी, अम्बर सिंह एवं गोलू उर्फ भोलू उर्फ पुरुषोत्तम पाठक के द्वारा मृतिका शशि सेन को आत्महत्या के लिए प्रेरित किया गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी गोलू उर्फ भोलू उर्फ पुरुषोत्तम पाठक पिता स्व0 रविशंकर पाठक 24 साल निवासी पन्ना मोड़ एयरटेल टावर के पास थाना कुठला को गिरफ्तार किया गया, लेकिन मामले के अन्य आरोपी फरार थे। जिनकी तलाश लगातार की जा रही थी। गत 24 अप्रैल को आरोपी सोनू विश्वकर्मा पिता नरेश विश्वकर्मा 27 वर्ष निवासी गटागट फैक्ट्री के पीछे तिलक कालेज रोड थाना एनकेजे एवं सौरभ चौधरी पिता जगदीश चौधरी 25 वर्ष निवासी दुर्गा चौक बड़ी खिरहनी वैष्णव माता मंदिर के पास थाना एनकेजे जिला कटनी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया जहाँ से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र व उनकी टीम उप निरीक्षक विनोद सिंह, सहायक उप निरीक्षक तीरथ तेकाम, प्रधान आरक्षक नन्दकिशोर अहिरवार, राहुल सिंह, आरक्षक विजय प्रजापति, अजय पाठक व अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही है।

शहर के कोतवाली तिराहे में सज गई हैं खस की दुकानें

गर्मियों में ठंडी ठंडी हवा के लिए कूलरों की पूछ परख, खस की बिक्री भी बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

भीषण गर्मियों के मौसम में ठंडी ठंडी हवा के लिए कूलर का उपयोग हर तबके के लोग करते हैं। मौजूदा समय में पड़ रही तेज गर्मी से लोग खासे परेशान है। कूलरों की मांग भी बढ़ गई है साथ ही कूलरों में लगने वाली खस की पूछपरख तेज हो गई है। नगर के कोतवाली तिराहा के अलावा अन्य स्थानों में भी कूलर खस की दुकाने सजने लगी है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में नए कूलर व पुराने कूलर के पार्ट्स व खस की बिक्री बढ़ गई है।

फुटपाथ दुकान में भीड़

इन दिनों पुराने कूलर की मरम्मत का कार्य अधिकांश घरों में किया जा रहा है। कूलर में खस और उड़न की नई पट्टी लगवाने का कार्य भी शुरू हो गया है। शहर के विभिन्न स्थानों में खस बेच रहे कारीगरों के पास लोग इसे खरीदने व कूलर की खस लगवाने पहुंच रहे हैं। इन दिनों दिन का तापमान बढ़ गया है। घर के अंदर और बाहर उमस भरी गर्मी से सभी परेशान हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए घरों में रखे पुराने कूलरों की मरम्मत शुरू हो गई है।

तेज गर्मी का असर बाजार पर भी दिखने लगा है। लोग गर्मी से बचने के लिए कूलर, एसी का सहारा ले रहे हैं। लोग पुराने कूलर की मरम्मत व खस बदलने के लिए कारीगरों के पास पहुंचने लगे हैं। इससे बाजार में खस की मांग बढ़ गई है। नगर के कोतवाली तिराहा, बरही रोड सहित अन्य स्थानों पर खस बनाने वाले कारीगरों के पास ये सामान बिक रहे हैं।

धूप की तपिश से दोपहर होते ही सड़कें सूनी होने लगती है। बाजार में गर्मी से राहत दिलाने वाले कूलर, एसी व खस की पूछपरख बढ़ गई है। धूप की तपिश बढ़ने लगी है, हालांकि अभी बीच बीच में आसमान में बादल दिख रहे हैं लेकिन गर्मी से बचने के लिए कूलर, एसी का सहारा ले रहे हैं। बाजार में खस 200 रुपए लेकर 250 रुपये तक में बिक रहे हैं।

पक्षियों के लिए दाना पानी रखने सकोरे किये वितरित

लघु उद्योग भारती के 32वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर जिला कटनी इकाई के द्वारा उद्यमिता विकास एवं वरिष्ठ उद्यमी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कटनी इकाई के द्वारा उद्यमिता विकास के साथ कॉलेज विद्यार्थियों को औद्योगिक परिसर भ्रमण करवा कर के उद्योग से संबंधित विभिन्न जानकारियां को साझा किया गया एवं उत्पाद निर्माण कार्य किस प्रकार किया जाता है, इस विषय को भी विद्यार्थियों के बीच रखा गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए भीषण गर्मी के दिन में पक्षियों के लिए पानी एवं अनाज की व्यवस्था हेतु सकोरो का वितरण उद्यमियों को किया गया। कटनी जिला लमतरा इकाई के सक्रिय सदस्य वैभव अग्रवाल के औद्योगिक परिषर रतपस्या कैल्सीनेशन एण्ड मिनरल्स पर विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

---

30 अप्रैल तक पात्र परिवारों के ई-केवायसी पूर्ण कराने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 अंतर्गत सम्मिलित जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों के पात्र परिवारों के 30 अप्रैल, 2025 तक शतप्रतिशत हितग्राहियों के ई-केवायसी पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं को पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों की सूची उपलब्ध कराई गई है। उन्हें विशेष अभियान के तहत घर-घर जाकर परिवारों की ई-केवायसी पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया है। शासन द्वारा ई-केवायसी के लिए मेरा ई-केवायसी ऐप जारी किया गया हैं, जिसके माध्यम से हितग्राही अपना स्वयं एवं अपने व अन्य किसी परिवार के सदस्यों का ई-केवायसी कर सकते हैं। आपूर्ति विभाग द्वारा मेरा ईकेवायसी ऐप डाउनलोड करने के लिए लिंक दी गई है।

कैसे होगी ईकेवायसी

उक्त दोनो लिंक के माध्यम से एण्ड्राईड मोबाईल में मेरा ई-केवायसी ऐप डाउनलोड किया जा सकता है। एप में ई-केवायसी किए जाने की प्रक्रिया के लिए पात्र हितग्राहियों के आधार कार्ड में लिंक मोबाइल नम्बर में प्राप्त ओटीपी के आधार पर फेस ई-केवायसी विकल्प आने पर हितग्राही की ई-केवायसी करने संबंधी सहमति की घोषणा को स्वीकृत कर मोबाईल फोन का फ्रंट कैमरा ओपन होने पर अपना चेहरा गोले के अंदर दिखाया जाना होगा, उसका रंग हरा होने के बाद हितग्राही को अपनी पलकों को कैमरों के सामने दो बार झपकाना होगा तत्पश्चात ई-केवायसी सफल होने पर मोबाइल स्क्रीन पर ई-केवाईसी सफल का संदेश प्राप्त होगा।

इस एप के माध्यम से हितग्राही का बच्चा या वृद्ध होने के स्थिति में उनके माता-पिता या उनकी संतान किसी के मोबाइल फोन पर एप डाउनलोड कर ई-केवायसी की जा सकती हैं। मेरा ई-केवायसी ऐप में हर हितग्राही के पास फोन की बाध्यता नहीं हैं अर्थात एक फोन से कई हितग्राहियों का ई-केवायसी किया जा सकता हैं, जिस हितग्राही का ई-केवाईसी किया जाना है, उनका आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त कर ई-केवायसी किया जा सकता हैं।

बढ़ते हादसों के बाद भी नहीं कसी जा रही चालकों की नकेल

ज्यादा कमाई के लालच में ओवरलोड सवारियां भरकर हादसे को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जिले के ग्रामीण अंचलों में आटो ओवरलोड सवारियां भर कर फर्राटे के साथ चल रहे हैं। अपने लाभ के लिये वाहन चालक यात्रियों के जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कई चालकों द्वारा तो रजिस्ट्रेशन व परमिट के बगैर ही ओवरलोड सवारियां भरकर वाहन दौड़ा रहे हैं। कई बार तो नाबालिगों को भी आटो रिक्शा चलाते देखा जा सकता है। अक्सर हादसों के बाद ही जिम्मेदारों का आंखें खुलती है।

जोखिम का सफर

ग्रामीण क्षेत्र में साधनों की कमी के चलते लोग मजबूरी में ऑटो, लोडर में सफर जान जोखिम में डालकर कर रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है शहर से लेकर गांव तक

बेपरवाही का आलम जारी है, लेकिन पुलिस प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। यदा-कदा चालानी कार्रवाई का कोरम तो पूरा कर लिया जा रहा है, लेकिन हादसों पर लगाम लगाने कोई पहल नहीं हो रही। सड़क हादसों को रोकने के लिए सिर्फ सड़क सुरक्षा सप्ताह सहित बैठकों में मंथन की औपचारिकता तक सीमित रहता है।

ओवरलोडिंग से कई बार हो चुकी है दुर्घटना

जिले में ओवरलोड आटो व लोडर वाहन कई बार हादसे का शिकार हो चुके हैं जिनमें लोगों की जान तक चली गई है बावजूद इसके ओवरलोड वाहन सरपट दौड़ रहे हैं जिसके चलते हादसे हो रहे हैं और सड़कें खूनी बनती जा रही है।

हादसा होने के बाद ही जागते है जिम्मेदार

शहर के आसपास व ग्रामीण क्षेत्र में सवारी व लोडर वाहन चालक मनमानी कर रहे हैं। कई बार तो वाहन चालक नशे की हालत में फर्राटा भरते हैं। साधनविहीन मार्गों में आटो व लोडर वाहन चालक मौके पर फायदा उठाकर ओवरलोड सवारियां बैठाते हैं। इस दौरान सवारियों को जहां दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हर समय दुर्घटना होने का भी डर बना हुआ है। इसके लिए जिम्मेदार कार्यवाई करने की बजाय मौन साधे हुए हैं।

सिलोंडी में जल संरक्षण का संदेश देने निकली संकल्प यात्रा

अलोनी नदी में बोरी-बंधान के साथ की गई नदी की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर संपूर्ण जिले में जीर्ण-शीर्ण पेयजल एवं जल स्त्रोतों के रखरखाव के लिए साफ-सफाई एवं स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है। जिले की नवांकुर संस्थाएं एवं प्रस्फुटन समितियां भी जल गंगा अभियान को सफल बनाने का कार्य तेजी से कर रही है।

अभियान के तहत शनिवार को सेक्टर बिलहरी क्रमांक 04 के अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बरयारपुर सह कायनात जन सहयोग सेवा समिति बरियारपुर विकासखंड रीठी के मगरधा से हथकुरी के बीच अलोनी नदी पर संस्था के सदस्यों द्वारा एवं स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं द्वारा श्रमदान के माध्यम से बोरी-बंधान कार्य एवं नदी में साफ-सफाई का कार्य किया गया एवं नदी की साफ-सफाई कर आम जनो को प्रेरित किया गया। इस दौरान सभी उपस्थित लोगो को जल

संरक्षित करने एवं अपने अपने मोहल्ला एवं रिश्तेदारों एवं आम जनों को जल रोकने जल के अपव्यय रोकने, जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

जल संरक्षण हेतु किया प्रेरित

विकासखंड ढीमरखेड़ा में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम के लोगों को जल संरक्षण का संदेश देने हेतु परामर्शदाता, नवांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन समिति एवं विकासखंड समन्वयक बबीता शाह के मार्ग दर्शन एवं छात्रों के सहयोग से जल संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया।

यह संकल्प यात्रा ग्राम पंचायत सिलोंडी के आंगनवाड़ी केंद्र के पास छोटी मढ़िया से प्रारंभ की गई। यात्रा में ग्राम के शिक्षक गण छात्राएं एवं सीएमसीएलडीपी छात्र व ग्रामीणों की उपस्थिति रही। यह यात्रा सिलोंडी गांव में भ्रमण करते हुए। ग्राम नेगई में पहुंची जहां पर ग्राम पंचायत भवन में जल संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं जल बचाने हेतु प्रेरित किया गया नेगई के पश्चात ग्राम पाली में मंदिर मढ़िया स्थल से जल संकल्प यात्रा का भ्रमण पूरे गांव में करते हुए ग्राम की नदी में सेक्टर स्तरीय जल संकल्प यात्रा का समापन दीपदान कर किया गया। इस दौरान गांव की महिलाओं एवं ग्रामीण लोगों के द्वारा गांव में जल संरक्षण के नारे लगाते हुए लोगों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस कार्यक्रम में ग्राम सिलोड़ी, नेगई, पाली के जन समुदाय श्रीलाल, विनोद बागरी सचिव की सहभागिता रही एवं ग्राम पंचायत जी आर एस, सचिव, ग्राम पंचायत सचिव पाली एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि संतोष बर्मन, अमरीश राय, राहुल राय उप सरपंच, सहायक सचिव, धीरज जैन नेगई रामशरण राजभर ग्रामीण के लोग की उपस्थिति रही।

स्वर्ण पद विजेता खिलाड़ियों को दी जाएगी 10 हजार की छात्रवृत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए 31 मई तक करना होगा आवेदन

जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय द्वारा वर्ष 2024 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह खेल वृत्ति मध्यप्रदेश शासन के खेल और युवा कल्याण संचालनालय द्वारा 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को दी जाएगी।

खेल वृत्ति के तहत स्वर्ण पदक विजेताओं को 10 हजार रुपए, रजत पदक विजेताओं को 8 हजार रुपए, एवं कांस्य पदक विजेताओं को 6 हजार की राशि प्रदान की जाएगी। यह लाभ केवल उन्हीं खिलाड़ियों को मिलेगा जो राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। हालांकि, मध्यप्रदेश राज्य खेल अकादमी, प्रशिक्षण केंद्र, केंद्र, फीडर सेंटर या भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत प्रशिक्षणरत खिलाड़ियों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2025 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी अपना आवेदन जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, से प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। खेलवृत्ति से संबंधित दिशा-निर्देश एवं नियमावली विभागीय वेबसाइट www.dsywmp.gov.in पर उपलब्ध है।

ईरान में भीषण विस्फोट

बंदर अब्बास शहर में लगी आग, 4 की मौत, 500 से अधिक लोग घायल, धमाके के बाद दिखा काले धुएं का विशाल गुबार, आग बुझाने के प्रयास जारी, खिड़कियों के शीशे टूटे

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के बंदर अब्बास शहर में शनिवार को जबरदस्त धमाका हुआ। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 500 से ज्यादा लोग घायल हो गए। ये धमाका ऐसे वक्त में हुआ है, जब ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का तीसरा दौर चल रहा है। हालांकि विस्फोट के कारणों का तुरंत पता नहीं चल पाया। धमाका बंदर अब्बास शहर के शाहिद राजी बंदरगाह पर हुआ जो राजधानी तेहरान से 1000 किमी दूर है।

धमाके के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और बंदरगाह की गतिविधियों को रोक दिया गया। अभी आग बुझाने का प्रयास चल रहा है। धमाका इतना तेज था कि कई किलोमीटर दूर तक खिड़कियां टूट गईं।

ये धमाका ऐसे वक्त में हुआ है, जब ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का तीसरा दौर चल रहा है। धमाके के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और बंदरगाह की गतिविधियों को रोक दिया गया।

खास बातें

- विस्फोट ईरान के प्रमुख बदंरगाह शाहिद राजी में हुआ
- विस्फोट के कारणों का तुरंत पता नहीं चल पाया है

सिना कंटेनर यार्ड में हुआ विस्फोट

मामले में ईरान के सीमा शुल्क प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि शनिवार को विस्फोट सिना कंटेनर यार्ड में हुआ, जो बंदरगाह और समुद्री संगठन से जुड़ा हुआ है। रजई बंदरगाह पर हुए इस भीषण धमाके के कारण कई किलोमीटर दूर तक घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। घरों और ऑफिसों तथा आसपास मौजदू गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा है।

ऑयल के कंटेनर्स रखे थे

वहीं ईरानी सरकारी टेलीविजन ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में घटनास्थल पर ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण में लापरवाही की बात सामने आ रही है। यहां पर ऑयल और पेट्रोकेमिकल फेसेलिटी वाले कंटेनर्स को रखा जाता है।

घटना के कई वीडियो वायरल

घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रहे हैं, जिसमें धमाके के बाद काले धुएं का विशाल गुबार देखा जा सकता है। जबकि इस मामले में अधिकारियों ने विस्फोट का तत्काल कोई कारण नहीं बताया। बता दें कि, रजई बंदरगाह ईरान के बंदरगाहों में से एक है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना चाहता यूएस

ईरान-अमेरिका के विशेषज्ञों के बीच हुई ओमान में तीसरी वार्ता

मस्कट। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर शनिवार को ओमान में ईरान और अमेरिका के बीच गहन वार्ता शुरू हो गई। यह वार्ता संभवतः ईरान के यूरेनिमय संवर्धन पर केंद्रित होगी। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने खबर दी कि ओमान की राजधानी मस्कट में यह वार्ता हो रही है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने शुक्रवार को ओमान पहुंचकर ओमानी विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी से मुलाकात की, जिन्होंने इससे पहले मस्कट और रोम में हुई दो दौर की वार्ताओं में मध्यस्थता की थी। अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए मॉस्को में थे। शनिवार को वह ओमान पहुंचे। दशकों से जारी तनाव के बाद परमाणु वार्ता हो रही है। इस वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है, जिसके बदले में अमेरिका ईरान पर लगाए गए कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।

खबर संक्षेप

बंदूकधारियों के हमले में 20 लोगों की मौत

अबुजा। नाइजीरिया में जम्फारा राज्य के एक गांव में हथियारबंद लोगों ने कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी और दर्जनों को घायल कर दिया। 'एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया' ने बताया कि बंदूकधारी मोटरसाइकिलों पर सवार होकर गुरुवार दोपहर को डैन गुलबी जिले के गोबिरावा चाली गांव पहुंचे और उन्होंने वहां लोगों पर हमला कर दिया। उसने बताया कि बंदूकधारियों ने सबसे पहले सोने की एक खदान को निशाना बनाकर 14 लोगों की हत्या की।

प्रतिबंधित संगठनों के चार सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में दो प्रतिबंधित संगठनों के चार सदस्यों को इंफाल पूर्वी और इंफाल पश्चिम जिलों से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के सेइजांग मायाई लेइकाई और तेलौ ममांग लेइकाई इलाकों से प्रतिबंधित संगठन प्रेपक (प्रो) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। प्रतिबंधित 'यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट' के एक समर्थक को हेइग्रुजम ममांग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया।

वायुसेना अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई रोकी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलुरु शहर की पुलिस को 'रोड रेज' मामले में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया है।

अधिकारी ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने 24 अप्रैल को यह अंतरिम निर्देश जारी किया। घटना 21 अप्रैल को सी. वी. रमन नगर के पास हुई थी। शुरुआत में, पुलिस ने बोस की दी हुई शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की।

खत्म होगा आतंक का खेल! सुरक्षा बलों का बड़ा एक्शन

पिछले 48 घंटे में 6 आतंकियों के घर ध्वस्त किए, सर्च ऑपरेशन जारी

एहसान शेख ने पाकिस्तान से ही ट्रेनिंग लेकर घाटी में दहशत फैलाई है

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सुरक्षा बलों का ऑपरेशन जारी है। पुलवामा में सक्रिय आतंकवादी के घरों को भारतीय सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया है। शुक्रवार को घाटी के अंदर सक्रिय आतंकियों आदिल हुसैन थोकर और उसके साथी एहसन शेख के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। उन दोनों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया है। जून 2023 से लश्कर के सक्रिय कैडर एहसान अहमद शेख के दो मंजिला घर को सुरक्षा बलों ने आईईडी का उपयोग करके उड़ा दिया है। वह पुलवामा के मुर्रान का रहने वाला है। एहसान पहले भी कई हमलों में शामिल रहा है।

पाकिस्तान से ही ट्रेनिंग लेकर उसने घाटी में दहशत फैलाई है। ऐसी ही एक अन्य कार्रवाई में 2 साल पहले लश्कर में शामिल हुए शाहिद अहमद के घर को शोपियां के चोटीपोरा इलाके में विस्फोट कर उड़ा दिया गया है। इसके अलावा शुक्रवार की रात सुरक्षा बलों ने कुलगाम के क्विमोह में जाकिर गनी के घर को उड़ा दिया, वह 2023 में लश्कर में शामिल हुआ था।

आतंकी अहसान उल हक शेख का पुलवामा में घर ध्वस्त किया

इन आतंकियों के ढहाए घर

- आदिल हुसैन थोकर (बिजबेहरा)
- आसिफ शेख (त्राल)
- अहसान शेख (पुलवामा)
- शाहिद कुट्टे (शोपियां)
- जाकिर गनी (कुलगाम)
- हारिस अहमद (पुलवामा)

आतंकी जाकिर अहमद गनी का कुलगाम में घर ध्वस्त किया

सेना ने जारी की 14 आतंकियों की हिट लिस्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में खुफिया एजेंसियों ने केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय रूप से सक्रिय 14 स्थानीय आतंकवादियों की एक सूची तैयार की है। सूत्रों के अनुसार, 20 से 40 वर्ष की आयु के ये व्यक्ति पाकिस्तान से विदेशी आतंकवादियों को रसद और जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान कर सक्रिय रूप से सहायता कर रहे हैं। पहचाने गए गुर्गों के पाकिस्तान समर्थित तीन प्रमुख आतंकी संगठनों से जुड़े होने की खबर है। इनमें हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम)। इनमें से 3 हिजबुल मुजाहिदीन से, 8 एलईटी से और 3 जेईएम से जुड़े हैं। इन व्यक्तियों के नाम हैं- आदिल रहमान डेन्टू (21), आसिफ अहमद शेख (28), अहसान अहमद शेख (23), हारिस नजीर (20), आमिर नजीर वानी (20), यावर अहमद भट, आसिफ अहमद खांडे (24), नसीर अहमद वानी (21), शाहिद अहमद कुटे (27), आमिर अहमद डार, अदनान सफी डार, जुबैर अहमद वानी (39), हारून रशीद गनई (32) और जाकिर अहमद गनी (29)।

नाम बड़े, खुफिया डोजियर का हिस्सा

सुरक्षा बलों ने पूरे दक्षिण कश्मीर में, खास तौर पर अनंतनाग और पुलवामा जिलों में समन्वित अभियान शुरू किए हैं, जहां माना जाता है कि सूचीबद्ध कई लोग सक्रिय हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि ये नाम एक बड़े खुफिया डोजियर का हिस्सा हैं जिसका इस्तेमाल घाटी में आगे के हमलों को रोकने और आतंकी रसद को बाधित करने के लिए किया जा रहा है। एजेंसियां इन 14 आतंकवादियों के उन पांच आतंकवादियों से संबंध खोजने में लगी हुई हैं जिन्होंने 22 अप्रैल को दोपहर 2 बजे के आसपास लोकप्रिय पर्यटन शहर पहलगाम के पास बैसरन के सुरम्य घास के मैदान में 26 पर्यटकों पर हमला किया था। इन 14 स्थानीय सक्रिय आतंकवादियों की सूची जारी करना एक कदम है, क्योंकि जांचकर्ताओं ने घातक हमले में शामिल पांच आतंकवादियों की पहचान की है, जिनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं।

काचीपोरा में लश्कर के अहमद का घर ढहाया

पहलगाम हमले के बाद पिछले 48 घंटे में कुल 6 आतंकियों के घरों को ध्वस्त किया जा चुका है, इनमें सक्रिय लश्कर कैडर के 5 आंतकियों के घर शामिल हैं। शनिवार को काचीपोरा में लश्कर के ही हैरिस अहमद का घर भी बम से उड़ाया गया है। यह पहली बार है जब किसी आतंकी हमले के बाद सेना सिर्फ जरिए कार्रवाई नहीं हो रही है बल्कि बुलडोजर भी चलाया जा रहा है।

भारत-पाक तनाव पर बोले ट्रंप

सीमा पर हमेशा रहा है टेंशन दोनों खुद ही सुलझा लेंगे मुद्दे

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत ने पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ कुछ सख्त कदम उठाए है। इससे पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ती ही जा रही है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच हमेशा से तनाव रहा है और वे इसे किसी न किसी तरह से खुद ही सुलझा लेंगे। बता दें कि ट्रंप ने यह बात उस समय कही जब वे रोम जाने के लिए एयर फोर्स वन विमान में सवार थे। साथ ही पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि मैं भारत और पाकिस्तान दोनों के करीब हूं। उन्होंने कहा कि कश्मीर का मामला बहुत पुराना है।

आतंकी हमले के खिलाफ दुनिया भर में प्रदर्शन

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश ही नहीं दुनिया भर के भारतीयों में भी आक्रोश है। मेलबर्न, लंदन, काठमांडू समेत तमाम जगहों पर भारतीय समुदाय पहलगाम हमले के विरोध में सड़क पर उतर आया है। मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वायर पर शनिवार को भारतीय समुदाय के हजारों लोगों ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थीं। उन्होंने पाकिस्तान आतंकवाद बंद करो, पाकिस्तान सेना आतंकी सेना और हिंदुओं का जीवन मायने रखता है जैसे नारे लगाए। उधर, काठमांडू में भी लोगों ने पाकिस्तान दूतावास के पास विरोध प्रदर्शन किया।

पहलगाम में जो हुआ वो बहुत बुरा

ट्रंप ने पहलगाम हमले को लेकर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो हुआ वो बहुत बुरा था। इसके साथ ही ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद पर कहा कि भारत पाकिस्तान के बीच सीमा पर 1,500 सालों से तनाव रहा है। यह नया नहीं है। लेकिन मुझे भरोसा है कि भारत और पाकिस्तान इसे किसी तरह से सुलझा लेंगे।

ट्रंप प्रशासन के खिलाफ 19 राज्यों का मुकदमा

स्कूलों में डीईआई से जुड़े कार्यक्रम को दी चुनौती

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के 19 राज्यों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया है। राज्यों की तरफ से ये मुकदमा राष्ट्रपति ट्रंप के उस फैसले के खिलाफ किया गया है कि, जिसमें स्कूलों से कहा गया था कि वे विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई) से जुड़े कार्यक्रमों को बंद करें, वरना उनकी फंडिंग रोक दी जाएगी।

मामला बीते 3 अप्रैल का है, जब अमेरिकी शिक्षा विभाग ने सभी राज्यों से कहा था कि वे यह प्रमाणित करें कि उनके स्कूल अवैध डीईआई नीतियों को नहीं अपना रहे हैं।

आदेश असंवैधानिक

राज्यों द्वारा मैसाचुसेट्स में दायर इस मुकदमे में ट्रंप प्रशासन के इस आदेश को गैरकानूनी और असंवैधानिक बताया है। मुकदमे में यह भी कहा गया कि यह आदेश स्कूलों और छात्रों के हितों के खिलाफ है, खासकर उन बच्चों के, जो पहले से ही शिक्षा में पीछे हैं या विशेष जरूरतों वाले हैं। 19 राज्यों ने कहा है कि वे पुराने कानूनों और नीतियों पर कायम रहेंगे।

आतंकी हमले का लिंक धनबाद तक पहुंचा

वासेपुर में एटीएस ने की छापेमारी चार लोगों को हिरासत में लिया

एजेंसी ▶▶ रांची

पाकिस्तान द्वारा साजिश रचकर जिस प्रकार से कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के जरिए निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया और बेहरमी से उनकी हत्या कर दी गई। इस आतंकी हमले से देश एकजुट हो चुका है। इसी सिलसिले में झारखंड के धनबाद में शनिवार को एटीएस द्वारा छापेमारी की गई।

वासेपुर स्थित शमशेर नगर में एटीएस की टीम ने छापेमारी करते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया है। मौके पर से कुछ धार्मिक किताबें, स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं।

जिहादी विचारधारा फैला रहे

जिहादी विचारधारा फैलाने और देश विरोधी गतिविधि में शामिल होने का आरोप लगा है। छापेमारी के दौरान जिन चार लोगों को पकड़ा गया है, वो आयान जावेद, शबनम, यूसुफ और कौशर हैं। आरोप है कि यह लोग जिहादी विचारधारा को फैलाने का प्रयास कर रहे थे।

गुजरात में अवैध अप्रवासियों पर बड़ी कार्रवाई

हिरासत में लिए गए हजारों बांग्लादेशी, इनमें दो अलकायदा के स्लीपर सेल, प्रत्यर्पण करेंगे

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गुजरात में एक हजार से अधिक बांग्लादेशी अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान के दौरान अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इनके प्रत्यर्पण के प्रयास जारी हैं।

कई मादक पदार्थ और मानव तस्करी में शामिल

सांघवी ने कहा कि अप्रवासियों ने गुजरात आने से पहले भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने के लिए पश्चिम बंगाल से प्राप्त फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। इनमें से कई लोग मादक पदार्थ तस्करी और मानव तस्करी में संलिप्त हैं।

निर्वासन किया जाएगा: डीजीपी

गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विकास सहाय ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा दस्तावेजी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उनकी राष्ट्रीयता का पता लगाया जा रहा है। जब यह तय हो जाएगा कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं, तो केंद्र सरकार और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के समन्वय से उनके निर्वासन की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने दी पोप को भावभीनी श्रद्धांजलि

पोप फ्रांसिस को सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में दफनाया गया

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में दो लाख लोग हुए शामिल

दफनाने की प्रक्रिया निजी रही, जिसमें कार्डिनल और करीबी उपस्थित रहे

एजेंसी ▶▶ वेटिकन सिटी

शनिवार को पोप फ्रांसिस को दफनाया गया। पोप के अंतिम संस्कार में दुनिया भर की कई हस्तियां शामिल हुईं जिनमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष और राजा शामिल हैं। अंतिम संस्कार की रस्में सेंट पीटर्स स्कवायर में की गईं। रस्मों के बाद कैदी और प्रवासी पोप के पार्थिव शरीर को ताबूत में लेकर बेसिलिका में ले जाया जाएगा, जहां उन्हें दफनाया गया। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में दो लाख से अधिक लोग शामिल हुए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि दी।

उनके साथ केंद्रीय संसदीय कार्य-अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद हैं। मुर्मू पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वेटिकन सिटी पहुंची। साथ ही मत्स्य-पशुपालन व डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन, और

गोवा विधान सभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी पहुंचे हैं। भारत ने पोप के निधन पर तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के लिए इटली ने कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए हैं, जिनमें 2500 से ज्यादा पुलिसकर्मी, 1500 सैनिकों को तैनात किया गया है। साथ ही तटों पर टारपीडो जहाज और लड़ाकू विमानों के दस्ते तैनात किए गए हैं।

मई में शुरू होगी नए पोप को चुनने की प्रक्रिया

मई के पहले हफ्ते में नए पोप को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अभी कुछ कार्डिनल द्वारा वेटिकन सिटी का संचालन किया जा रहा है, जिनमें सबसे प्रमुख कार्डिनल हैं जियोवानी बटिस्टा रे। नए पोप को चुनने के लिए सिस्टीन चैपल में होने वाले मतदान का प्रबंधन करने की जिम्मेदारी भी कार्डिनल जियोवानी बटिस्टा रे के कंधों पर ही होगा।

ये दुनिया उनकी सेवाओं को याद करेगी: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने शनिवार को कहा कि ये दुनिया पोप फ्रांसिस को समाज के प्रति उनकी सेवाओं के लिए हमेशा याद करेगी। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने सेंट पीटर्स बेसिलिका में पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने लिखा कि राष्ट्रपति जी ने भारत के लोगों की तरफ से पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। ये दुनिया समाज के लिए उनकी सेवाओं के लिए हमेशा याद करेगी।

बेसिलिका के साथ एक खास रिश्ता

पोप फ्रांसिस को सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में दफनाया गया। पोप बनने से पहले भी पोप फ्रांसिस को सेंट मैरी मेजर बेसिलिका से खास लगाव था। पोप के रूप में अपनी प्रत्येक विदेश यात्रा से पहले और बाद में पोप फ्रांसिस यहां प्रार्थना करने जाते थे। वेटिकन ने कहा कि 40 विशेष अतिथि बेसिलिका के सामने पियाजा पर उनके ताबूत का स्वागत किया, जिनमें हाशिए पर मौजूद लोग, जैसे बेघर लोग और प्रवासी, कैदी और ट्रांसजेंडर लोग शामिल होंगे। पोप को दफनाने की प्रक्रिया निजी रही, जिसमें कार्डिनल और कुछ करीबी सहयोगी शामिल हुए।

भारत ने ब्रिक्स शेरपा बैठक में हिस्सा लिया

बहुपक्षीय सहयोग व विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लिया, जो बीते शुक्रवार को रियो डी जनेरियो में आयोजित की गई। इस बैठक में भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के सचिव (आर्थिक संबंध) डम्मू रवि ने प्रतिनिधित्व किया। बैठक के दौरान ब्रिक्स देशों ने मिलकर बहुपक्षीय सहयोग, सतत विकास और सदस्य देशों के आपसी सहयोग को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत हुई।

वैश्विक मुद्दों पर की बात

इससे पहले 24-25 मार्च को ब्राजीलिया में 10वीं ब्रिक्स नीति योजना संवाद बैठक आयोजित हुई थी, जिसमें संयुक्त सचिव रघुराम एस. ने भाग लिया था। इस बैठक में हाल ही में ब्रिक्स में शामिल नए देशों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। ब्रिक्स की हाल की बैठकों में स्वास्थ्य, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक शांति जैसे मुद्दों पर खास ध्यान दिया गया है।

एक्वा बीमा को बढ़ावा देने 255 करोड़ की मत्स्य पालन परियोजनाओं का उद्घाटन कल

मत्स्य पालन विभाग 28 को मुंबई में तटीय राज्यों की बैठक-2025 की मेजबानी करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग 28 अप्रैल को मुंबई के होटल ताज महल पैलेस में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय की अध्यक्षता में तटीय राज्यों की बैठक का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के जॉर्ज कुरियन भी भाग लेंगे।

मुंबई के होटल ताज महल पैलेस में आयोजन

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह समुद्री मत्स्य पालन जनगणना अभियान का शुभारंभ करेंगे

मत्स्य पालन क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा

राजीव रंजन धानमंत्री मत्स्य संपदा योजनाके तहत 255.30 करोड़ के परिव्यय के साथ 7 तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। यह तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मत्स्य पालन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह समुद्री मत्स्य पालन को मजबूत करने और समुद्री मत्स्य पालन जनगणना संचालन, कछुआ बहिष्करण उपकरण परियोजना और पोत संचार और सहायता प्रणाली के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी करने सहित स्थायी प्रणालियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों की भी शुरुआत करेंगे।

तटीय मछली पकड़ने वाले गांवों को प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे

इस अवसर पर उत्कृष्ट सहकारी समितियों, एफएफपीओ, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप और जलवायु-अनुकूल तटीय मछली पकड़ने वाले गांवों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। लाभार्थियों को एक्वा बीमा प्रमाण पत्र और किसान क्रेडिट कार्ड भी प्राप्त होंगे।

कई तकनीकी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे

तटीय राज्यों की बैठक 2025 में समुद्री मत्स्य पालन प्रशासन को मजबूत बनाने सहित प्रमुख तकनीकी सत्र- समुद्री मत्स्य पालन विनियमन अधिनियम , निगरानी, नियंत्रण और निगरानीँ और समुद्री सुरक्षा को एकीकृत करना; मॉडल समुद्री कृषि एसओपी; पोत संचार और सहायता प्रणाली की मानक संचालन प्रक्रिया; निर्यात संवर्धन प्रसंस्करण, मूल्य श्रृंखला और गुणवत्ता सुधार; और समुद्री कैप्चर मत्स्य पालन में ट्रेसेबिलिटी और प्रमाणन को बढ़ावा देना भी शामिल होंगे।

राज्यों के ये मंत्री भी होंगे शामिल

इस सम्मेलन में महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश नीलम नारायण राणे, गुजरात के मत्स्य पालन मंत्री राघवजीभाई पटेल, गोवा के मत्स्य पालन मंत्रीनीलकंठ हलारंकर, कर्नाटक के मत्स्य पालन मंत्री मनकाला एस वैद्य, आंध्र प्रदेश के मत्स्य पालन मंत्री किंजरापु अच्चानायडू, ओडिशा के मंत्री गोकुलानंद मलिक रहेंगे।

समुद्री मत्स्य पालन को और मजबूत करने का लक्ष्य रखा

इन सत्रों का उद्देश्य समुद्री मत्स्य पालन को मजबूत करने, सुरक्षा सुनिश्चित करने, टिकाऊ समुद्री कृषि को बढ़ावा देने और निर्यात क्षमताओं में सुधार करने के लिए नीति की व्यावहारिक समझ और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना है। कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसका योगदान अहम

भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र ग्रामीण आजीविका को सहारा देने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने में अहम भूमिका है। विशाल समुद्र तट और 2.02 मिलियन वर्ग किलोमीटर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के साथ भारत में समृद्ध समुद्री संसाधन है।

खबर संक्षेप

मुंबई में आग से एक महिला की मौत, 6 भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के अंधेरी उपनगर स्थित आवासीय परिसर के एक अपार्टमेंट में शुक्रवार रात 2.40 बजे आग लगने से एक महिला की मौत हो गई तथा 2 बच्चों सहित छह अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में 8 मंजिला 'ब्रोक लैंड' इमारत की पहली मंजिल पर फ्लैट में आग लगी। अभिना संजनवाला की मौत हो गई।

झांसी जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में आग

झांसी। यहां शनिवार शाम जिला अस्तपाल के बच्चा वार्ड की छत पर शार्ट सर्किट से आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर वहां चीख-पुकार मच गई। जिनके बच्चे वार्ड में भर्ती थे, वेबच्चों को लेकर बाहर भागने लगीं। अस्पताल प्रशासन ने आग बुझाने की कोशिश की। दमकल की गाड़ियां भी बुला ली गईं। करीब आधे घंटे में काबू पाया जा सका।

देवबंद में विस्फोट से 3 युवकों की मौत

देवबंद। यहां शनिवार सुबह करीब 6 बजे एक पटाखा फैक्टरी में जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट के समय फैक्टरी के अंदर कई लोग मौजूद थे, हादसे में तीन युवकों की मौत हुई है।

प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 47 केंद्रों से जुड़े

'विकसित भारत' के निर्माण में युवाओं का किया आह्वान, 51, 236 नियुक्ति पत्र दिए

रोजगार मेला का आयोजन

देश के युवा विकास में शामिल होंगे तो तरक्की भी होगी पक्की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 15वें रोजगार मेला कार्यक्रम में 51,236 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह कार्यक्रम वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आयोजित किया गाया। इसमें देशभर के 47 केंद्रों से जुड़ा रहा। पीएम मोदी ने नए कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि अब वे भारत की अर्थव्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि आपकी लगन जितनी अधिक होगी, हम उतनी तेजी से विकसित भारत की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने युवाओं की ताकत पर जोर देते हुए कहा कि जब देश के विकास में युवा भागीदार बनते हैं, तो तेजी से तरक्की होती है। उन्होंने 'स्किल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने नवाचार, स्वरोजगार और तकनीकी नेतृत्व को बढ़ावा दिया है। डिजिटल क्रांति में भारत की उपलब्धियों को उजागर करते हुए पीएम मोदी ने युवाओं की मेहनत को श्रेय दिया।

'मैन्युफैक्चरिंग मिशन' का किया जिक्र

पीएम ने केंद्रीय बजट में घोषित 'मैन्युफैक्चरिंग मिशन' की भी चर्चा की, जो 'मेक इन इंडिया' अभियान को गति देगा और युवा उद्यमियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले उत्पाद बनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि ऑटोमोबाइल, फुटवियर, खादी और कुटीर उद्योग जैसे क्षेत्रों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है और खादी का कारोबार अब 1.7 लाख करोड़ से अधिक हो गया है।

आइए, हम सब मिलकर 'विकसित' और 'समृद्ध' भारत बनाएं

पीएम ने कहा कि हम सब मिलकर एक 'विकसित' और 'समृद्ध' बनाएं। ये नई नियुक्तियां गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, राजस्व विभाग और उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालयों और संगठनों में की गई हैं। अक्टूबर 2022 से अभियान के तहत अब तक 10 लाख से अधिक स्थायी सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। पहले मेले में 75,000 और दिसंबर 2023 में आयोजित 14वें मेले में 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए गए थे।

आज जलमार्गों की संख्या बढ़कर हो गई 110

पीएम ने बताया कि जलमार्गों से माल ढुलाई 2014 में 18 मिलियन टन से बढ़कर आज 145 मिलियन टन हो गई है और राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या 5 से बढ़कर 110 हो गई है।

एआई और नए मीडिया क्षेत्र युवाओं के लिए बड़े अवसर होंगे

पीएम ने मुंबई में 2025 में होने वाले 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एआई और नए मीडिया क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर खोलेगा।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की प्रशंसा भी की

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की प्रशंसा करते हुए पीएम मोदी ने हालिया यूपीएससी परीक्षा परिणामों का जिक्र किया, जिसमें शीर्ष दो स्थान महिलाओं ने हासिल किए।

'मन की बात' का 121वां एपिसोड आज

'नमन परिवार' को समर्पित होगा यह कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें एपिसोड में इस रविवार झारखंड को विशेष प्रतिनिधित्व मिलने जा रहा है। पूर्वी भारत के बिहार, बंगाल, उड़ीसा और झारखंड में से इस बार जमशेदपुर स्थित नमन परिवार को इससे सीधे जुड़ने का गौरव प्राप्त हुआ है। देशभर में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की अलख जगाने वाले नमन परिवार के सदस्य 27 अप्रैल के पूर्वाह्न 11 बजे प्रधानमंत्री के विचारों को सामूहिक रूप से सुनेंगे और साथ ही शहीद परिवारों एवं पूर्व सैनिकों को समर्पित एक विशेष आयोजन का भी हिस्सा बनेंगे। यह आयोजन साकची काशीडीह स्थित नमन कार्यालय में होगा, जहां नमन के सदस्यगण, पूर्व सैनिक, युवा और समाजसेवी एकत्रित होंगे। देश के रक्षार्थ अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों का सम्मान और उनके परिवारजनों के साथ एक आत्मीय संवाद कार्यक्रम का केंद्र बिंदु होगा।

नूंह में एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

7 सफाई कर्मचारियों की मौत व 4 गंभीर घायल

एजेंसी ▶▶ नूंह

जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के अंतर्गत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर इब्राहिमबास गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सफाई कार्य में जुटे कर्मचारियों को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में 6सफाई कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पांच अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सफाई करने वाले 11 कर्मचारियों में 10 महिलाएं और एक पुरुष था। जिनमें से छह महिलाओं की मौके पर मौत हो गई और पांच लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां एक और सफाईकर्मी ने दम तोड़ दिया। हादसे में कुल 7 लोगों की मौत हो गई है। चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

एक्सप्रेसवे पर सफाई कार्य किया जा रहा था

हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ, जब करीब 11 सफाई कर्मचारी एक्सप्रेसवे पर सफाई कार्य कर रहे थे। अचानक आई तेज रफ्तार पिकअप ने इन कर्मचारियों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 कर्मचारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल पांच कर्मचारियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक और कर्मचारी की मौत हो गई। घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है।

शवों के टुकड़े हो गए

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। देखते ही देखते सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई। एंबुलेंस, रोड सुरक्षा एजेंसी के वाहन और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। हादसे की भयावहता ऐसी थी कि आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। कई शवों के टुकड़े अलग-अलग हो गए। लोग इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त कर रहे हैं और मृतकों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग भी उठाई है।

हैदराबाद में राहुल ने सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

आज विपक्ष से संवाद नहीं, कुचलने का प्रयास हो रहा

भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हैदराबाद में भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले कांग्रेस पार्टी खुद को पूरी तरह से फंसा और अलग-थलग महसूस कर रही थी। उन्होंने कहा कि नई राजनीति जो आक्रामक है और जहां विपक्ष से संवाद नहीं बल्कि उसे कुचलने का प्रयास होता है, उसने हमारे सभी रास्ते बंद कर दिए। मीडिया और माहौल दोनों ने हमें स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान

सरकार डर और नफरत में हमें हर बार हरा देगी

राहुल गांधी ने बताया कि इसी स्थिति में कांग्रेस ने अपने इतिहास में झांका और कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालने का फैसला किया. उन्होंने कहा कि इस यात्रा से मैंने दो बातें सीखी। पहली- हमारे विरोधियों के पास गुस्सा, डर और नफरत पर एकाधिकार है। हम उनसे इस मैदान पर कभी मुकाबला नहीं कर सकते। वे गुस्से, डर और नफरत में हमें हर बार हरा देंगे। राहुल ने कहा कि अब सवाल ये है कि कांग्रेस को किस जगह और किस भावना से काम करना चाहिए और कैसे एक मजबूत जवाबी नैरेटिव खड़ा किया जा सकता है।

सीएम रेड्डी ने गिनाईं उपलब्धियां

इससे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भारत समिट में कहा कि तेलंगाना एक समृद्ध इतिहास, अनूठी संस्कृति और परंपराओं की भूमि है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे छात्रों, श्रमिक संगठनों, किसानों और महिलाओं के नेतृत्व में लंबे संघर्ष के बाद तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद भी लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकीं।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82/ 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित हायर सेकेण्डरी, ग्रेजुएट, अविवाहित सजातीय हिन्दू जाति बंधन नहीं, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह।
9131453175

मैरिज ब्यूरो

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वारांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें
9131455917

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 5849

बाएँ से दाए-
1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली -5848 का हल

सूडोकु नवताल - 5859

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5858 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

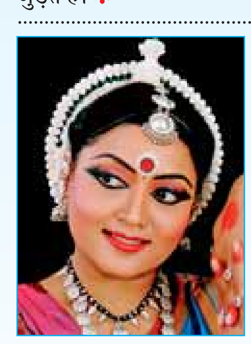

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैंलेस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

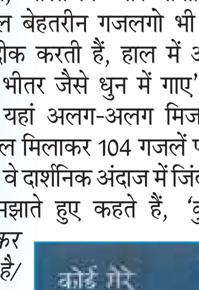

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,

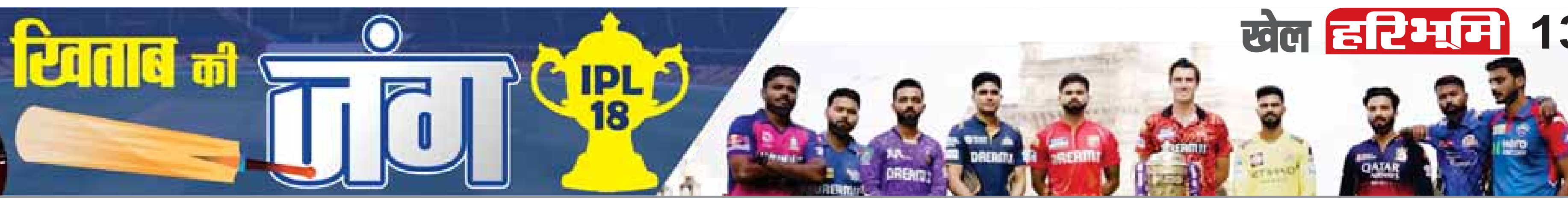

सबसे महंगा प्लेयर और शर्मनाक प्रदर्शन, पंत ने बरकरार रखी 17 साल पुरानी परंपरा

नई दिल्ली। एक कहावत है 'ऊंची दुकान, फीके पकवान', जो आईपीएल के लगभग सभी सीजन में सटीक बैठती है। लीग में बड़े नाम वाले खिलाड़ी जिनके लिए फ्रेंचाइजी भारी रकम खर्च करती है, लेकिन वे अक्सर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। इंडियन प्रीमियर लीग में जब फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश करती हैं तो इस उम्मीद के साथ करती हैं कि ये खिलाड़ी उनके लिए किस्मत बदलने वाला साबित होगा। इसी कारण लीग के महंगे खिलाड़ियों की राशि में सीजन दर सीजन इजाफा होता रहा है। आईपीएल-2025 में लखनऊ सुपरजायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ में खरीदा और वह लीग के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, लेकिन पंत अब तक फेल रहे। ये नई बात नहीं है। लीग का इतिहास है कि जो सीजन का महंगा खिलाड़ी रहा वो फेल हुआ है।

मिचेल स्टार्क : 2024 : 17 विकेट

मिचेल स्टार्क को कोलकाता ने 24.75 करोड़ में खरीदा था। पिछले सीजन स्टार्क ने 13 मैच खेले थे और 17 विकेट लिए थे।

सैम करन : 2023 : 276 रन

सैम करन आईपीएल 2023 के सबसे महंगे प्लेयर थे। पंजाब किंग्स ने उन पर 18.5 करोड़ रुपए खर्च किए थे। करन ने 14 मैच की 13 पारियों में 276 रन बनाए थे।

ईशान किशन : 2022 : 418 रन

ईशान किशन तब सबसे महंगे प्लेयर थे। मुंबई इंडियंस ने ईशान किशन को 15.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। ईशान ने 15वें सीजन में 14 मैच खेले थे और 418 रन बनाए थे।

क्रिस मॉरिस : 2021 : 15 विकेट

राजस्थान रॉयल्स ने् रिस मॉरिस पर 16.25 करोड़ रुपए खर्च कर दिए थे। 11 मैच में सिर्फ 15 विकेट हासिल किए थे। साथ ही वह 7 पारियों में 67 रन ही बना पाए थे।

पैट कमिंस : 2020 : 12 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज कमिंस को कोलकाता ने 15.5 करोड़ में अपने साथ जोड़ लिया था। 14 मैच में सिर्फ 12 सफलताएं प्राप्त की थीं।

उनादकट : 2019 : 10 विकेट

जयदेव उनादकट (राजस्थान रॉयल्स) और वरुण चक्रवर्ती (किंग्स 11 पंजाब) थे। दोनों को उनकी फ्रेंचाइजी ने 8.4-8.4 करोड़ रुपये में खरीदा था। जयदेव उनादकट ने 11 मैच में सिर्फ 10 विकेट लिए थे। वहीं वरुण ने 1 मैच में 1 ही विकेट लिया था।

ऋषभ पंत

2025
27 करोड़
106 रन

आईपीएल 2025 में अब तक पंत का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने 18वें सीजन में अब तक खेले 9 मैच की 8 पारियों में सिर्फ 106 रन बनाए हैं। इस दौरान वह एक ही अर्धशतक लगा पाए हैं।

बेन स्टोक्स : 2018 : 8 विकेट

राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 12.5 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। 11वें सीजन में स्टोक्स ने 13 मैच खेले थे और सिर्फ 8 विकेट लिए थे।

बेन स्टोक्स : 2017 : 316 रन

राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने बेन को 14.5 करोड़ में खरीदा था। 12 मैच की 11 पारियों में 316 रन बनाए थे। साथ ही 12 विकेट भी अपने नाम किए थे।

शेन वॉटसन : 2016 : 179 रन

बेंगलुरु ने शेन वॉटसन पर 9.5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। वॉटसन ने उस सीजन 16 मैच की 15 पारियों में 179 रन बनाए थे।

युवराज सिंह : 2015 : 248 रन

दिल्ली डेयरडेविल्स ने युवराज को 16 करोड़ रुपए में खरीदा था। 14 मैच खेले थे और 13 पारियों में 248 रन बनाए थे।

युवराज सिंह : 2014 : 376 रन

आरसीबी ने युवी पर 14 करोड़ खर्च किए थे। 14 मैच में 376 रन बनाए थे।

ग्लेन मैक्सवेल : 2013 : 36 रन

ग्लेन मैक्सवेल पर मुंबई इंडियंस ने 6.3 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मैक्सवेल ने 3 मैच की 3 पारियों में 36 रन बनाए थे।

रवींद्र जडेजा : 2012 : 191 रन

चेन्नई सुपर किंग्स ने रवींद्र जडेजा को 12.8 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। 19 मैच खेल 191 रन बनाए थे। 12 विकेट लिए थे।

गौतम गंभीर : 2011 : 378 रन

कोलकाता नाइटराइडर्स ने गौतम गंभीर को 14.9 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। गंभीर ने उस सीजन 15 मैच खेल थे और 15 पारियों में 378 रन बनाए थे। वह चौथे सीजन 16वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे।

शेन बॉन्ड : 2010 : 9 विकेट

शेन बॉन्ड (कोलकाता) और कीरोन पोलार्ड (मुंबई) को उनकी फ्रेंचाइजी ने 4.8-4.8 करोड़ देकर अपने साथ जोड़ा था। शेन बॉन्ड ने 8 मैच में 9 विकेट लिए थे। वहीं पोलार्ड ने 14 मैच में 15 शिकार किए थे।

केविन पीटरसन : 2009 : 93 रन

केविन पीटरसन (आरसीबी) और एंड्रयू फ्लिंटॉफ (सीएसके) को फ्रेंचाइजी ने 9.8-9.8 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पीटरसन ने 6 मैच खेले थे और 93 रन बनाए थे। वहीं फ्लिंटॉफ 3 मैच में 62 रन ही बना सके थे।

महेंद्र सिंह धोनी : 2008 : 414 रन

महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के पहले सीजन के सबसे महंगे प्लेयर थे। 2008 में सीएसके ने उन पर 9.5 करोड़ खर्च किए थे। धोनी ने लीग के डेब्यू सीजन में 414 रन बना दिए थे। वह पहले सीजन 9वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	8	6	2	12
बेंगलुरु	9	6	3	12
मुंबई	9	5	4	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	9	5	3	10
कोलकाता	8	3	5	6
हैदराबाद	9	3	6	6
राजस्थान	9	2	7	4
चेन्नई	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

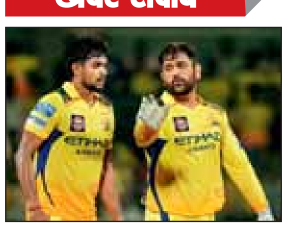

आप अधिक कमियां दूर नहीं कर सकते

चेन्नई। महेंद्र सिंह धोनी ने मौजूदा आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लगातार खराब प्रदर्शन पर अपनी बेबसी जाहिर करते हुए कहा है कि जब एक ही समय में चार-पांच खिलाड़ी फॉर्म खो देते हैं तो टीम के लिए वांछित परिणाम हासिल करना मुश्किल होता है। धोनी ने सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों पांच विकेट से मिली हार के बाद कहा, 'इस तरह के टूर्नामेंट में अगर एक या दो क्षेत्रों में कमियों को दूर करना है तो यह अच्छा है लेकिन जब अधिकांश खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो मुश्किल हो जाती है। ऐसे में आपको बदलाव करने की जरूरत होती है। आप बस चलते नहीं रह सकते। हम पर्याप्त रन नहीं बना पा रहे हैं।'

शुभंकर हेनान गोल्फ टूर्नामेंट में कट से चूके

हेनान। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और दूसरे दौर में तीन ओवर 75 का कार्ड खेलने के कारण हेनान क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में कट हासिल करने से चूक गए। उनका 69-75 के कार्ड से उनका दो दौर में स्कोर इवन पार रहा। दूसरे दिन का खेल अंधेरा होने के कारण रोकना पड़ा था लेकिन जब सुबह दूसरे दौर का खेल खत्म हुआ तो यह भारतीय कट से चूक गया। वह पिछले हफ्ते वोल्वो चाइना ओपन में भी कट से चूक गए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया 'ए' से 3-5 से हारी

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शनिवार को अपने पहले मैच में दमदार खेल दिखाने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ 3-5 की हार का सामना करना पड़ा।भारत की ओर से महिमा टेटे (27वें मिनट), नवनीत कौर (45वें मिनट) और लालरेम्सियामी (50वें मिनट) ने गोल किए, जबकि नेसा फ्लिन (तीसरे), ओलिविया डाउन्स (नौवें मिनट), रूबी हैरिस (11वें मिनट), टैटम स्टीवर्ट (21वें मिनट) और केंड्रा फिट्ज़पैट्रिक (44वें मिनट) ने पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया 'ए' के लिए गोल किए।

दोनों टीमों के 10-10 अंक, मुंबई चौथे और लखनऊ की टीम छठे स्थान पर काबिज

मुंबई-लखनऊ में आगे निकलने की होड़, लड़खड़ाकर संभली इंडियंस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

हमेशा की तरह शुरू में लड़खड़ाने के बाद शानदार वापसी करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। इन दोनों टीम के अभी तक समान 10 अंक हैं लेकिन मुंबई बेहतर नेट रन रेट के आधार पर चौथे जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर है।

अब तक नौ मैचों में से इन दोनों ने पांच मैच जीते हैं और चार हारे हैं। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ की टीम की निगाह जीत के अलावा अपने नेट रन रेट में सुधार करने पर भी होगी क्योंकि आगे इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

जहां ये दोनों टीमें वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर वर्चस्व के लिए भिड़ेंगी, वहीं मुंबई की भीषण गर्मी और उमस भी खिलाड़ियों की विपरीत परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की तैयारी को परखने में अपनी भूमिका निभाएगी।लखनऊ के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय है क्योंकि उन्होंने अब तक नौ मैचों में 106 रन बनाए हैं। मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी।

मुंबई की लगातार चार जीत

मुंबई की टीम सही समय पर अपने चरम पर पहुंची है। उसने लगातार चार मैच जीत कर खुद को प्ले ऑफ में पहुंचने की दौड़ में आगे कर दिया है और उसकी टीम अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उसकी टीम यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ है और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई के प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और यहां तक कि हार्दिक पंड्या सही समय पर फॉर्म में लौट आए हैं और उनसे पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा।

पूरन, मार्श, मार्क्रम पर लखनऊ निर्भर

जहां तक लखनऊ की बल्लेबाजी का सवाल है तो वह अपने विदेशी खिलाड़ियों निकोलस पूरन (377 रन), मिशेल मार्श (344) और एडेन मार्क्रम (326) पर बहुत अधिक निर्भर है। लखनऊ को फिर से इन तीनों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। लखनऊ के पास गेंदबाजी विभाग में बहुत बड़े नाम नहीं है लेकिन उसके गेंदबाजों ने अभी तक परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करके अपनी टीम के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसकी तरफ से शार्दुल ठाकुर ने सर्वाधिक 12 विकेट लिए हैं और स्थानीय खिलाड़ी होने के कारण वह यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं।

आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स में रोमांचक मुकाबले की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में भारत के दो धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल तथा आस्ट्रेलिया के दो खतरनाक तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड आकर्षण का केंद्र होंगे। आईपीएल में चीजें तेजी से बदल सकती हैं लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दिल्ली और आरसीबी दोनों के प्ले-ऑफ में पहुंचने की उम्मीद है। फिरोज शाह कोटला में दो अंक इस संदर्भ में विजेता टीम को महत्वपूर्ण रूप से मदद करेंगे। नौ मैचों में पांच अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली का यह क्रिकेट में घरेलू मैदान रहा है और विरोधी टीम में होने के बावजूद उन्हें यहां दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलने की संभावना है।

खास खबर

आईपीएल में अब 300 रन भी संभव : रिंकू

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग अब ऐसे मुकाम पर पहुंच गई है जहां कोई टीम एक पारी में 300 रन का आंकड़ा पार कर जाए तो कोई हैरानी नहीं होगी। आईपीएल 2025 अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है तो इस बात की चर्चा जोरों पर है कि लीग के इस चरण में टीमें एक पारी में 300 रन का आंकड़ा पार कर सकती हैं क्योंकि फ्रेंचाइजी 'पावरहिटिंग' पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

हो सकता है नीलामी में गलतियां की : फ्लेमिंग

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स की लगातार हार से आहत मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि हो सकता है कि कुछ महीने पहले मेगा नीलामी में उनकी तरफ से कुछ गलतियां हुई जिसके कारण वह सही टीम संयोजन तैयार नहीं कर पाए। पांच बार की चैंपियन चेन्नई की टीम के लिए आईपीएल के वर्तमान सत्र में कुछ भी अच्छा नहीं चल पा रहा है। टीम को अभी तक खेले गए नौ मैच में से सात में हार का सामना करना पड़ा है।

अनुभवी खिलाड़ियों को समर्थन की जरूरत

मुंबई। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को उनके कठिन समय के दौरान कुछ छूट और समर्थन देने की वकालत करने के साथ मैदान के बाहर और अंदर मुश्किल समय का शानदार तरीके से सामना करने के लिए दिग्गज रोहित शर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या की तारीफ की। रोहित ने आईपीएल के इस सत्र के शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन करने के बाद लगातार दो अर्धशतक जड़ कर शानदार वापसी की है जबकि हार्दिक को पिछले साल टीम के खराब प्रदर्शन के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था।

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया

शांभवी ने निशानेबाजी में जीते दो स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र की किशोरी शांभवी क्षीरसागर ने शनिवार को यहां कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप पदक विजेताओं, ओलंपिक फाइनलिस्ट और राष्ट्रीय चैंपियन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। पिछले साल लीमा में जूनियर विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही 16 वर्षीय शांभवी ने 633.5 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने 24 निशाने के फाइनल में अपने आखिरी प्रयास में 10.8 के शॉट के साथ हरियाणा की रमिता को पछाड़ दिया। रमिता पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंची थीं। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष ने कांस्य पदक जीता।

एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत ने पक्के किए 43 पदक

अम्मान। भारत के चार और मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर यहां चल रही पहली एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश के लिए 43 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं। भारत ने अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 पदक पक्के कर लिए हैं, जबकि अंडर-17 वर्ग में 18 पदक जीतने तय हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को कम से कम कांस्य पदक मिलता है। अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने अंडर-17 लड़कों के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में क्रमशः फिलीपींस और जॉर्डन के मुक्केबाजों के खिलाफ आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) में जीत हासिल की।

नीस ने थामा पीएसजी का अजेय अभियान

पेरिस। पेरिस सेंट-जर्मेन का फ्रांसीसी फ़ुटबॉल लीग (लीग 1) के वर्तमान सत्र में चला आ रहा अजेय अभियान शुक्रवार को यहां नीस से 3-1 से हार के साथ थम गया। पीएसजी ने तीन सप्ताह पहले ही फ्रांसीसी लीग का खिताब अपने नाम सुरक्षित किया था और उसकी कोशिश आखिर तक अजेय रहने की थी। पीएसजी की पिछले लगभग एक साल में यह अपने घरेलू मैदान पर पहली हार है जिससे उसकी आर्सेनल के खिलाफ मंगलवार को होने वाले चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण की तैयारी को भी झटका लगा है।

पेगुला ने तीसरे दौर में बनाई जगह

तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने ईवा लिस को 6-2, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गईं। पेगुला का अगला मुकाबला मोयुका उचिजिमा से होगा, जिन्होंने ओंस जाबेउर को तीन सेटों में हराया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने ब्रिटेन के क्रिस्टोफर ओ'कोनेल को 6-1, 6-4 से और कैस्पर रूड ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-3, 6-4 से हराया। एक अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने मारियानो नवोन को 4-6, 7-6 (5), 6-3 से पराजित किया। बुधवार को टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक उम्र के मैच विजेता खिलाड़ी बनने वाले 38 वर्षीय गेल मोनफिल्स बीमारी के कारण गत चैंपियन एंड्रे रुबलेव के साथ मैच से हट गए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
5 वर्ष की पोस्ट वॉरंटी CAMC के लिए

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, द.पू.म.रेलवे,नागपुर द्वारा निम्नलिखित आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है:
निविदा क्र.: NIT/25/APR/321255005/01
दिनांक: 10.04.2025
कार्य विवरण: कॉइल स्प्रिंग स्क्रेगिंग और लोड डिफ्लेक्शन परीक्षण मशीन, 5 साल की पोस्ट-वॉरंटी CAMC, स्पेयर पार्ट्स के साथ।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,05,72,211/-
ईएमडी: ₹ 2,11,440/-, **देय तिथि:** दिनांक **10.05.2025**, **देय समय:** सुबह **10:30** बजे।
नोट: ई-निविदा में सभी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियाँ IREPS वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें।
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएँ।
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
FL/04-17
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर परिषद, साईखेड़ा, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)
(Main Road, Sainkheda Phone: 07791-250320 Email: cmosaikheda@mpurban.gov.in)

पत्र क्र. 580 / ई-टेण्डर / 2025-26 — **निविदा सूचना** — साईखेड़ा. दिनांक - 25/04/2025

नगर परिषद साईखेड़ा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा नगर विकास योजनांतर्गत दैनिक / साप्ताहिक आम बाजार / अस्थायी दखल फीस वसूली के अधिकारो का हस्तांतरण करने के लिये ई निविदा ऑनलाईन वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई डी क्रमांक	ठेके का नाम	वसूली का क्षेत्र	आरक्षित मूल्य	धरोहर राषि	निविदा प्रपत्र मूल्य	अवधि
2025_UAD _417038_1	साप्ताहिक आम बाजार फीस बसूली (दिन- बुधवार)	साप्ताहिक आम बाजार क्षेत्र	250000.00	6250.00	2000.00	20/05/2025 से 31/03/2026 तक

नोट :- 1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दिनांक 26.04.2025 समय 10:30 बजे से 13.05.2025 समय 17:30 बजे तक क्रय किये जा सकते है।
2. ऑनलाईन बिड एवं समस्त दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि 13.05.2025 को 17:30 बजे तक है।
3. ऑनलाईन निविदा दिनांक 14.05.2025 को 17:30 बजे से खोली जायेगी।
4. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद, साईखेड़ा

अधीक्षक जिला जेल सिवनी म.प्र.
jscjsni@mp.gov.in \ jailsuperitendentseoni@gmail.com,
Teli. Ph.N. 07692-228065, Fax N. 07692 -228114

क्रमांक :- / निर्वाह / 2025 — ई-टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2025 2026 — सिवनी, दिनांक :-
mptenders.gov.in के माध्यम से ई-निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

जेल मुख्यालय भोपाल का पत्र क्रमांक / 8532 / निर्वाह शाखा / 2025 दिनांक 26.03.2025 के द्वारा वर्ष 2025 2026 में स्वच्छता सामग्री, विद्युत एवं अन्य सामग्री की पूर्ति हेतु निविदा विज्ञाप्ति का प्रकाशन किया जाता है। जिला जेल सिवनी की ई-निविदा जेल अधीक्षक जिला जेल, सिवनी में दिये गये निर्देशानुसार mptenders.gov.in पर परिरूद्ध बंदियों हेतु दिनांक 13.05.2025 को शाम 05:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा का कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है।

विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
ऑनलाईन निविदा प्रकाशन	19.04.2025	जेल अधीक्षक जिला जेल, सिवनी
प्रिबिड मीटिंग	28.04.2025	जेल अधीक्षक जिला जेल, सिवनी
निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म की कीमत रू. 1000/- प्रति फार्म एवं ठेके की लागत 5 लाख तक तक 500/- प्रति फार्मराशि ऑनलाईन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियॉं में जमा किया जावेगा।	13.05.2025 को समय 11:30 बजे तक	mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	13.05.2025 को सांयकाल 05:30 बजे तक	वेवासाईट mptenders.gov.in पर स्वीकार की जावेगी।
तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) एवं नमूनों की गुणवत्ता परीक्षण	15.05.2025 को प्रातः 11:30 बजे	जिला जेल सिवनी
नमूनों की गुणवत्ता परीक्षण बाद वित्तीय निविदा ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि	17.05.2025 को दोपहर 12:30 बजे	जिला जेल सिवनी

G-12019/25 "स्वच्छता ही सेवा" (जेल अधीक्षक) जिला जेल, सिवनी (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद अमरकंटक, जिला अनूपपुर (म.प्र.)
क्रमांक. 518 न.परि/ला.नि./2025 — अमरकंटक दिनांक-25/04/2025

ई - निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केंन्द्रीकृत म.प्र. लोक निर्माण विभाग की केंन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारो सूचित किया जाता है कि नगरीय प्रशासन में प्रचलित आई.एस.एस.आर. 02 अगस्त 2021 अनुसार सूची में वर्णित निर्माण कार्यो के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	ई निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2025_UAD_418692_1	Strengthening of CC road with Bituminous Concrete at Ward No 1 Jaleshwar Road,Strengthening of CC road with bituminous Concrete at Ward No3 Barati tiraha to hudco Colony Under Kayakalp 2.0 Scheme (5th call)	51,77,760.00	38,835.00	10,000.00	09-05-2025 (17:30 HRS)
02.	2025_UAD_418709_1	CONSTRUCTION OF REWA DHARMSHALA AT WARD NO.15 AMARKANTAK	9,92,029.00	9,920.00	2,000.00	09-05-2025 (17:30 HRS)
03.	2025_UAD_4187051	CONSTRUCTION OF RANGMUNCH WARD NO.2, 11 AND 15. AT AMARKANTAK	7,20,376.00	7,203.00	2,000.00	09-05-2025 (17:30 HRS)

1.निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2.बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATASHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
3.निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद अमरकंटक
जिला अनूपपुर (म.प्र.)

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट के फैसले को उचित व वैध करार दिया

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को उनकी वरीयता पर पदस्थापना पाने का पूरा अधिकार : हाईकोर्ट

हरिभूमि जबलपुर।

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट के उस फैसले को उचित व वैध करार दिया, जिसमें आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को उनकी पसन्द के जिलों में पोस्टिंग देने कहा था। सरकार के आदेश का पालन नहीं करने पर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील प्रस्तुत की थी। जस्टिस सुधांशु धूलिया एवं जस्टिस के विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट के मार्गदर्शी सिद्धांत के अनुरूप पाते हुए सरकार की अपील खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने सरकार को हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने कहा।

दरअसल, मप्र हाईकोर्ट ने 23 अक्टूबर 2024 को राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि आरक्षित वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस) के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को उनकी पहली च्वाइस के अनुरूप ट्रायबल स्कूल से शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूलों में वरीयता क्रम में पदस्थापना दें। कोर्ट ने कहा था कि आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को उनकी प्रथम वरीयता पर पदस्थापना पाने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग तथा आयुक्त लोक शिक्षण को पूरी प्रक्रिया 30 दिन के भीतर करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार मेरिट को डी-मेरिट नहीं बना सकती।

दरअसल, जबलपुर निवासी वंदना विश्वकर्मा, विदिशा निवासी सौरभ सिंह ठाकुर, शिवपुरी

निवासी सोनू परिहार, देवास निवासी रोहित चौधरी सहित दो दर्जन से अधिक प्राथमिक शिक्षकों द्वारा 2023 में याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर एवं विनायक प्रसाद शाह ने बताया कि प्राथमिक शिक्षक भर्ती 2020-23 में अनेक आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को उनकी मेरिट के आधार पर अनारक्षित वर्ग में परिवर्तित करके उनकी पदस्थापना ट्रायबल वेलफेयर विभाग की शालाओ में कर दी गई। इन याचिकाकर्ताओं द्वारा ट्रायवल वेलफेयर विभाग का एक भी स्कूल को अपनी चॉइस में दर्ज नहीं किया गया था।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन को दिए निर्देश

नई राइफल दो या फिर 50 हजार हर्जाना चुकाओ

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्थानीय चुनाव के समय थाने में जमा कराई गई राइफल गायब होने के मामले में गम्भीरता दर्शाई। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने राज्य सरकार को नई राइफल देने या 50 हजार हर्जाना देने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता छतरपुर जिले के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे सैयद मजहर अली की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पास लाइसेंसी राइफल थी। स्थानीय चुनाव के समय नियमानुसार छतरपुर के ओरछा पुलिस थाने में जमा करायी गई थी। चुनाव समाप्ति के बाद थाने से राइफल गायब हो गई। उक्त मामले की शिकायत पर विभागीय जांच हुई और दोषियों को सजा भी दी गई, लेकिन आवेदक की राइफल अब तक उसे वापस नहीं की गई। जिसकों लेकर आवेदक ने आवेदक पुलिस विभाग के अधिकारियों को दिये, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसलिए हाईकोर्ट की शरण ली गई।

पश्चिमी विक्षोप से बदले मौसम के मिजाज, दिनभर छाए रहे बादल

गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार

हरिभूमि जबलपुर।

पश्चिमी विक्षोभ की वजह से शनिवार को फिर मौसम के मिजाज अचानक बदले। दिनभर हल्के बादल छाये रहे जिससे उमस बढ़ी। दोपहर में हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के जिलों में गरज चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है वहीं तेज हवाएं भी चल सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर बने हवा के कम दवाब वाले क्षेत्र के कारण बादल नीचे उतर आए हैं, और आगामी 24 घण्टों के दौरान संभाग के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बरस भी सकते हैं।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के प्रवक्ता ने बताया कि राजस्थान में बने हवा के कम दवाब का क्षेत्र मध्यप्रदेश के ऊपर आ गया है। लो प्रेशर की वजह से बादल बन रहे हैं, और तापमान में गिरावट आई है। हाल ही में तीखे हुए गर्मी के तेवर कुछ नरम पड़े हैं। लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की है। लेकिन आसमान पर बदली के छाने से उमस बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 37.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 25.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 29 प्रतिशत और सायंकाल 27 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.39 पर और सूर्यास्त शाम 6.36 पर हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 44.6 डिग्री तापमान खजराहो जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान गरज चमक के साथ पानी बौछारें पड़ सकतीं हैं।

कार की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत, दूसरा घायल

जबलपुर। तिलवारा थाना अतंर्गत चूल्हा गोलाई मोड़ पर एक कार ने एक बाईक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाईक में सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा युवक गंभीर रुप से घायल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। तिलवारा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम घाना निवासी 26 वर्षीय नरेंद्र बर्मन गत दिवस बाईक से सुरेंद्र बर्मन के साथ और दूसरी बाईक में विनोद बर्मन व संजय बर्मन मजदूरी करने बरगी गए थे। मजदूरी कर घर लौटते समय रात लगभग 9.30 बजे चूल्हा गोलाई मोड़ पर पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीके 9193 के चालक ने नरेंद्र बर्मन की बाईक में टक्कर मार दी, जिससे नरेन्द्र बर्मन एवं सुरेन्द्र बर्मन दोनों मोटर सायकल सहित गिर गये नरेन्द्र बर्मन को सिर एवं सुरेन्द्र बर्मन के हाथ एवं चेहरे में चोटें आईं हैं।

अनुभव क्षेत्र को अभ्यारण में परिवर्तित करने मांग

सोनेवानी वन्य प्राणी क्षेत्र में 50 बाघों की मौजूदगी

जबलपुर। बालाघाट जिले के सोनेवानी वन्यप्राणी अनुभव क्षेत्र में 50 बाघों की मौजूदगी की अधिकारिक घोषणा की गई है। इसके अलावा वन्यप्राणी भी इस वन क्षेत्र में रह रहे हैं। इसके बावजूद भी इस वन्यप्राणी अनुभव क्षेत्र को अभ्यारण में अभी तक परिवर्तित नहीं किया है।

सोनेवानी अनुभव क्षेत्र में 3 गांव सोनेवानी, खिल्लबाड़ी तथा नवेगांव स्थित है, जहां बैगा आदिवासियों की लगभग 800 के आस पास आबादी निवासरत है। इस कारण भी इस अनुभव क्षेत्र को अभ्यारण में परिवर्तित करने का शीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए, जिससे आबादी को अन्यत्र विस्थापित कर बैगा आदिवासियों का विकास हो सके। अन्यथा वन्यप्राणियों की रहवासी क्षेत्र में घुसपैठ होकर कोई हादसा होने की भारी आशंका है। यह नोटिस शनिवार को डॉ पीजी नाजपांडे ने प्रदेश के वन मंत्रालय तथा आदिवासी कल्याण मंत्रालय के सचिवों को भेजा। डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि पूर्व में इस क्षेत्र को अभ्यारण में परिवर्तित करने का प्रस्ताव था, किंतु अब मध्यप्रदेश सरकार खनिज लाबी और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण अभ्यारण बनाने पर निर्णय नहीं ले रही हे।

बालाघाट विधायक ने भी मांग की है

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने भी इस अनुभव क्षेत्र के अभ्यारण में परिवर्तित कर वहां के आदिवासियों के विस्थापन एवं विकास की मांग की है।

ओमती क्षेत्र में देर रात पुलिस की कार्रवाई, मामला दर्ज

3 लाख की प्रतिबंधित ई सिगरेट 4 दुकानों से जब्त

हरिभूमि जबलपुर।

ओमती पुलिस ने शुक्रवार की रात थाना क्षेत्र की चार पान दुकानों पर छापा मारकर प्रतिबंधित इलेक्ट्रोनिक वेप ई सिगरेट 44 पैकेट, विदेशी सिगरेट 421 पैकट जब्त किए है जिसकी कीमत लगभग 3 लाख 1 हजार 140 रूपये बताई गई है।

ओमती पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिल रही थी कि कुछ पान दुकानों में प्रतिबंधित वेप ई सिगरेट और विदेशी सिगरेट बेची जा रही है जिससे युवाओं में नशे की लत बढ़ गई है। इस सूचना के आधार पर ओमती पुलिस की टीमों ने अलग अलग पान दुकानों में छापेमारी की। सिविक सेंटर स्थित नेहा पान भंडार के संचालक राकेश केशरवानी की दुकान से इलेक्ट्रोनिक वेप एवं विदेशी सिगरेट प्लेटिनम सेवन, डेवीडोफ क्लासिक, एस्से , डनहिल कम्पनी की तम्बाकू सिगरेट के पैकेट जिनमें विनिर्दिष्ट चेतावनी सहज दृष्टव्य नही है जब्त की गई है। दुकान से 4 पैकेट जे कम्पनी के डिस्पोसेबल वेप डिवाईस (ई सिगरेट), जिसमें 20 हजार पफ 20 एमजी/एमएल, 2 नग एल्फबार राया डी 2 कम्पनी के डिस्पोसेबल वेप डिवाईस (ई सिगरेट) जिसमें 20 हजार स्मूद पफ एवं 14 हजार टर्बो पफ, 9 नग प्लेटिनम सेवन कम्पनी के सिगरेट के पैकेट प्रत्येक पैकेट में 20 सिगरेट, 6 नग डवीडोफ क्लासिक कम्पनी के सिगरेट पैकेट प्रत्येक पैकेट में 20 सिगरेट, 10 नग डनहिल स्विच कम्पनी के सिगरेट के पैकेट प्रत्येक पैकेट में 20 सिगरेट, 4 नग एस्से ब्लेक कम्पनी के सिगरेट पेकेट प्रत्येक पैकेट में 20 सिगरेट, 3 नग एस्से गोल्डन ली कम्पनी के सिगरेट पैकेट प्रत्येक पैकेट में 20 सिगरेट, 2 नग एस्से स्पेशल गोल्ड कम्पनी के सिगरेट के पैकेट प्रत्येक पेकेट 20 सिगरेट रखी मिली।

इसी प्रकार इनकम टेक्स चौक स्थित मुन्ना पान दुकान से प्रतिबंधित इलेक्ट्रोनिक

वेप 38 नग ई सिगरेट तथा विभिन्न कम्पनी की 258 पैकिट विदेशी सिगरेट कीमती 2 लाख 40 हजार रूपये की जब्त की गई। आरोपी पान दुकान संचालक शिव नारायण गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

यहीं पर एक अन्य मुन्ना पान भंडार के संचालक शमशेर हुसैन की दुकान से 85 पैकिट सिगरेट कीमती 18 हजार 320 रूपये के जप्त किए गए। इसी तरह नौदरा ब्रिज के पास स्थित मुन्ना पान भण्डार दुकान के संचालक सैफ अली से 44 पैकिट सिगरेट कीमती 7 हजार 820 रूपये की जप्त की गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 4(1), 5(ए), 7, 8 इलेक्ट्रानिक सिगरेट निषेध अधिनियम तथा धारा 7, 8, 20 सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और वकील के बीच झड़प, थाने में हंगामा

हरिभूमि जबलपुर।

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में वाहन चैकिंग के दौरान एक वकील और सब इंस्पेक्टर के बीच विवाद होने का मामला सामने आया। चालानी कार्रवाई के दौरान बहस इस कदर बढ़ी कि दोनों पक्षों के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। इसके बाद कुछ वकीलों ने माढ़ोताल थाने में जमकर प्रदर्शन भी किया। हालांकि अभी अधिकारिक तौर पर इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। सोशल मीडिया में हंगामे का वीडियो जरुर वायरल हो रहा है। बताया गया है कि वाहन चेकिंग के दौरान वकील को रोका गया जहां वकील ने इस बात से नाराज होकर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों से बहस करने लगा। पुलिस वकील को थाने ले आई उसके वकील साथियों को इस बात की जानकारी लगी तो सभी ने थाने में पहुंचकर नारे बाजी की और थाने का घेराव किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामला शांत कराया।

रांझी मानेगांव में ठेकेदार और मजदूरों से की मारपीट

निर्माण कार्य रुकवाने पहुंचे बदमाशों ने मचाया उत्पात

हरिभूमि जबलपुर।

रांझी थाना अंतर्गत मानेगांव स्थित डीडी कॉलोनी में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कुछ बदमाश निर्माण कार्य रुकवाने पहुंचे और प्लॉट मालिक, ठेकेदार व मजदूरों के साथ जमकर अभद्रता और मारपीट की। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, आशीष कपूर नामक व्यक्ति अपने प्लॉट पर मकान का निर्माण करवा रहे हैं। प्लॉट पर ठेकेदार और मजदूर कॉलम के लिए गड्ढा खोदने का काम कर रहे थे, तभी वहां चार लोग – प्रकाश दुबे, आशीष दुबे, चंद्रभूषण तिवारी और सूर्य – मौके पर पहुंचे। उन्होंने काम रुकवाने के लिए दबाव बनाना शुरू किया।

जब प्लॉट मालिक और मजदूरों ने काम बंद करने से इनकार किया, तो आरोपियों ने पहले आशीष कपूर और उनकी पत्नी ज्योति कपूर के साथ गाली-गलौज की और फिर ठेकेदार व मजदूरों के साथ मारपीट करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाशों ने मौके पर आतंक का माहौल बना दिया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए।

घटना के तुरंत बाद पीड़ित आशीष कपूर थाने पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावर पहले भी इस तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और इलाके में दहशत फैलाने का प्रयास करते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। थाने से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कलयुगी बहू बेटे ने 95 साल की वृद्धा को दी यातना

भीषण गर्मी में खुली छत पर मां को मरने छोड़ दिया...!

हरिभूमि जबलपुर।

मां बाप बड़े जतन से औलाद की परवरिश करते है ताकि औलाद बुढ़ापे में उनका सहारा बने। लाख कष्ट उठाकर भी मां बच्चों पर अपनी पूरी ममता लुटाती है, लेकिन जब यही औलाद बुढ़ापे में हैवान बन जाए तो समाज का सिर लज्जा से झुक जाता है। धिक्कार है ऐसी औलाद पर जो अपने मां बाप से जानवर जैसा बर्ताव करते है। गोहलपुर थाना क्षेत्र के नंदन विहार त्रिमूर्ति नगर में ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है जहां एक कलुयगी बेटे बहू ने मां की प्रापर्टी अपने नाम कराने के बाद 95 साल की वृद्ध मां को भीषण गर्मी में छत पर मरने के लिए छोड़ दिया, इस बात का खुलासा तब हुआ जब कलेक्टर को एक गुमनाम चिट्ठी मिली और कलेक्टर दीपक सक्सेना ने पूरे मामलें की तहकीकात करने के लिए तहसीलदार और गोहलपुर पुलिस को जांच के लिए भेजा तो तहसीलदार जानकी उईके भी दंग रह गई। आग उगलते सूरज की गर्मी के बीच 95 साल की वृद्ध डरी सहमी दुबकी बैठी थी और उनके छांव के लिए पन्नी मात्र लगी थी, जमीन इस कदर तप रही थी कि नंगे पैर खड़े होना मुश्किल हो रहा था।

मां से जमीन जायदाद अपने नाम करवा ली

जानकारी के अनुसार नंदन विहार त्रिमूर्ति नगर में गुप्ता परिवार का घर है। घर के मुखिया की वृद्ध मां सहित पत्नी और बच्चे भी साथ ही रहते हैं। कुछ महीने पहले तक सबकुछ ठीक चल रहा था, इसके बाद बेटे ने मां से जमीन जायदाद अपने नाम करवा ली। नाम पर जायदाद होते ही बेटे ने मां को खुली छत पर एक पुरानी खाट देकर शिफ्ट कर दिया। पहले वृद्धा को भूख प्यास लगती तो वह नीचे घर के अंदर आ जाती थी, जिससे परेशान होकर उन्होंने सीढ़ियों पर दरवाजा लगा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वृद्धा को बासी रोटी, खराब बर्तनों में पानी आदि दिया जाता था। कलेक्टर के आदेश के बाद तहसीलदार व पुलिस बल जब वृद्धा का हाल जानने घर पहुंचा तो वे दंग रह गए। जानकारी के अनुसार वृद्धा को कई महीने से इसी छत पर अकेले रहना पड़ रहा है। पड़ोसियों ने उन्हें वृद्धाश्रम में रखने के लिए अधिकारियों से कहा है।

किसी पड़ोसी ने भेजा कलेक्टर को गुमनाम पत्र

बताया गया है कि वृद्ध मां की वेदना और पीड़ा देखकर उनके पुत्र बहू व नाती भले ही न पसीजे हो लेकिन आसपास रहने वाले किसी पड़ोसी ने जब वृद्ध मां के हालत देखे तो उनका दिल पसीज गया और उन्होंने कलेक्टर के नाम एक गुमनाम पत्र भेज दिया। कलेक्टर ने पत्र की सत्यता जानने के लिए तहसीलदार जानकी उईके को मौके पर भेजा। तहसीलदार ने जब हालत देखे तो उनकी आंखे भी नम हो गई।

नीचे न उतरे इसलिए दरवाजे में ताला लगा दिया

नंदनविहार त्रिमूर्तिनगर निवासी गुप्ता परिवार इतनी ही यातना तक नहीं रुका। भूख लगने पर वृद्धा छत से नीचे आ जाती थी, लिहाजा उसके कपूत पुत्र ने गेट में ताला लगाना शुरु कर दिया। खाने के नाम पर सूखी रोटी और गंदे बर्तनों में पानी दिया जा रहा था, हालात ऐसे बन गए कि वृद्धा चलने फिरने तक में अक्षम हो गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने वृद्धा को तत्काल बंधन से मुक्त कराया और उसे वृद्ध आश्रम में भेजने की तैयारी चल रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240